सत्यमेव जयते

राजस्थान सरकार

उच्च शिक्षा विभाग, राजस्थान

वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन
2019–20

राजस्थान सरकार

वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन
2019–20

उच्च शिक्षा विभाग, राजस्थान

राजस्थान सरकार

उच्च शिक्षा विभाग, राजस्थान

वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन 2019–20

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	विषय	पृष्ठ संख्या
1	सार–संक्षेप	04
2	महाविद्यालयों की संख्या	05
3	विभाग का संगठनात्मक ढांचा	06
4	स्वीकृत, कार्यरत तथा रिक्त पदों का विवरण	07
5	राजकीय महाविद्यालयों में पदों का विवरण	08–11
6	विभाग के प्रमुख कार्यों के विरुद्ध आलोच्य वर्ष में प्रगति एवं विगत 5 वर्षों की तुलना	12
7	वित्तीय प्रबन्धन	13
8	विद्यार्थियों का नामांकन	14–15
9	विश्वविद्यालयवार सम्बद्ध सामान्य शिक्षा के महाविद्यालयों का विवरण	16
10	महिला शिक्षा	17
11	जेन्डर बजटिंग एवं ऑडिटिंग	18–19
12	अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, विशेष पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग के विद्यार्थियों के लिए कल्याणकारी योजनाएं	20
13	छात्रवृत्तियाँ एवं प्रोत्साहन योजनाएं	21
14	आलोच्य वर्ष की विशेष पहल और उपलब्धियां	22–24
15	वर्ष 2019–20 की महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ	25–26
16	नियुक्तियाँ, पदोन्नतियाँ, वेतनमान, प्रशिक्षण तथा शोध	27
17	उच्च शिक्षा में गुणात्मक विकास एवं नवाचार	28–30
18	प्रभावी प्रबन्धन	31
19	चुनौतियाँ एवं संकल्पनाएं	32
20	भावी योजनाएं (वर्ष 2020–21)	33
21	शिक्षक–प्रशिक्षण महाविद्यालय	34

22	एन.सी.सी. निदेशालय, जयपुर	35–38
23	राष्ट्रीय सेवा योजना	39–42
24	राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, जयपुर	43–45
25	राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर	46–49
26	राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर	50–52
27	जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर	53–54
28	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर	55–56
29	महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर	57–58
30	कोटा विश्वविद्यालय, कोटा	59–61
31	महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर	62–65
32	वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा	66–68
33	राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, जोधपुर	69–71
34	राजर्षि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर	72–73
35	महाराजा सूरजमल ब्रज विश्वविद्यालय, भरतपुर	74–76
36	पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर	77–78
37	गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा	79–81
38	हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर	82–83
39	डॉ. भीमराव अम्बेडकर विधि विश्वविद्यालय, जयपुर	84
40	परिशिष्ट–1 राज्य के विश्वविद्यालयों व विश्वविद्यालयवत् संस्थाओं की सूची	85–87
41	परिशिष्ट–2 महाविद्यालयों की जिलेवार संख्या एवं विद्यार्थी नामांकन	88–89
42	परिशिष्ट–3 जिलेवार महाविद्यालयों की संख्या	90
43	परिशिष्ट–4 जिलों में श्रेणीवार विद्यार्थी नामांकन	91

सार–संक्षेप

उच्च शिक्षा विभाग राजस्थान में सामान्य शिक्षा के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों का प्रबन्धन करता है। देश की स्वतन्त्रता के समय राज्य में मात्र 7 सामान्य शिक्षा के महाविद्यालय थे, परन्तु पिछले सात दशक में अब यह संख्या लगभग दो सहस्र के पास पहुंच रही है।

राजस्थान में उच्च शिक्षा के तीव्र गति से हुए प्रसार के फलस्वरूप आज प्रदेश में सामान्य शिक्षा के कुल 1965 महाविद्यालय हैं जिनमें से 276* राजकीय महाविद्यालय, 16* राजकीय विधि महाविद्यालय, 1660 निजी महाविद्यालय, 7 स्ववित्तपोषी संस्थाएं तथा 6 निजी सहभागिता से स्थापित महाविद्यालय हैं। उच्च शिक्षा विभाग के कार्य–क्षेत्र में विभिन्न शिक्षक–प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में शिक्षक–प्रशिक्षण महाविद्यालयों की कुल संख्या 1377 है। राज्य में 27 राज्य वित्तपोषित विश्वविद्यालय, 52 निजी क्षेत्र के विश्वविद्यालय तथा 7 विश्वविद्यालयवत् संस्थाएं हैं, जिनमें से क्रमशः 14 व 51 उच्च शिक्षा विभाग से संबंधित हैं। राज्य की उच्च शिक्षा संस्थाओं में लगभग 18 लाख नियमित एवं स्वयंपाठी विद्यार्थी नामांकित हैं।

महाविद्यालयों का प्रशासन एवं प्रबन्धन

- राज्य में उच्च शिक्षा के विकास एवं प्रसार संबंधी कार्यों को सम्पादित करने का उत्तरदायित्व आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा, जयपुर का है। वर्तमान में आयुक्त, कॉलेज शिक्षा विभाग के प्रमुख के रूप में कार्य कर रहे हैं। आयुक्त कार्यालय जवाहर लाल नेहरू मार्ग पर डॉ. एस. राधाकृष्णन् शिक्षा संकुल के चतुर्थ ब्लॉक में अवस्थित है।
- राज्य में संचालित राजकीय एवं निजी महाविद्यालयों के प्रशासनिक, शैक्षणिक, सहशैक्षणिक विकास एवं वित्तीय कार्यों का प्रशासनिक नियन्त्रण करने हेतु आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा, जयपुर के अतिरिक्त 7 क्षेत्रीय कार्यालय, अजमेर, जोधपुर, उदयपुर, बीकानेर, कोटा, जयपुर एवं भरतपुर में संचालित हैं।
- राज्य में सामान्य उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने हेतु शैक्षणिक संस्थाओं की संख्या निम्नानुसार हैः–

विश्वविद्यालय	14
निजी क्षेत्र के विश्वविद्यालय	51
राजकीय महाविद्यालय (15 विधि महाविद्यालयों सहित)	292*
निजी, निजी सहभागिता व स्ववित्तपोषी महाविद्यालय	1673
विभिन्न शिक्षक–प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में शिक्षक–प्रशिक्षण महाविद्यालय	1377**

(*राज. महा., सांगानेर व राज.विधि महा., डूंगरपुर शैक्षणिक सत्र 2020–21 से प्रारम्भ किये जाएंगे, **विभिन्न शिक्षक–प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में शिक्षक–प्रशिक्षण महाविद्यालयों का विस्तृत विवरण पृष्ठ संख्या–34 पर, विश्वविद्यालय व विश्वविद्यालयवत् संस्थाओं की सूची परिशिष्ट–1 पर उपलब्ध)

महाविद्यालयों की संख्या

- आयुक्तालय के नियंत्रण में तालिका–1 के अनुसार 1965 उच्च शैक्षणिक संस्थाएं हैं।

तालिका–1 राजस्थान में सामान्य उच्च शिक्षा के महाविद्यालय (वर्ष 2019–20)

क्रम संख्या	संस्थाएं	महाविद्यालय		कुल
		सहशिक्षा	महिला	
1.	राजकीय महाविद्यालय (सहशिक्षा व महिला शिक्षा)	218*	58	276
	राजकीय विधि महाविद्यालय	16*	0	16
2	सामान्य शिक्षा के निजी महाविद्यालय	1155	432	1587
	विधि शिक्षा के निजी महाविद्यालय	69	04	73
3	स्ववित्तपोषी योजना के महाविद्यालय	06	01	07
4	निजी सहभागिता महाविद्यालय (पी.पी.पी.)	02	04	06
	योग	**1466**	**499**	**1965**

(*राज. महा., सांगानेर व राज.विधि महा., डूंगरपुर शैक्षणिक सत्र 2020–21 से प्रारम्भ किये जाएंगे)

तालिका–2

महाविद्यालयों की संख्या में वृद्धि

वर्ष	राजकीय	निजी	योग
2000–2001	–	6	6
2001–2002	–	14	14
2002–2003	–	42	42
2003–2004	–	175	175
2004–2005	3	228	231
2005–2006	–	115	115
2006–2007	3	160	163
2007–2008	3	107	110
2008–2009	4	98	102
2009–2010	0	112	112
2010–2011	1	281	282
2011–2012	–	143	143
2012–2013	2	113	115
2013–2014	27	119	146
2014–2015	8	96	104
2015–2016	8	112	120
2016–2017	12	90	102
2017–2018	17	130	147
2018–2019	28	110	138
2019–2020	40*	89	129

(*राज. महा., सांगानेर व राज.विधि महा., डूंगरपुर शैक्षणिक सत्र 2020–21 से प्रारम्भ किये जाएंगे)

विभाग का संगठनात्मक ढांचा

आयुक्तालय स्तर पर

क्र.सं.	पदनाम
1	आयुक्त
2	निदेशक अकादमी
3	अतिरिक्त आयुक्त
4	संयुक्त निदेशक
5	उपनिदेशक
6	वित्तीय सलाहकार
7	उपविधि परामर्शी
8	समन्वयक (युवा कौशल विकास प्रकोष्ठ)
9	सहायक निदेशक
10	सह आचार्य/सहायक आचार्य
11	विशेषाधिकारी
12	संस्थापन अधिकारी
13	निजी सचिव
14	वरिष्ठ विधि अधिकारी
15	मुख्य विधि सहायक
16	एनेलिस्ट–कम प्रोग्रामर (उप निदेशक)
17	लेखाधिकारी
18	सहायक लेखाधिकारी
19	सहायक सांख्यिकी अधिकारी

महाविद्यालय स्तर पर

क्र.सं.	पदनाम
1	प्राचार्य (स्नातकोत्तर)
2	प्राचार्य (स्नातक)
3	उपाचार्य
4	व्याख्याता/सह आचार्य/सहायक आचार्य
5	शारीरिक शिक्षक
6	पुस्तकालयाध्यक्ष
7	लेखाधिकारी
8	प्रशासनिक अधिकारी
9	सहायक लेखाधिकारी
10	वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
11	प्रयोगशाला सहायक
12	अनुदेशक
13	प्रोग्रामर
14	अनुसन्धान सहायक

स्वीकृत, कार्यरत तथा रिक्त पदों का विवरण

➢ विभाग में स्वीकृत पद* (आई.एफ.एम.एस.), कार्यरत तथा रिक्त पदों का विवरण तालिका 3 एवं 4 में उपलब्ध हैः

- निर्देशन एवं प्रशासन (आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा, जयपुर एवं 6 क्षेत्रीय कार्यालय, कॉलेज शिक्षा)

तालिका–3

क्र. सं.	पद	स्वीकृत पदों की संख्या*	कार्यरत पदों की संख्या	रिक्त पदों की संख्या
1	आयुक्त	1	1	0
2	अतिरिक्त आयुक्त	1	1	0
3	निदेशक (अकादमी)	1	0	1
4	संयुक्त निदेशक	4	3	1
5	उपनिदेशक	3	3	0
6	वित्तीय सलाहकार	1	1	0
7	उपविधि परामर्शी	1	1	0
8	समन्वयक(युवा कौशल विकास प्रकोष्ठ)	1	1	0
9	सहायक निदेशक	11	11	0
10	सहायक आचार्य/सह आचार्य	10	17	–7
11	संस्थापन अधिकारी	3	3	0
12	निजी सचिव	4	4	0
13	वरिष्ठ विधि अधिकारी	1	1	0
14	मुख्य विधि सहायक	2	0	2
15	एनेलिस्ट–कम प्रोग्रामर (उपनिदेशक)	0	1	–1
16	लेखाधिकारी	4	3	1
17	सहायक लेखाधिकारी–प्रथम	3	3	0
18	सहायक लेखाधिकारी–द्वितीय	2	2	0
19	सहायक सांख्यिकी अधिकारी	1	1	0
20	अतिरिक्त निजी सचिव	4	2	2
21	निजी सहायक	4	3	1
22	शीघ्रलिपिक	2	0	2
23	कनिष्ठ लेखाकार	7	7	0
24	प्रोग्रामर	1	1	0
25	प्रशासनिक अधिकारी	3	3	0
26	अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी	4	4	0
27	सहायक प्रशासनिक अधिकारी	17	2	15
28	वरिष्ठ सहायक	36	21	15
29	कनिष्ठ सहायक	31	21	10
30	मशीन मैन	2	2	0
31	प्रयोगशाला सहायक	1	0	1
32	वाहन चालक	3	3	0
33	जमादार	1	1	0
34	दफ्तरी	2	2	0
35	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	26	19	7
	योग	**198**	**148**	**66**

राजकीय महाविद्यालयों में पदों का विवरण

तालिका–4

क्र. सं.	पद	वर्तमान स्वीकृत पदों की संख्या*	नियमित कार्यरत	रिक्त पदों की संख्या
1	प्राचार्य	292	29	263
2	उपाचार्य	129	35	94
3	व्याख्याता	6930	4522	2408
4	शारीरिक शिक्षक	272	32	240
5	पुस्तकालयाध्यक्ष	274	34	240
6	कनिष्ठ व्याख्याता	03	03	00
7	व्याख्याता बी.एड.	37	21	16
8	क्यूरेटर	01	00	01
9	सहायक लेखाधिकारी–प्रथम	274	117	157
10	सहायक लेखाधिकारी–द्वितीय	22	09	13
11	अतिरिक्त निजी सचिव	01	01	00
12	निजी सहायक	06	04	02
13	आशुलिपिक	111	01	110
14	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	22	01	21
15	प्रशासनिक अधिकारी	06	04	02
16	अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी	164	54	110
17	सहायक प्रशासनिक अधिकारी	163	34	129
18	वरिष्ठ सहायक	349	161	188
19	कनिष्ठ सहायक	654	158	496
20	वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक	57	20	37
21	प्रयोगशाला सहायक	781	345	436
22	प्रयोगशाला परिचारक	534	102	432
23	जमादार	39	01	38
24	दफ्तरी	10	03	07
25	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी/चौकीदार	1233	573	660
26	बुकलिफ्टर	332	63	269

27	माली	08	01	07
28	एनिमल केचर	17	10	07
29	फर्राश	04	02	02
30	मैकेनिक	16	17	–1
31	गैसमेन	15	09	06
32	तबला वादक	25	14	11
33	कलाकार	03	01	02
34	मेट्रन	08	04	04
35	विद्युतकार	02	02	00
36	सैक्शन कटर	02	02	00
37	वाहन चालक	03	02	01
38	मशीनमैन	01	00	01
39	तकनीकी सहायक	06	03	03
40	टैक्सी डरमिस्ट	03	03	00
41	पम्प चालक	03	03	00
42	कार्टोग्राफर	03	00	03
43	अजायबघर रक्षक	08	08	00
44	अनुदेशक	05	02	03
45	स्टूडियो सहायक	02	01	01
46	सूचना सहायक	21	09	12
47	कनिष्ठ लेखाकार	06	05	01
48	डेयरी सुपरवाईजर	01	01	00
49	फार्म सुपरवाईजर	01	01	00
50	वाद्ययंत्र अवधाता	01	01	00
51	वर्कशाप सहायक	01	01	00
52	फील्डमैन	01	01	00
53	प्रूफ रीडर	01	01	00
54	लिपिक/टाईम कीपर	02	00	02
55	अनुसंधान सहायक	05	03	02
56	इन्टरप्रेटर	01	00	01
	योग	**12871**	**6434**	**6438**

राजकीय महाविद्यालयों में बजटवार विभिन्न संवर्गो में स्वीकृत पदों (आईएफएमएस) का विवरण

तालिका–5

क्र.सं.	पद	राजकीय महाविद्यालय	कन्या महाविद्यालय	टी ए डी जनजाति महाविद्यालय	अनुसूचित जाति महाविद्यालय	विधि महाविद्यालय	योग
1	**प्राचार्य**	**173**	**55**	**27**	**21**	**16**	**292**
2	उपाचार्य	88	29	12	00	00	129
3	**व्याख्याता**	**4808**	**1289**	**526**	**160**	**147**	**6930**
4	**शारीरिक शिक्षक**	**156**	**53**	**26**	**21**	**16**	**272**
5	**पुस्तकालयाध्यक्ष**	**158**	**53**	**26**	**21**	**16**	**274**
6	कनिष्ठ व्याख्याता	03	00	00	00	00	03
7	व्याख्याता बी.एड.	29	00	08	00	00	37
8	क्यूरेटर	01	00	00	00	00	01
9	**सहायक लेखाधिकारी–प्रथम**	**172**	**53**	**28**	**20**	**01**	**274**
10	सहायक लेखाधिकारी–द्वितीय	4	02	00	01	15	22
11	अतिरिक्त निजी सचिव	01	00	00	00	00	01
12	निजी सहायक	05	01	00	00	00	06
13	**आशुलिपिक**	**71**	**15**	**11**	**13**	**01**	**111**
14	सहा. पुस्तकालयाध्यक्ष	18	02	02	00	00	22
15	प्रशासनिक अधिकारी	05	01	00	00	00	06
16	**अति. प्रशासनिक अधिकारी**	**95**	**32**	**18**	**18**	**01**	**164**
17	**सहा. प्रशासनिक अधिकारी**	**110**	**25**	**10**	**03**	**15**	**163**
18	**वरिष्ठ सहायक**	**211**	**61**	**35**	**26**	**16**	**349**
19	**कनिष्ठ सहायक**	**421**	**115**	**59**	**42**	**17**	**654**
20	वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक	49	03	05	00	00	57
21	**प्रयोगशाला सहायक**	**539**	**157**	**64**	**21**	**00**	**781**
22	**प्रयोगशाला परिचारक**	**340**	**121**	**52**	**21**	**00**	**534**
23	जमादार	27	09	03	00	00	39
24	दफ्तरी	06	03	01	00	00	10
25	**च.श्रे.क./चौकीदार**	**809**	**242**	**130**	**49**	**03**	**1233**
26	**बुकलिफ्टर**	**229**	**36**	**30**	**21**	**16**	**332**
27	माली	08	00	00	00	00	08
28	एनिमल केचर	13	03	01	00	00	17
29	फर्राश	04	00	00	00	00	04
30	मैकेनिक	11	02	03	00	00	16
31	गैसमेन	11	02	02	00	00	15
32	तबला वादक	10	13	02	00	00	25
33	कलाकार	03	00	00	00	00	03

34	मेट्रन	01	07	00	00	00	08
35	विद्युतकार	02	00	00	00	00	02
36	सैक्शन कटर	02	00	00	00	00	02
37	वाहन चालक	03	00	00	00	00	03
38	मशीनमैन	00	00	01	00	00	01
39	तकनीकी सहायक	04	00	02	00	00	06
40	टेक्सी डरमिस्ट	03	00	00	00	00	03
41	पम्प चालक	02	00	01	00	00	03
42	कार्टोग्राफर	01	00	02	00	00	03
43	अजायबघर रक्षक	07	00	01	00	00	08
44	अनुदेशक	03	00	02	00	00	05
45	स्टूडियो सहायक	02	00	00	00	00	02
46	**सूचना सहायक**	**05**	**01**	**04**	**11**	**00**	**21**
47	कनिष्ठ लेखाकार	04	02	00	00	00	06
48	डेयरी सुपरवाईजर	01	00	00	00	00	01
49	फार्म सुपरवाईजर	01	00	00	00	00	01
50	वाद्ययंत्र अवधाता	01	00	00	00	00	01
51	वर्कशॉप सहायक	01	00	00	00	00	01
52	फील्डमैन	00	00	01	00	00	01
53	प्रूफ रीडर	01	00	00	00	00	01
54	लिपिक/टाईम कीपर	00	02	00	00	00	02
55	अनुसंधान सहायक	02	00	03	00	00	05
56	इन्टरप्रेटर	01	00	00	00	00	01
	योग	**8635**	**2389**	**1098**	**469**	**280**	**12871**

पद	स्वीकृत पदों की संख्या
(अ) शैक्षणिक स्टाफ (राजपत्रित)	**7938**
प्राचार्य	**292**
उपाचार्य	**129**
सहायक आचार्य	**6930**
व्याख्याता बी.एड.	**37**
क्यूरेटर	**01**
शारीरिक शिक्षक	**272**
पुस्तकालयाध्यक्ष	**274**
कनिष्ठ व्याख्याता	**03**
(ब) अशैक्षणिक स्टाफ	**4933**
योग	**12871**

विभाग के प्रमुख कार्यों के विरुद्ध आलोच्य वर्ष में प्रगति एवं उसकी विगत पांच वर्षों से तुलना

क्र. सं.	मद / विवरण	2015–16	2016–17	2017–18	2018–19	2019–20
1	नवीन निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना	0	01	03	05	00
2	नवीन राजकीय महाविद्यालयों की स्थापना	08	12	17	28	40*
3	नवीन निजी महाविद्यालयों की स्थापना	112	90	130	110	89
4	राजकीय महाविद्यालयों का पुनर्गठन	0	0	0	0	0
5	स्नातकोत्तर स्तर पर क्रमोन्नयन	0	05	10	09	02
6	स्नातकोत्तर स्तर पर नवीन विषय प्रारम्भ	0	19	53	61	02
7	स्नातक स्तर पर नवीन विषय प्रारम्भ	01	13	17	19	07
8	नवीन संकाय प्रारम्भ	0	03	08	09	0
9	भवन निर्माण हेतु राशि आवंटित महाविद्यालय	33	40	16	10	40
10	नियुक्तियां –व्याख्याता / सहायक आचार्य	0	0	112	925	76
11	नियुक्तियां–अन्य पदों पर (लिपिक–द्वितीय / कनिष्ठ सहायक, प्रयोगशाला सहायक एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी)	11	12	19	140	20
12	विद्यार्थी–नामांकन	752180	932094	1061924	1116322	1196501
13	नवीन पदों का सृजन	211	314	524	804	875

(*राज. महा., सांगानेर व राज.विधि महा., डूंगरपुर शैक्षणिक सत्र 2020–21 से प्रारम्भ किये जाएंगे)

वित्तीय प्रबन्धन

वित्तीय प्रबन्धः

- उच्च शिक्षा विभाग में वित्त प्रबन्धन राज्य के राज्य निधि मद (पूर्व दायित्व/योजनाएं), केन्द्र प्रवर्तित योजना, राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान आदि के माध्यम से किया जाता है।

तालिका–6: उच्च शिक्षा विभाग का स्वीकृत बजट वर्ष 2019–20 (राशि लाखों में)

क्र.सं.	मद	योजनाएं राज्य निधि	पूर्व दायित्व राज्य निधि	योग
1	आयुक्तालय	63.19	1606.90	1670.09
2	महाविद्यालय–पुरुष	7443.21	69014.21	76457.42
3	महाविद्यालय–महिला	2004.71	18268.53	20273.24
4	महाविद्यालय–टी.ए.डी.	1416.66	4264.24	5680.90
5	छात्रवृत्तियाँ	5.00	00	5.00
6	महाविद्यालय–अनुसूचित जातियों के लिए (मय बुक बैंक)	1077.62	00	1077.62
7	मुख्यमंत्री उच्चशिक्षा छात्रवृत्ति योजना	4050.00	00	4050.00
8	महाविद्यालय भवन	4252.19	00	4252.18
9	युवा विकास	70.01	00	70.01
10	विधि महाविद्यालय	00	1148.10	1148.10
11	राष्ट्रीय सेवा योजना–राज्य	0.01	00	0.01
12	सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा मिशन	50.01	00	50.01
13	निजी सहभागिता के नवीन महाविद्यालय	180.05	00	180.05
14	विभाग की नवीन योजनाएं/नवाचार	247.02	00	247.01
15	राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान	7389.11	00	7389.11
16	मेधावी छात्रा स्कूटी योजना	700.00	00	700.00
	योग	**28948.79**	**94301.98**	**123250.77**

- महाविद्यालय जनप्रतिनिधियों, दानदाताओं व अन्य राजकीय योजनाओं के अन्तर्गत भी विभिन्न प्रकार की सहायता प्राप्त कर अपने संसाधनों व सुविधाओं का विकास करते हैं।
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अतिरिक्त अन्य संस्थाओं जैसे– विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, आई.सी.एच. आर, आई.सी.एस.एस.आर. आदि से शोध कार्य हेतु महाविद्यालयों/संकाय सदस्यों को वित्तीय सहायता प्राप्त होती है।

विद्यार्थियों का नामांकन

➢ राज्य में संचालित उच्च शैक्षणिक संस्थाओं में 2019–20 में अध्ययनरत विद्यार्थियों का नामांकन विवरण तालिका–7 पर उपलब्ध है।

तालिका–7: वर्ष 2019–20 में सामान्य शिक्षा में नामांकन की स्थिति[1]

(विश्वविद्यालय के विभागों व संघटक महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयवत् संस्थाओं, तकनीकी, बी.एड. और संस्कृत शिक्षा को छोड़कर)

विवरण	राजकीय महाविद्यालय	निजी महाविद्यालय	कुल	प्रतिशत वृद्धि[2]
सामान्य वर्ग				
छात्र	38976	80284	119260	8.45
छात्राएं	50922	88258	139180	7.06
योग	89898	168542	258440	7.70
अनुसूचित जाति				
छात्र	47107	56416	103523	4.06
छात्राएं	44516	60924	105440	7.65
योग	91623	117340	208963	5.84
अनुसूचित जनजाति				
छात्र	28349	48160	76509	0.13
छात्राएं	33939	52978	86917	11.03
योग	62288	101138	163426	5.20
अन्य एवं विशेष पिछड़ा वर्ग				
छात्र	85828	161327	247155	6.86
छात्राएं	89099	187932	277031	9.52
योग	174927	349259	524186	8.25
अल्पसंख्यक वर्ग				
छात्र	4548	15578	20126	4.09
छात्राएं	5511	15849	21360	3.37
योग	10059	31427	41486	3.72
कुल नामांकन				
छात्र	204808	361765	566573	5.61
छात्राएं	223987	405941	629928	8.64
योग	428795	767706	1196501	7.18

1–नामांकन के आंकड़े सामान्य शिक्षा के 1755 महाविद्यालयों से प्राप्त सूचना पर आधारित हैं।

2–शैक्षणिक सत्र 2018–19 के मुकाबले वृद्धि।

तालिका–8: नामांकन में प्रतिशत वृद्धि

वर्ष	छात्र		छात्राएं		कुल नामांकन (लाखों में)	प्रतिशत वृद्धि
	नामांकन (लाखों में)	प्रतिशत वृद्धि	नामांकन (लाखों में)	प्रतिशत वृद्धि		
2005–2006	2.01	1.23	1.26	11.08	3.27	4.82
2006–2007	2.23	11.07	1.42	12.60	3.65	11.66
2007–2008	2.30	3.05	1.49	5.07	3.79	3.83
2008–2009	2.29	–0.20	1.63	9.64	3.93	3.67
2009–2010	2.50	9.05	1.71	7.25	4.21	7.25
2010–2011	2.53	1.11	1.86	9.08	4.40	4.35
2011–2012	2.83	11.86	2.26	20.85	5.09	15.68
2012–2013	3.00	5.91	2.46	8.94	5.46	7.25
2013–2014	3.10	3.52	2.89	17.68	6.00	9.90
2014–2015	3.66	17.87	3.43	18.40	7.09	18.13
2015–2016	3.82	4.44	3.70	7.80	7.52	6.06
2016–2017	4.65	21.69	4.67	26.23	9.32	23.92
2017–2018	5.15	10.81	5.46	17.04	10.61	13.93
2018–2019	5.36	4.05	5.80	6.13	11.16	5.12
2019–2020	5.66	5.61	6.30	8.64	11.96	7.18

तालिका–9 संकायवार नामांकन 2019–20

संकाय	कुल नामांकन			संकायवार प्रतिशत नामांकन		
	छात्र	छात्राएँ	योग	छात्र	छात्राएँ	योग
कला	347597	440647	788244	29.05	36.83	65.88
विज्ञान	145261	133635	278896	12.14	11.17	23.31
गृह विज्ञान	0	134	134	0.00	0.01	0.01
वाणिज्य	53972	46673	100645	4.50	3.90	8.40
विधि	18278	8009	26287	1.53	0.67	2.20
कृषि	569	220	789	0.05	0.02	0.07
डिप्लोमा व अन्य	896	610	1506	0.08	0.05	0.13
योग	566573	629928	1196501	47.35	52.65	100.00

तालिका–10 विश्वविद्यालयवार सम्बद्ध सामान्य शिक्षा के महाविद्यालय 2019–20

क्र. सं.	सम्बद्धक विश्वविद्यालय	छात्र / सहशिक्षा	छात्राएँ	कुल	जिला / क्षेत्र
1	राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर	276	109	385	जयपुर एवं दौसा
2	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर	102	21	123	उदयपुर, चित्तौड़गढ़, राजसमंद एवं सिरोही
3	जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर	184	32	216	बाड़मेर, जैसलमेर, जालोर, पाली एवं जोधपुर
4	महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर	175	53	228	अजमेर, भीलवाड़ा, नागौर एवं टोंक
5	महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर	201	84	285	बीकानेर, चूरू, श्रीगंगानगर एवं हनुमानगढ़
6	कोटा विश्वविद्यालय, कोटा	91	24	115	कोटा, बारां, बूंदी, झालावाड़, करौली एवं सवाईमाधोपुर
7	पं.दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर	186	95	281	सीकर एवं झुंझुनूं
8	महाराजा सूरजमल ब्रज विश्वविद्यालय, भरतपुर	101	35	136	भरतपुर एवं धौलपुर
9	राजर्षि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर	63	29	92	अलवर
10	गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा	87	17	104	डूंगरपुर, बांसवाड़ा एवं प्रतापगढ़
	योग	**1466**	**499**	**1965**	

महिला शिक्षा

- विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं को राज्य सरकार के आदेश क्रमांक प.6(3)शिक्षा/ग्रुप–3/2019 जयपुर दिनांक 05.03.2019 के द्वारा राजकीय निधि कोष की राशि माफ की गई।
- महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 1997–98 में अध्ययनरत छात्राओं की संख्या 0.60 लाख तथा वर्ष 2003–04 में 1.03 लाख, 2008–09 में 1.63 लाख थी जो 2019–20 में बढ़कर 6.30 लाख हो गई है।
- वर्ष 1997–98 में राज्य में महिला महाविद्यालयों की संख्या 100 थी, जो वर्ष 2003–04 में 183, 2008–09 में 361 तथा वर्ष 2019–20 में बढ़कर 499 हो गई है।
- राज्य में इस समय 2 विश्वविद्यालयवत् संस्थाएं तथा 2 निजी विश्वविद्यालय महिलाओं हेतु संचालित हैं।
- राज्य सरकार द्वारा अनुमोदित प्रवेश नीति सत्र 2019–20 में स्नातकोत्तर महाविद्यालयों में स्थान रिक्त रहने की स्थिति में महिला प्रत्याशियों को न्यूनतम प्राप्तांक प्रतिशत में 5 प्रतिशत की छूट दी जा सकेगी।
- अनुसूचित जाति की उन छात्राओं को जिनके माता–पिता आयकर नहीं देते हैं, निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराने हेतु पुस्तक बैंक योजना का विस्तार किया गया है।
- प्रवेश नीति सत्र 2010–11 से प्रवेश नियमों में परिवर्तन कर हर वर्ष महिलाओं को ऐसे स्थानों पर जहां महिला महाविद्यालय एवं सहशिक्षा उपलब्ध है उन महाविद्यालयों में प्रवेश लेने पर भी छूट दी गई जहां उनके द्वारा चुने गये विषय उपलब्ध हो।
- जारी दशक में राज्य में महिलाओं की उच्च शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ी है जो तालिका 11 से स्पष्ट होती है। सत्र 2005–06 में जहाँ सौ छात्रों पर 63 छात्राएं अध्ययनरत थीं, वहीं सत्र 2019–20 में यह संख्या 111 हो गई है जो अब तक का अधिकतम है।

तालिका–11: प्रति सौ छात्रों पर छात्राओं की संख्या

अकादमिक वर्ष	सामान्य	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अ.व वि. पिछड़ा वर्ग	अल्पसंख्यक वर्ग	सम्मिलित
2005–06	112	33	30	49	100	63
2006–07	112	37	32	52	78	64
2007–08	111	38	36	53	87	65
2008–09	117	44	42	64	85	71
2009–10	101	45	42	63	88	68
2010–11	109	50	51	69	85	74
2011–12	111	60	60	76	77	80
2012–13	114	62	67	80	77	82
2013–14	133	73	74	92	99	93
2014–15	120	76	80	94	91	94
2015–16	117	82	87	97	88	97
2016–17	119	85	97	98	106	100
2017–18	118	93	108	105	104	106
2018–19	118	98	102	109	107	108
2019–20	117	102	114	112	106	111

जैण्डर बजटिंग एवं ऑडिटिंग

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा महिला शिक्षा को प्रोत्साहन देने के फलस्वरूप राज्य में महिला उच्च शिक्षा में विगत कुछ वर्षों में उल्लेखनीय अभिवृद्धि हुई है। सामान्य वर्ग में छात्रों की तुलना में छात्राओं के नामांकन की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

तालिका–12

आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा, राजस्थान–योजनाओं के तहत राज्यनिधि मद के अन्तर्गत जेन्डर बजट (वर्ष 2019–20)

(राशि लाखों में)

क्र. सं.	मद	पुरुष व सहशिक्षा महाविद्यालय	कन्या महाविद्यालय	योग	कन्या महाविद्यालयों पर व्यय बजट का प्रतिशत
1	निर्देशन एवं प्रशासन	31.60	31.59	63.19	50.00
2	पुरुषों के लिए महाविद्यालय	3722.00	3721.21	7443.21	50.00
3	महिलाओं के लिए महाविद्यालय	00	2004.71	2004.71	100.00
4	राष्ट्रीय सेवा योजना	0.01	00	0.01	00
5	अनुसूचित जाति महाविद्यालय	538.81	538.81	1077.62	50.00
6	अनुसूचित जनजाति महाविद्यालय	708.33	708.33	1416.66	50.00
7	छात्रवृत्तियाँ	00	5.00	5.00	100.00
8	युवा विकास केन्द्रों की स्थापना	35.01	35.00	70.01	50.00
9	सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा मिशन	25.05	25.05	50.01	50.00
10	भवन	2127.00	2125.18	4252.19	50.00
11	मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति योजना	2025.00	2025.00	4050.00	50.00
12	निजी सहभागिता के नवीन महाविद्यालय	90.03	90.02	180.05	50.00
13	विभाग की नवीन योजनाएं/नवाचार	123.51	123.50	247.02	50.00
14	राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान	3695.00	3694.11	7389.11	50.00
15	मेधावी छात्रा स्कूटी योजना	00	700.00	700.00	100.00
	योग	**13121.35**	**15827.51**	**28948.79**	
1	देवनारायण स्कूटी वितरण एवं प्रोत्साहन राशि योजना	00	800.00	800.00	100.00

तालिका–13
आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा, राजस्थान–पूर्व दायित्व राज्य निधि मद का जेन्डर बजट (वर्ष 2019–20)

(राशि लाखों में)

क्र. सं.	मद	बजट अनुमान	पुरुषों पर व्यय संभावित	महिलाओं पर व्यय संभावित	महिलाओं पर व्यय बजट का प्रतिशत
1	01 संवेतन	93400.00	46709.34	46690.66	49.99
2	03 यात्रा–व्यय	51.25	25.65	25.60	49.95
3	04 चिकित्सा व्यय	69.80	34.93	34.87	49.96
4	05 कार्यालय–व्यय	320.00	160.00	160.00	50
5	07 कार्यालय वाहनों का संधारण	2.00	1.00	1.00	50
6	08 वृत्तिक और विशिष्ट सेवाओं के लिए संदाय	50.50	25.25	25.25	50
7	09 किराया, रेट और कर/रॉयल्टी	2.98	1.50	1.48	49.66
8	18 मशीनरी और साज सामान/औजार एवं संयंत्र	1.30	0.65	0.65	50
9	19 विद्युत प्रभार एवं जल व्यय	8.00	4.00	4.00	50
10	20 कार्यकलाप संबंधी वाहनों का संचालन एवं संधारण	0.18	0.09	0.09	50
11	21 अनुरक्षण एवं मरम्मत	22.00	11.00	11.00	50
12	22 सामग्री एवं प्रदाय	0.30	0.15	0.15	50
13	29 प्रशिक्षण, भ्रमण एवं सम्मेलन व्यय	0.30	0.15	0.15	50
14	31 पुस्तकालय एवं पत्र पत्रिकाओं पर व्यय	49.15	24.58	24.57	49.98
15	33 प्रयोगशाला व्यय	48.00	24.00	24.00	50
16	37 वर्दियां एवं अन्य सुविधाएं	13.72	6.86	6.86	49.97
17	41 संविदा व्यय	94.00	47.00	47.00	50
18	57 विभागों द्वारा विशिष्ट सेवाओं पर व्यय	160.00	80.02	79.98	49.99
19	62 कम्प्यूटराइजेशन एवं तत्सम्बन्धी संचार व्यय	8.50	4.25	4.25	50
	योग	**94301.98**	**47160.42**	**47141.56**	**49.97**

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, विशेष पिछड़ा वर्ग, विशेष योग्यजन एवं अल्पसंख्यक वर्ग के विद्यार्थियों के लिये कल्याणकारी योजनाएं

- उच्च शैक्षणिक संस्थाओं में प्रवेश के लिए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछडा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए प्रवेश में क्रमशः 16, 12 एवं 21 प्रतिशत के आरक्षण का प्रावधान है व सत्र 2019–20 से अति पिछडा वर्ग के लिए 5 व 10 प्रतिशत स्थान आरक्षित रहेंगे।
- राज्य में संचालित राजकीय एवं निजी क्षेत्र की उच्च शैक्षणिक संस्थाओं में चालू शैक्षणिक सत्र में अध्ययनरत अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग के विद्यार्थियों की संख्या एवं उनका प्रतिशत निम्नानुसार हैः–

तालिका–14: अनुसूचित जाति, जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों का नामांकन (वर्ष 2019–20)

क्र. सं.	श्रेणी	प्रवेश हेतु आरक्षण का प्रतिशत	विद्यार्थी नामांकन	कुल विद्यार्थियों की संख्या का प्रतिशत	नामांकन में पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत वृद्धि
1	अनुसूचित जाति	16	208963	17.46	5.84
2	अनुसूचित जनजाति	12	163426	13.66	5.64
3	अन्य पिछड़ा वर्ग	21	524186	43.81	8.25
4	अल्पसंख्यक वर्ग	–	41486	3.47	3.72

- महाविद्यालयों में अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को प्रवेश की पात्रता में रियायत दी जाती है ।
- अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थी शिक्षण शुल्क से मुक्त हैं तथा महाविद्यालय स्तर पर लिये जाने वाले स्थानीय शुल्क में इन वर्गों के विद्यार्थियों को छूट दी जाती है।
- महाविद्यालयों में अध्ययनरत अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों को सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग द्वारा छात्रवृत्तियाँ दी जाती हैं।
- राज्य सरकार द्वारा विशेष/अति पिछड़ा वर्ग की छात्राओं के लिए देवनारायण छात्रा स्कूटी वितरण एवं प्रोत्साहन राशि योजना वर्ष 2011–12 से प्रारम्भ की गई। योजना में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर/केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित 12वीं कक्षा परीक्षा में न्यूनतम 50 प्रतिशत से उत्तीर्ण होकर राजकीय महाविद्यालयों में स्नातक प्रथम वर्ष में अध्ययन हेतु प्रवेश लेने वाली उच्चतम अंक प्राप्त प्रथम 1500 छात्राओं को निःशुल्क स्कूटी वितरण करने का प्रावधान (1500वीं छात्रा के समान कट ऑफ वाली छात्राओं को) वर्ष 2019–20 में पात्र छात्राओं को स्कूटी स्वीकृत कर वितरित की कार्यवाही प्रक्रियाधीन।
- राजकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत विशेष/अति पिछड़ा वर्ग की छात्राओं द्वारा स्नातक प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष, तृतीय वर्ष और स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध परीक्षा में न्यूनतम 50 प्रतिशत प्राप्तांक से उत्तीर्ण होकर आगामी कक्षा में अध्ययनरत रहने पर स्नातक द्वितीय व तृतीय वर्ष में रुपये दस–दस हजार वार्षिक तथा स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध में रुपये बीस–बीस हजार वार्षिक प्रोत्साहन राशि का प्रावधान किया गया।

छात्रवृत्तियां एवं अन्य प्रोत्साहन योजनाएं

- राजकीय/निजी महाविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार की छात्रवृत्तियां प्रदान की जाती हैं।
- आयुक्तालय, कॉलेज शिक्षा, राजस्थान, जयपुर द्वारा वर्ष 2012–13 में एक नवीन छात्रवृत्ति प्रारम्भ की गई। मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति योजना नामक इस छात्रवृत्ति में राजस्थान के नियमित अध्ययनरत विद्यार्थियों को, जिन्होंने राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की सीनियर सैकण्डरी परीक्षा में 60 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त किये हों, जिनके परिवार की वार्षिक आय 2.50 लाख रु. वार्षिक से कम हो तथा जो अन्य कोई छात्रवृत्ति प्राप्त न कर रहे हों, को इस योजना में 500/– मासिक की दर से वार्षिक 5000/–रु. छात्रवृत्ति देय है। पात्र विद्यार्थी इस छात्रवृत्ति का लाभ 5 वर्ष तक ले सकते हैं तथा इसके लिए वरीयता के आधार पर एक लाख अवॉर्ड निर्धारित किये गये हैं। बजट घोषणा वर्ष 2019–20 में प्रतिभावान दिव्यांग विद्यार्थियों को 1000/–रु. प्रतिमाह (10000/– रू. वार्षिक) छात्रवृत्ति भुगतान की घोषणा की गई है।
- बजट घोषणा 2019–20 की अनुपालना में कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी वितरण योजना 2019–20 में पूर्व में प्रचलित मेधावी छात्रा स्कूटी के नियमों के अनुसार आवेदन–पत्र आमंत्रित कर स्कूटी क्रय कर वितरण की कार्यवाही की जायेगी।
- वित्तीय वर्ष 2019–20 में आयुक्तालय स्तर पर देय छात्रवृत्तियों हेतु आवंटित राशि तथा मार्च 2020 तक लाभान्वित विद्यार्थियों की संख्या तालिका–15 में दर्शाई गई है।

तालिका–15

क्र.सं.	छात्रवृत्ति/योजना का नाम	आवंटित बजट (राशि लाखों में)	प्राप्त आवेदन पत्रों की संख्या
1	मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति योजना	4050.00	1,02,075
2	देवनारायण छात्रा स्कूटी योजना (स्नातक प्रथम वर्ष के आवेदन)	750.00	इन योजनाओं के आवेदन आमंत्रित करने की अन्तिम तिथि 08 फरवरी 2020 रखी गयी है।
	देवनारायण छात्रा प्रोत्साहन राशि योजना (स्नातक स्तर के आवेदन)		
	देवनारायण छात्रा प्रोत्साहन राशि योजना (स्नातकोत्तर स्तर के आवेदन)		
3	कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी वितरण योजना	700.00	
4	विधवा/परित्यक्ता मुख्यमंत्री (बी.एड.) सम्बल योजना	48.00	431
5	महिला योग्यता छात्रवृत्ति	5.00	कार्यवाही प्रक्रियाधीन
6	आवश्यकता योग्यता छात्रवृत्ति योजना		
7	स्वतंत्रता सेनानियों के बच्चों को देय छात्रवृत्ति		
8	मृतक राज्य कर्मचारियों के बच्चों को देय छात्रवृत्ति		
9	राजस्थान के पूर्व सैनिकों की प्रतिभावान् पुत्रियों को देय छात्रवृत्ति		
10	कारगिल कार्यवाही में शहीद सैनिकों के आश्रितों को देय छात्रवृत्ति		
11	मिलिट्री (भारतीय सैन्य महाविद्यालय, देहरादून) छात्रवृत्ति		
	योग	**5584.70**	

नोट : लाभान्वित विद्यार्थियों की वास्तविक संख्या की जानकारी स्वीकृति जारी होने के पश्चात् प्राप्त होगी।

आलोच्य वर्ष की विशेष पहल और उपलब्धियाँ

ई–गवर्नेन्स, कम्प्यूटराइजेशन एवं आई. सी.टी सम्बन्धी पहलः

- **ऑन लाइन प्रवेश प्रक्रिया** – राजकीय महाविद्यालयों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर ऑनलाईन प्रवेश प्रक्रिया लागू है। एक ही पाठ्यक्रम के लिए पुनः आवेदन करने की आवश्यकता को समाप्त किया गया है। **सत्र 2019–20 से प्रथम बार स्नातक पार्ट द्वितीय, तृतीय व स्नातकोत्तर उत्तरार्द्ध के लिए भी पुनर्नवीनीकरण प्रवेश शुल्क ई–मित्र के माध्यम से जमा करवाने की सुविधा प्रदान कर सम्पूर्ण प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाईन सम्पन्न हुई।**
- **हायर एज्यूकेशन पोर्टल–** समस्त उच्च एवं तकनीकी शिक्षा संस्थानों की सूचना एक ही वेब पोर्टल से प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करने के लिए हायर एज्यूकेशन पोर्टल ''शिक्षा दृष्टि'' सफलता पूर्वक कार्य कर रहा है। इसके तहत समस्त राजकीय महाविद्यालयों के वेब पेज का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है, इसका पता हैः– http://hte.rajasthan.gov.in
- राज्य के 6 राजकीय महाविद्यालयों अजमेर, कालाडेरा, जोधपुर, उदयपुर कन्या, कोटा, बीकानेर में स्मार्ट साईन्स लैब की स्थापना की जा चुकी है। राजकीय महाविद्यालय, भरतपुर में कार्य प्रगति पर है।
- राज्य के महाविद्यालयों में लगभग 11.96 लाख नियमित विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। वर्ष 2019–20 में विद्यार्थी नामांकन में लगभग 7.18 प्रतिशत वृद्धि अंकित की गई।
- **सीटों व वर्गों में वृद्धि–** वर्तमान शैक्षणिक सत्र 2019–20 में स्नातक स्तर पर प्रथम वर्ष में निर्धारित सीटों में 25 प्रतिशत की वृद्धि कर कला एवं वाणिज्य संकाय में सीटों की संख्या 100 तथा विज्ञान संकाय में सीटों की संख्या 88 निर्धारित की गयी है। जिससे लगभग 20000 विद्यार्थी लाभान्वित हुए है।
- **छात्रसंघ चुनाव–** राज्य की समस्त उच्च शिक्षण संस्थाओं में सत्र 2019–20 में दिनांक 27.08.19 को मतदान प्रक्रिया पूर्ण कर दिनांक 28.08.19 को मतगणना करवायी गयी।
- आयुक्तालय स्तर पर पहली बार आकाशि कलेण्डर जारी किया गया जिसमें शैक्षणिक कार्य के साथ महाविद्यालय में होने वाली विभिन्न गतिविधियों (खेलकूद, चुनाव, सांस्कृतिक कार्यक्रम, वाद विवाद प्रतियोगिता इत्यादि) को सम्मिलित किया गया।
- राज्य के सभी महाविद्यालयों में दिनांक 30–06–2019 तक प्रवेश प्रक्रिया सम्पन्न कर पहली बार 01 जुलाई, 2019 से नियमित कक्षाओं का संचालन करवाया गया।
- सत्र 2019–20 जुलाई माह से मासिक पाठ्यक्रम जारी किया गया। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को माह फरवरी, 2020 तक विभाजित कर प्रत्येक माह का पाठ्यक्रम राजकीय महाविद्यालयों को प्रेषित किया गया।
- प्रदेश के सभी राजकीय महाविद्यालयों में 13 जुलाई, 2019 को राज्य स्तर पर सामान्य ज्ञान विषय की परीक्षा आयोजित करवाई गई जिसमें छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान की घोषणा भी की गई।
- प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति रूचि जागृत करने हेतु महाविद्यालयों में विद्यार्थियों को सामान्यज्ञान एवं अंग्रेजी विषय की पुस्तकों का निःशुल्क वितरण किया गया।
- प्रत्येक माह के अन्तिम सोमवार को सभी महाविद्यालयों में कक्षा टेस्ट करवाया गया तथा विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर आने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र जारी किये गये।
- प्रतियोगिता दक्षता कार्यक्रम के तहत राजकीय महाविद्यालयों में विषयवार समयसारणी भिजवाकर नियमित रूप से कक्षाएं लगवाई गई। इसी कार्यक्रम के तहत राज्य स्तर पर प्रतियोगिता दक्षता परीक्षा का भी आयोजन करवाया गया।

- यूट्यूब पर लगभग 350 व्याख्यानों को, जो कि प्रतियोगिता दक्षता कार्यक्रम के तहत इन्दिरागांधी पंचायती राज संस्थान स्थित सेटकॉम में विषय विशेषज्ञों द्वारा रिकॉर्ड किये गये है, अपलोड किया गया है। ये व्याख्यान प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों के हित में अपलोड किये गये हैं।
- राजकीय महाविद्यालयों के सह/सहायक आचार्यों द्वारा भी मोबाईल पर लगभग 700 व्याख्यान रिकॉर्ड करवाये गये हैं जिनमें से लगभग 100 व्याख्यान को विद्यार्थियों के उपयोग हेतु यूट्यूब पर अपलोड करवा दिये गये है।
- राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान योजना (RUSA) भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा संचालित केन्द्र प्रवर्तित योजना (60:40) है, जिसके अन्तर्गत राजकीय महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों को वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। इस योजना का उद्देश्य राज्य के सरकारी उच्च शिक्षण संस्थानों में access, equity तथा quality में गुणात्मक अभिवृद्धि करना है।
- राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान द्वितीय चरण के तहत राजकीय महाविद्यालय, पोकरण (जैसलमेर), राजकीय महाविद्यालय, रेवदर (सिरोही), राजकीय महाविद्यालय, मांगरोल (बारां), राजकीय महाविद्यालय, सपोटरा (करौली), राजकीय महाविद्यालय, बसेड़ी (धौलपुर) को मॉडल कॉलेज के रूप में विकसित करने हेतु प्रत्येक महाविद्यालय को रूपये 12 करोड़ स्वीकृत हुए जिसमें से रूपये 6 करोड़ की राशि प्रत्येक राजकीय महाविद्यालय को जारी की गई है।
- राजकीय महाविद्यालय, धौलपुर, राजकीय महाविद्यालय, आबूरोड एवं राजकीय महाविद्यालय, हिण्डौनसिटी को अपग्रेडेशन टू मॉडल कॉलेज (Upgradation to Model College) के तहत रूपये 4 करोड़ की राशि प्रति महाविद्यालय स्वीकृत की गई है, जिसमें से रूपये 2 करोड़ प्रत्येक महविद्यालय को जारी किये गये।
- राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, धौलपुर को रूपये 13 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई। राजकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय, बारां को रूपये 6.5 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई। राजकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय, बाड़मेर को रूपये 6.5 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई।
- राजकीय महाविद्यालय, सांभरलेक को द्वितीय किश्त 50 लाख रूपये एवं राजकीय महाविद्यालय, चित्तौड़गढ़ को एक करोड़ रूपये प्रथम किश्त एवं 50 लाख रूपये द्वितीय किश्त वितरित की जा चुकी है।
- महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर को कन्या छात्रावास के लिये 2.5 करोड़ रूपये की राशि वितरित की।
- पांच राजकीय महाविद्यालयों (कन्या टोंक, कन्या चितौड़गढ, कन्या डूंगरपुर, राजगढ़ (अलवर) व बांसवाड़ा) को 2 करोड़ रूपये प्रति महाविद्यालय आधारभूत संरचना विकास के लिए स्वीकृत किये गये। इसमें से प्रत्येक महाविद्यालय को रूपये 1 करोड़ जारी किये गये।
- कोटा विश्वविद्यालय को 20 करोड़ रूपये आधारभूत संरचना विकास हेतु स्वीकृत किये गये। इसमें से 10 करोड़ रूपये जारी किये गये।
- राजर्षि राजकीय महाविद्यालय, अलवर (स्वायत्तशासी महाविद्यालय) को शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार हेतु 5 करोड़ रूपये स्वीकृत किये गये हैं।
- संकाय सदस्यों के शैक्षणिक उन्नयन हेतु राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के एच.आर.डी.सी. को रूपये 07 करोड़ MHRD द्वारा स्वीकृत किये गये। जिसमें से प्रथम किश्त में रूपये 3.5 करोड जारी किये गये। इसके तहत राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर द्वारा नव नियुक्त सहायक आचार्यों को राजस्थान सेवा नियमों इत्यादि की जानकारी देने हेतु प्रारम्भ किये गये 04 इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम करवाये जा रहे है।
- राजस्थान के विश्वविद्यालयों को एन्टरप्रिन्योरशिप एण्ड कैरियर हब बनाने हेतु स्वीकृत रूपये 15 करोड़ में से रूपये 7.5 करोड जारी किये गये।
- राजकीय महाविद्यालयों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC) द्वारा मूल्यांकन किया जाता है। वर्तमान में राजस्थान में 70 राजकीय महाविद्यालयों का प्रत्यायन है। (04 राजकीय महाविद्यालय–A ग्रेड, 03 राजकीय महाविद्यालय–B++ग्रेड, 03 राजकीय महाविद्यालय–B+ ग्रेड, 47 राजकीय महाविद्यालय–B ग्रेड, 13 राजकीय महाविद्यालय–C ग्रेड)। NAAC के Revised Accreditation Framework के प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षण कार्यशालाओं का निरन्तर आयोजन किया जा रहा है।
- बेरोजगार युवाओं को निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण देने हेतु SHREYAS पोर्टल पर महाविद्यालयों के विद्यार्थियों का रजिस्ट्रेशन करवाया गया।

- Draft National Education Policy पर चर्चा करने तथा केन्द्र सरकार को सुझाव भेजने हेतु एक दिवसीय कार्यशाला 24 जुलाई 2019 को रूसा के तहत आयोजित की गई। जिसमें विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के प्रतिनिधियों के साथ शिक्षाविदों ने भाग लिया।
- रूसा लाभार्थी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को PFMS पर रूसा अनुदान के उपयोग करने हेतु अहमदाबाद में आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रशिक्षण दिलवाया गया।
- Consultative Meeting for Inclusions of "Joy of Giving" (Anandam) as essential part of Curriculum पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में विद्यार्थियों को समाज के प्रति उनके उत्तरदायित्व एवं देने के भाव को विकसित करने एवं प्रेरणा देने हेतु Joy of Giving को पाठ्यक्रम में शामिल करने पर विचार विमर्श हुआ।
- राजकीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें 11 विश्वविद्यालयों के कुलपतियों/प्रतिनिधियों ने भाग लिया। जिसमें उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार एवं रूसा के कार्यों की समीक्षा की गई।
- रूसा के अन्तर्गत जेन्डर एटलस का कार्य राजस्थान के उदयपुर जिले का पूर्ण करवा लिया गया है।
- रूसा की राशि का उपयोग करते हुए 45 राजकीय महाविद्यालयों में सोलर प्लांट्स लगाये गये है।

वर्ष 2019–20 की महत्त्वपूर्ण उपलब्धियाँ

- वर्ष 2019–20 में कुल 38 नवीन राजकीय महाविद्यालय खोले गये यथा धोरीमन्ना (बाड़मेर), शाहबाद (बारां), कन्या हेतमसर (झुन्झूनूं), सांचोर (जालोर), चितलवाना (जालोर), कन्या तिवरी मथानियां (जोधपुर), कन्या मगरापूंजला (जोधपुर), रेलमगरा (राजसमन्द), जमवारामगढ़ (जयपुर), विराटनगर (जयपुर), फागी (जयपुर), बस्सी (जयपुर), चाकसू (जयपुर), कन्या किशनपोल बाजार (जयपुर), नावां (नागौर), परबतसर (नागौर), लक्ष्मणगढ़ (अलवर), कन्या बहरोड़ (अलवर), कन्या बांदीकुई (दौसा), कन्या सिकन्दरा (दौसा), वैर (भरतपुर), पहाड़ी (भरतपुर), उच्चैन (भरतपुर), बज्जू (बीकानेर), छतरगढ़ (बीकानेर), सेपऊ (धौलपुर), कन्या राजगढ़ (चूरू), मण्डरायल (करौली), जहाजपुर (भीलवाड़ा), करेड़ा (भीलवाड़ा), कन्या हनुमानगढ़ (हनुमानगढ़) कन्या पीपलू (टोंक), बौंली (सवाईमाधोपुर), सज्जनगढ़ (बांसवाड़ा), लक्ष्मणगढ़ (सीकर), पाटन (सीकर), कन्या प्रतापगढ़ (प्रतापगढ़) व पीपलखूँट (प्रतापगढ़) । इन सभी 38 नवीन राजकीय महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2019–20 से अध्यापन कार्य प्रारम्भ किया गया।
- राजकीय महाविद्यालय, सांगानेर (जयपुर) तथा राजकीय विधि महाविद्यालय, डूंगरपुर को शैक्षणिक सत्र 2020–21 से प्रारम्भ करने की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की गई है।
- वर्ष 2019–20 में 02 राजकीय महाविद्यालयों यथा राजकीय कन्या महाविद्यालय, होद (सीकर), राजकीय कन्या महाविद्यालय, (बाड़मेरं) को स्नातकोत्तर स्तर पर क्रमोन्नत कर कन्या होद–भूगोल एवं कन्या बाड़मेर में राजनीति विज्ञान विषय खोले गये।
- वर्ष 2019–20 में 07 राजकीय महाविद्यालयों यथा राजकीय महाविद्यालय– पोकरण (जैसलमेर), जैसलमेर, कामां (भरतपुर), ब्यावर (अजमेर), नागौर, डीडवाना (नागौर) व राजकीय कन्या महाविद्यालय, नागौर में स्नातक स्तर पर उर्दू विषय खोला गया।
- 04 राजकीय महाविद्यालयों यथा शहीद हेमराज मीणा राजकीय महाविद्यालय, सांगोद (कोटा), श्री राधेश्याम आर. मोरारका राजकीय महाविद्यालय, नवलगढ़ (झुन्झूनूं), शहीद श्री मुकुट बिहारी मीणा राजकीय महाविद्यालय, खानपुर (झालावाड़), स्व. श्री गुरूशरण छाबड़ा राजकीय महाविद्यालय, सूरतगढ़ (श्रीगंगानगर) का नामकरण किया गया।
- राजकीय महाविद्यालय, नावां सिटी जिला नागौर की भूमि एवं नवीन भवन निर्माण हेतु श्रीमती रूक्मणी देवी रामदेव लढ़ा चेरीटेबल ट्रस्ट के साथ एम.ओ.यू. हस्ताक्षरित किया गया।
- माननीय मुख्यमंत्री महोदय की बजट घोषणा 2019–20 की अनुपालना में सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के माध्यम से समस्त राजकीय महाविद्यालयों में वाई–फाई की सुविधा उपलब्ध करवाने की कार्यवाही प्रारम्भ हो चुकी है तथा अब तक लगभग 48 राजकीय महाविद्यालयों में यह सुविधा उपलब्ध करवाई जा चुकी है।
- 40 राजकीय महाविद्यालयों में लाईब्रेरी को कम्प्यूटरीकृत करने के क्रम में 27 राजकीय महाविद्यालयों में लाईब्रेरी का कम्प्यूटरीकरण किया जा चुका है, शेष 13 राजकीय महाविद्यालयों में यह कार्य प्रगति पर है।

- राज्य में 76 राजकीय महाविद्यालयों में सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के माध्यम से ई–क्लास रूम की स्थापना की जा चुकी है। इन कक्षाओं से ई–व्याख्यान निरन्तर रूप से प्रसारित किये जा रहे हैं, जिनका लाभ विद्यार्थियों को सतत रूप से मिल रहा है।
- वर्तमान शैक्षणिक सत्र 2019–20 में स्नातक स्तर पर प्रथम वर्ष में निर्धारित सीटों में 25 प्रतिशत की वृद्धि कर कला एवं वाणिज्य संकाय में सीटों की संख्या 100 तथा विज्ञान संकाय में सीटों की संख्या 88 निर्धारित की गयी है, जिससे लगभग 20000 विद्यार्थी लाभान्वित हुए हैं।
- स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत पर्यावरण संरक्षण हेतु चेतना जागरण कार्य, रक्तदान, वृक्षारोपण, सद्वाक्य लेखन, बुक–बैंक योजना के साथ सार्वजनिक स्थानों की सफाई आदि का कार्य किया गया।
- 2 अक्टूबर, 2019 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर दिनांक 02.10.19 को 1,55,770 यूनिट स्वैच्छिक रक्तदान हुआ।
- विभाग द्वारा दिनांक 01.01.2016 से 01.09.2018 तक सेवानिवृत्त प्राचार्यो का 7वें वेतनमान के अनुसार दिनांक 01.04.2019 से 10.01.2020 तक 178 प्राचार्यों का वेतन नियतन किया गया।
- माननीय मुख्यमंत्री महोदया की बजट घोषणा वर्ष 2015–16 की अनुपालना में वर्ष 2019–20 में प्रत्येक जिले में 50 मेधावी छात्राओं को स्कूटी वितरण की जायेगी।
- मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति योजना के अन्तर्गत राशि रुपये 4050.00 लाख राजकीय महाविद्यालयों को आवश्यकतानुसार आवंटित की जाती है।
- कॉलेज शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों को वितरित की जा रही 4 मुख्य छात्रवृत्ति योजनाओं को ऑनलाइन स्कॉलरशिप पोर्टल से जोड़ते हुए वितरण सुनिश्चित किया गया है।
- बजट घोषणा 2019–20 की अनुपालना में कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी वितरण योजना 2019–20 में पूर्व में प्रचलित मेधावी छात्रा स्कूटी के नियमों के अनुसार आवेदन–पत्र आमंत्रित कर स्कूटी क्रय कर वितरण की कार्यवाही की जायेगी।
- देवनारायण छात्रा स्कूटी एवं प्रोत्साहन राशि योजना में वित्तीय वर्ष 2019–20 से 1000 स्कूटी के स्थान पर 1500 स्कूटी वितरण का राज्य सरकार द्वारा लक्ष्य रखा गया है।

नियुक्तियां, पदोन्नतियां, वेतनमान, प्रशिक्षण तथा शोध आदि

- राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर से विभिन्न विषयों में चयनित 76 अभ्यर्थियों को विभाग द्वारा दिनांक 01.04. 2019 से 10.01.2020 तक सहायक आचार्य के पद पर नियुक्ति प्रदान की गई ।
- राजकीय महाविद्यालयों में संचालित विभिन्न विषयों में सहायक आचार्य के 920 रिक्त पदों पर चयन करने हेतु राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर द्वारा लगाये गये आक्षेपों की पूर्ति कर पुनः अभ्यर्थना भिजवाये जाने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।
- पुस्तकालयाध्यक्षों के 183 पदों तथा पी.टी.आई. के 195 पदों पर भर्ती एवं चयन हेतु राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर को अभ्यर्थना प्रेषित करने से पूर्व वित्त विभाग के अनुमोदन हेतु पत्रावली प्रक्रियाधीन है।
- माह अप्रेल 2019 से दिनांक 31.12..2019 तक की अवधि में सीधी भर्ती एवं मृत राज्य कर्मचारियों के आश्रितों के 20 व्यक्तियों को नियुक्तियां प्रदान की गईं (कनिष्ठ सहायक–11, प्रयोगशाला सहायक–04 एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी–05)
- वर्ष 2018–19 एवं 2019–20 में पदोन्नत हुए कार्मिकों का माह अप्रेल, 2019 से जनवरी, 2020 तक की अवधि में निम्नानुसार विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें निम्नानुसार कार्मिक लाभान्वित हुए :–

क्र.सं.	पद	विभागीय पदोन्नति का वर्ष	लाभान्वितों की संख्या
1	संस्थापन अधिकारी	2018–19 व 2019–20	02
2	प्रशासनिक अधिकारी	2018–19 2019–20	04 04
3	अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी	2018–19 2019–20	18 17
4	अतिरिक्त निजी सचिव	2018–19	02

- 85 सहायक आचार्यों को वरिष्ठ वेतनमान, 77 सहायक आचार्यों को चयनित वेतनमान एवं 49 सहायक आचार्यों को पे–बैण्ड IV एवं इसके अतिरिक्त 103 सहायक आचार्यों को वरिष्ठ वेतनमान, चयनित वेतनमान एवं पे–बैण्ड IV (Old DPC) जारी किये जाने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।
- सत्र 2019–20 में 62 सहायक आचार्यों ने रिफ्रेशर कोर्स एवं 54 सहायक आचार्यो ने ओरियन्टेशन कोर्स पूर्ण किये।
- सत्र 2019–20 में समस्त विषयों के 12 सहायक आचार्यों ने राज्य से बाहर अन्तर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय/राज्य स्तरीय कार्यशालाओं/कान्फ्रेन्स/सेमीनार में प्रतिभागिता की।

उच्च शिक्षा में गुणात्मक विकास एवं नवाचार

एन.एम.आई.ई.सी.टी. योजना के तहत सूचना एवं सम्प्रेषण प्रौद्योगिकी का विस्तारः

राज्य में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सूचना एवं सम्प्रेषण प्रौद्योगिकी द्वारा सक्रिय सहभागिता निभाई जा रही है। सूचना एवं सम्प्रेषण प्रौद्योगिकी क्रान्ति ने ज्ञान को विद्यार्थियों के लिए सुलभ बनाया है। इसका उद्देश्य उच्च शिक्षण संस्थानों में सूचना एवं सम्प्रेषण प्रौद्योगिकी (इन्फॉर्मेशन एण्ड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी) के उपयोग से गुणात्मक विकास को बढ़ावा देना है। इसके अन्तर्गत राजकीय महाविद्यालयों में इन्टरनेट कनेक्शन प्राप्त करने का प्रावधान है। राज्य सरकार द्वारा एन.एम.आई.ई. सी.टी. योजना के तहत राजकीय महाविद्यालयों को 50.01 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा) द्वारा किये जा रहे कार्यः

1. 25 राजकीय महाविद्यालयों के लिये NAAC के Revised Accreditation Framework के प्रशिक्षण हेतु कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा।
2. रूसा लाभार्थी संस्थाओं के लिये मेन्टरिंग एवं मॉनिटरिंग और PFMS प्रशिक्षण कार्यशाला 21 जनवरी 2020 को करवाई गई है।
3. रूसा के अन्तर्गत जेन्डर एटलस का कार्य राजस्थान के अन्य जिलों में भी करवाया जा रहा है।
4. भारत सरकार की **'एक भारत श्रेष्ठ भारत'** योजना के अन्तर्गत रूसा लाभार्थी संस्थाओं में कार्यक्रमों का आयोजन करवाया जा रहा है।
5. नवीन संकाय सदस्यों के उन्नयन के लिये वर्तमान में चौथा इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम (06 जनवरी 2020 से 01 फरवरी 2020) राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में चल रहा है एवं इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम आगे भी करवाया जायेगा।

शैक्षणिक सत्र 2019–20 में नवाचार प्रकोष्ठ द्वारा किये जा रहे कार्यः

1. **महाविद्यालयों में स्वच्छ, स्वस्थ, सुरक्षित एवं भयमुक्त वातवावरण की सुनिश्चितता–** सभी महाविद्यालयों में विद्यार्थियों, विशेषतः छात्राओं, के लिये स्वच्छ, स्वस्थ, सुरक्षित एवं भयमुक्त वातावरण को सुनिश्चित करने हेतु छात्रा मेन्टरिंग सैल एवं विद्यार्थी परामर्श केन्द्रों की स्थापना करवाई गयी है।
2. **प्रभारी अधिकारी व्यवस्था–**राजकीय महाविद्यालयों के साथ आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा की ओर से सतत प्रबंधन समन्वय, संवाद, समस्या समाधान में सहायता एवं विभिन्न योजनाओं की क्रियान्विति व मॉनिटरिंग के लिये महाविद्यालयों को जिलेवार 3–5 कॉलेज समूहों में विभक्त करके आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा, जयपुर में पदस्थापित अधिकारियों को प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है।
3. **सामान्य ज्ञान अभिवृद्धि हेतु निःशुल्क पुस्तक वितरण –**राजकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों में सामान्य ज्ञान अभिवृद्धि तथा इस ओर उनको उन्मुख करने के लिये विगत गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी 2019 से सभी विद्यार्थियों को सामान्य ज्ञान की पुस्तकों का निःशुल्क वितरण करवाया गया। इस योजना से 1 लाख 54 हजार से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित हुए हैं।
4. **राज्य स्तरीय सामान्य ज्ञान प्रतियोगी परीक्षा का आयोजन–**राजकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों में सामान्य ज्ञान अभिवृद्धि एवं प्रतियोगी क्षमता विकास हेतु तीसरा सफल प्रयोग राज्य स्तरीय सामान्य ज्ञान प्रतियोगी परीक्षा के आयोजन के रूप में दिनांक 13 जुलाई 2019 को किया गया, जिसमें 246 राजकीय महाविद्यालयों के 31,097 विद्यार्थियों ने भाग लिया।इस परीक्षा का राज्य स्तरीय परीक्षा परिणाम दिनांक 16 सितम्बर 2019 को माननीय मंत्री, उच्च शिक्षा विभाग, राजस्थान द्वारा एक सादा समारोह में घोषित किया गया।
5. **रिसोर्स असिस्टैन्स एवं कॉलेज विद एक्सीलैन्स (RACE) योजना आरम्भ–** राजकीय महाविद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता अभिवृद्धि एवं संस्थागत विकास सुनिश्चित करने हेतु राज्य सरकार द्वारा रिसोर्स असिस्टैन्स एवं कॉलेज विद एक्सीलैन्स **(RACE)** योजना आरम्भ की गई है। इस योजनान्तर्गत राजकीय महाविद्यालयों की अकादमिक समस्याओं का स्थानीय समाधान सुनिश्चित करने की दिशा में जिला स्तर पर जिला संसाधन सहायता समितियों **(DRACs)** का गठन किया गया है। सभी जिलों में इन समितियों का गठन हो चुका है। इन समितियों के माध्यम से महाविद्यालयों में

मानव संसाधन की कमी को पूरा कराया जा रहा है। इस योजना के माध्यम से 3594 दिनों की शिक्षण व्यवस्था की गयी है तथा 1127 दिनों के लिये 108 अशैक्षणिक स्टॉफ की व्यवस्था महाविद्यालयों के लिये उपलब्ध करवायी गयी है। 26 राजकीय महाविद्यालयों को इस परियोजना में भौतिक संसाधन उपलब्ध करवाये गये है। परियोजना से 161 महाविद्यालय लाभान्वित हुये है। इस सत्र में शिक्षण व्यवस्था हेतु सत्र 2018–19 की तुलना में विभाग द्वारा कम प्रतिनियुक्तियां की गयी है।

6. **शिक्षक दक्षता संवर्द्धन कार्यक्रम–** राजकीय महाविद्यालयों में कार्यरत संकाय सदस्यों में गुणवत्ता अभिवृद्धि हेतु सम्भाग/जिला स्तर पर अन्तर–विभागीय प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशाला '**शिक्षक दक्षता संवर्द्धन कार्यक्रम**' आरम्भ किया गया है। इसके माध्यम से प्रति वर्ष 1000 संकाय सदस्य प्रशिक्षित किये जायेंगे। इस **कार्यक्रम** का आयोजन करवाये जाने की आवश्यकता को देखते हुए माननीय मंत्री महोदय, उच्च शिक्षा विभाग, राजस्थान द्वारा 16 सितम्बर 2019 को इसे विभिन्न राजकीय महाविद्यालयों द्वारा आयोजित करवाये जाने की घोषणा की गयी।

   रिसोर्स एसिस्टैन्स एण्ड कॉलेज विद एक्सीलैन्स (RACE) कार्यक्रमान्तर्गत वर्तमान सत्र में 23 राजकीय महाविद्यालयों द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित करवाये जायेंगे। अब तक कुल 14 महाविद्यालयों द्वारा संभाग स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करवाया जा चुका है। इस कार्यक्रम द्वारा 400 से अधिक नव पदस्थापित शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

7. **समर कैम्प 'कौशल उन्नयन 2019' एवं कौशल विकास कार्यक्रम–** राजकीय महाविद्यालयों में पढ़ रहे विद्यार्थियों को उनकी नियमित डिग्री के साथ–साथ उनमें रोजगारोन्मुख कौशल क्षमता विकास एवं उन्हें रोजगार के अवसरों से जोड़ने के लिये 3–30 जून 2019 की अवधि में 'समर कैम्प 2019–कौशल उन्नयन' का आयोजन करवाया गया, जिसमें आरम्भिक मास–मीडिया, फोटोग्राफी–वीडियोग्राफी, कम्प्यूटर ज्ञान, जैविक कृषि, सिलाई, ध्यान एवं योग, सीखो–कमाओ आधारित विभिन्न वस्तु निर्माण सहित लगभग 20 कोर्सेस सिखाये गये।

8. **विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुख बनाने हेतु**– स्नातक/स्नातकोत्तर अन्तिम वर्ष के 37 विद्यार्थियों के एक बैच को **ICICI Academy for Skills, Jaipur** के माध्यम से 3 माह का रोजगारोन्मुख सॉफ्ट स्किल्स प्रशिक्षण करवाया। सभी प्रशिक्षणार्थियों को रोजगार प्राप्त हो चुका है।

9. राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम (RSLDC) द्वारा राजकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों में रोजगारोन्मुख कौशल दक्षता हेतु पहली बार एक विशेष योजना 'मुख्यमंत्री युवा कौशल योजना' आरम्भ की गई है। इस योजना के माध्यम से इस वर्ष लगभग 6000 विद्यार्थियों को निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण दिया जा रहा है। RSLDC द्वारा प्रदेश के 117 राजकीय महाविद्यालयों में 21 कौशल कोर्सेज में कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आरम्भ किये जा चुके हैं।

10. **आकाशि कलैण्डर–** राज्य भर में सभी राजकीय महाविद्यालयों में वार्षिक गतिविधियों का समरूप एवं सुनिश्चित आयोजन करवाने के लिये पहली बार मासिक गतिविधियों, अवकाशों, विशिष्ट दिवसों/आयोजनों एव महत्वपूर्ण तिथियों को दर्शाते हुए माहवार **'आकाशि कलैण्डर 2019'** जारी किया गया **है।**

11. **आकाशि क्रीडा एवं खेलकूद कलैण्डर–**महाविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों में पढ़ाई के साथ साथ खेलकूद अभिरुचि विकास एवं योग्य विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण प्रदान करवाने की सुविधा पर ध्यान देने एवं प्रतिभा तराशने के उद्देश्य से सभी राजकीय महाविद्यालयों के लिये एक विशेष कार्यक्रम '**अर्जुन दृष्टि**' आरम्भ किया गया है। इसके अन्तर्गत राज्य में पहली बार विद्यार्थियों के लिये महाविद्यालय स्तर पर इण्टर–हाउस, जिला स्तर पर इण्टर–कॉलेज, सम्भाग स्तर पर इण्टर–डिस्ट्रिक्ट एवं राज्य स्तर पर इण्टर–डिवीजन टूर्नामैण्ट्स आयोजित करवाये जा रहे हैं। इसके लिये **'आकाशिः क्रीड़ा एवं खेलकूद कलैण्डर–2019'** जारी किया गया है।

12. **हरा भरा राजस्थान'–वृक्षारोपण कार्यक्रम**–राजकीय महाविद्यालयों में नव–प्रवेशित विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति जागरुक करने एवं संवेदनशील बनाने के लिये माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान के 'हरा भरा राजस्थान' अभियान से जोड़ते हुए **'एक प्रवेश–एक पेड़'** वृक्षारोपण कार्यक्रम 01 अगस्त 2019 से आरम्भ करवाया। इस कार्यक्रमान्तर्गत 1 लाख पौधे लगवाने का लक्ष्य हैं, अभी तक लगभग 35000 पौधे लगवाये जा चुके हैं।

13. **MOOC प्रशिक्षण**–मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा Pandit Madan Mohan Malaviya National Mission on Teachers and Teaching (PMMMNMTT) योजना के अन्तर्गत Guru Angad Dev Teaching Learning Centre of MHRD के माध्यम से आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा, राजस्थान एवं सोफिया कॉलेज (स्वायत्तशासी) अजमेर द्वारा संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 16 मार्च को MOOC एवं e-Content आधारित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में 20 राजकीय महाविद्यालयों से 50 संकाय सदस्यों सहित लगभग 100 शिक्षकों–शोधार्थियों की सहभागिता रही।

14. **सामान्य इंग्लिश ग्रामर पुस्तक का निःशुल्क वितरण- 15 अगस्त 2019 को** राजकीय महाविद्यालयों में सभी अध्ययनरत विद्यार्थियों को स्वतंत्रता दिवस पर अंग्रेजी ग्रामर की एक सामान्य पुस्तक का निःशुल्क वितरण आरम्भ करवाया गया है।

15. **EOI** –राजकीय महाविद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता उन्नयन हेतु नवाचार यथा सूचना प्रौद्योगिकी आधारित शिक्षण सामग्री तैयार करने में सहायता, teaching aids तैयार करवाना, teaching-learning आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन, महाविद्यालयों में प्रयोगशालाओं का विकास आदि में सहायता; विद्यार्थियों में रोजगारोन्मुख दक्षता हेतु कौशल क्षमता विकास के लिये रोजगारोन्मुख कौशल प्रशिक्षणों का आयोजन; नियोक्ता के साथ जोड़कर विद्यार्थियों को रोजगार उपलब्ध करवाने में सहायता; एवं राज्य सरकार द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क तैयारी करवाने हेतु निर्देशित निःशुल्क कोचिंग कार्यक्रम में पूर्णतः निःशुल्क सहयोग/सेवा हेतु इच्छुक सेवा प्रदाताओं से निःशुल्क सहयोग/सहायता हेतु Expression of Interest (EoI) के जरिये प्रस्ताव आमंत्रित किये गये हैं। इस प्रकार के सहयोग हेतु कुछ प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

16. **विभाग का पहचान चिन्ह 'लोगो' जारी–** कॉलेज शिक्षा विभाग, राजस्थान का पहली बार एक पहचान चिन्ह 'लोगो' जारी किया गया है। इस लोगो का ध्येय वाक्य 'ज्ञान से सेवा की ओर' उच्च शिक्षा की सामाजिक सेवा के प्रति दृढ़ता को प्रदर्शित करता है।

17. राज्य में शैक्षणिक गुणवत्ता एवं संस्थागत विकास सुनिश्चित करने के साथ–साथ संस्थाओं को सोशियली कनेक्ट करने के उद्देश्य से सरकार ने सभी राजकीय महाविद्यालयों का सतत मूल्यांकन एवं सुनिश्चित करने के लिये वार्षिक अंकेक्षण कार्यक्रम (Annual Auditing Programme- AAP /College Assessment Programme- CAP) आरम्भ किया है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत एक सुगठित मूल्यांकन फॉर्मेट के आधार पर महाविद्यालयों का परीक्षण कर उनको राज्य स्तर पर रैंक दिये जायेंगे। तदोपरान्त इन रैंक्स के आधार पर विकास की मांग आधारित योजनाएं तैयार की जायेंगी।

18. **डोनेट ए बुक प्रोग्राम –कम्युनिटी बुक बैंक–** महाविद्यालयों में प्राचार्यों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों से **डोनेट ए बुक प्रोग्राम** के अन्तर्गत आग्रह किया गया है कि विद्या के प्रचार–प्रसार एवं जरुरतमंदों की सहायता के लिये इस अनौपचारिक अभियान का हिस्सा बनकर समाज को सकारात्मक संदेश दें। इसके लिये महाविद्यालय के बाहर के दानादाताओं, समस्त शिक्षक साथियों एवं पास–आउट विद्यार्थियों के द्वारा पुस्तकें दान में प्राप्त करके सामुदायिक पुस्तक शाला बनवायी गयी है। अब तक 25000 से ज्यादा पुस्तकें दान की जा चुकी हैं।

19. **कॉलेज– कम्युनिटी कनेक्ट प्रोग्राम के अन्तर्गत 'संवाद संगम' कार्यक्रम–** अभिभावकों की राजकीय महाविद्यालयों की गुणात्मक अभिवृद्धि में भूमिका को सशक्त बनाने एवं विद्यार्थियों के भविष्य के बारे में उनके अभिभावकों की चिन्ता को मध्यनजर रखते हुए राजकीय महाविद्यालयों में **कॉलेज– कम्युनिटी कनेक्ट** प्रोग्राम आरम्भ किया गया है। इसके अन्तर्गत अभिभावकों से 'संवाद संगम' आयोजित करवाये जा रहे हैं। पहला कार्यक्रम दिनांक 12 अक्टूबर 2019 को आयोजित किया गया। प्रत्येक माह आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम की तिथियां– 19 नवम्बर, 21 दिसम्बर, 25 जनवरी 2020 एवं 15 फरवरी 2020 आयुक्तालय की ओर से जारी कर दी गई हैं।

20. **Inter Disciplinary Educational Association (IDEA) Programme**–राजकीय महाविद्यालयों में गुणात्मक शिक्षा विकास एवं शिक्षा की उत्कृष्टता के लिये संस्थाओं में कार्यरत संकाय सदस्यों में बहु–अनुशासनात्मक गुणात्मक अभिवृद्धि सुनिश्चित करने हेतु सभी राजकीय महाविद्यालयों में Inter Disciplinary Educational Association (IDEA) **योजना** आरम्भ की गई। इसके लिये विभाग की ओर से इस कार्यक्रम का प्रथम संस्करण दिनांक 12 अक्टूबर 2019 को राजकीय महाविद्यालयों में आयोजित किया गया। प्रत्येक माह में द्वितीय एवं चतुर्थ शनिवार को यह संवाद कार्यक्रम आयोजित करवाया जायेगा।

21. **इन्दिरा प्रियदर्शिनी स्वर्णिम उड़ान केन्द्र योजना– दिनांक 16 सितम्बर 2019 को माननीय मंत्री महोदय द्वारा इस योजना की घोषणा की गई।** सभी महाविद्यालयों में छात्राओं हेतु भयमुक्त, स्वस्थ एवं सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने, महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं को स्व–सुरक्षा, महिला रक्षा एवं अधिकारों के प्रति जागरुक करते हुए उन्हें विभिन्न रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण प्रदान करवाते हुए मार्गदर्शन एवं संवाद हेतु विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करवाये जा रहे हैं। इस प्रयोजनार्थ प्रथम चरण में 10 राजकीय कन्या महाविद्यालयों में इन्दिरा प्रियदर्शिनी स्वर्णिम उड़ान केन्द्र स्थापित करवाये गये हैं।

22. **चित्रांकन कार्यशाला कार्यक्रम** –महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती वर्ष के उपलक्ष में एवं 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के अन्तर्गत आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा एवं **West Zone Cultural Centre (WZCC) ,Udaipur,** संयुक्त तत्वावधान में कोटा में 18–24 दिसम्बर 2019 को चित्रांकन कार्यशाला कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रभावी प्रबन्धन

- आयुक्तालय द्वारा प्रति वर्ष प्रवेश नीति व शैक्षणिक सत्र सारिणी जारी की जाती है। सत्र 2019–20 की नीति समस्त राजकीय एवं निजी महाविद्यालयों पर लागू की गई है। इस नीति में प्रवेश सम्बन्धी नियम यथा प्रवेश हेतु योग्यता, आरक्षण कोटा, वार्षिक अकादमिक कलैण्डर आदि की विस्तृत जानकारी दी जाती है। इस नीति से प्रवेश नियमों में एकरूपता व पारदर्शिता बनी रहती तथा प्रवेश सम्बन्धी विवाद भी नगण्य रहते हैं।
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा शैक्षणिक सत्र में न्यूनतम 180 शिक्षण दिवसों को सुनिश्चित करने की अनुशंसा की गई है। प्रवेश नीति में महाविद्यालयों हेतु न्यूनतम 180 शैक्षणिक दिवसों के लिये **'आकाशि'** कलैण्डर जारी किया गया है।
- राज्य के विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में परीक्षाएं व प्रवेश नियमित रूप से तथा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार किये गये हैं। राज्य में परीक्षा के बहिष्कार की घटनाएं शून्य/नगण्य हैं।

आयुक्तालय की विभिन्न शाखाओं द्वारा महाविद्यालयों के सुचारु प्रबन्धन हेतु समय–समय पर उपयोगी निर्देश जारी किये जाते हैं। विभिन्न शाखाओं से महाविद्यालयों के लिए निम्नलिखित विषयों पर निर्देश व सुझाव जारी किये गये हैं:–

- विद्यार्थियों की अधिकतम उपस्थिति सुनिश्चित करना।
- पुस्तकालयों का प्रभावी प्रबन्धन।
- एन.सी.सी., रेन्जर–रोवर तथा एन.एस.एस की गतिविधियां।
- सहशैक्षणिक गतिविधियों का संचालन।
- परिसर स्वच्छता, सौन्दर्यीकरण तथा वृक्षारोपण।
- रक्तदान

आयुक्तालय द्वारा सांस्कृतिक व साहित्यिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने हेतु एक कलैण्डर जारी किया जाता है, जिसमें महाविद्यालय से लेकर राज्य स्तर तक की गतिविधियों व प्रतियोगिताओं के आयोजन के सम्बन्ध में सभी राजकीय महाविद्यालयों को निर्देश जारी किये जाते हैं ।

सह–शैक्षणिक एवं शिक्षणेतर गतिविधियाँ

- महाविद्यालयों में उपलब्ध सह–शैक्षणिक एवं शिक्षणेतर गतिविधियाँ व अन्य विद्यार्थी उपयोगी सेवाएं निम्नानुसार हैं:–
  - एन.सी.सी.
  - राष्ट्रीय सेवा योजना
  - रोवर स्काउटिंग
  - छात्र परामर्श परिषद्
  - युवा विकास केन्द्र
  - खेलकूद
  - महिला प्रकोष्ठ
  - विभिन्न शैक्षणिक परिषदें
  - सांस्कृतिक गतिविधियाँ
  - प्लेसमेन्ट सैल
  - सूचना प्रकोष्ठ
  - कम्प्यूटर–इन्टरनेट लैब

राज्य में संचालित विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं उच्च शैक्षणिक संस्थाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु निर्धारित शैक्षणिक कलेण्डर में दी गई समय–सारिणी के अनुसार विभिन्न प्रकार की सह–शैक्षणिक एवं शिक्षणेतर गतिविधियां संचालित की जाती हैं। इन गतिविधियों में विद्यार्थियों को प्रेरित करने हेतु विभिन्न पुरस्कार प्रदान किये जाते हैं।

चुनौतियां एवं संकल्पनाएं

- राष्ट्रीय ज्ञान आयोग की अनुशंसा के अनुसार देश में 1500 विश्वविद्यालयों की आवश्यकता है। राज्य में कुल 78 विश्वविद्यालय तथा 7 विश्वविद्यालयवत् संस्थाएं हैं। देश में 2020 तक उच्च शिक्षा में 30 प्रतिशत सकल नामांकन का लक्ष्य रखा गया है। मानव संसाधन मंत्रालय के ऑल इण्डिया सर्वे ऑन हायर एज्यूकेशन (AISHE) की 2018–19 की रिपोर्ट के अनुसार उच्च शिक्षा में देश का सकल नामांकन अनुपात (GER) 26.3 है। राजस्थान में यह GER 23 है। अतः इस दृष्टि से राज्य में उच्च शिक्षा के प्रसार को निरन्तर जारी रखने की आवश्यकता है।
- मानव संसाधन मंत्रालय के ऑल इण्डिया सर्वे ऑन हायर एज्यूकेशन (AISHE) की 2018–19 की रिपोर्ट के अनुसार सत्र 2010–11 में राज्य में प्रति लाख जनसंख्या (18 से 23 वर्ष) पर 29 उच्च शिक्षण संस्थान थे। सकारात्मक प्रयासों से इस स्थिति में सतत सुधार हो रहा है तथा 2018–19 में प्रतिलाख जनसंख्या (18 से 23 वर्ष) पर इन संस्थानों की संख्या बढ़कर 35 हो गई है। अभी इस स्थिति में और सुधार करने की आवश्यकता है। उच्च शिक्षा की पहुंच को भौगोलिक दृष्टि से सुनिश्चित करने तथा जिलों के उन उपखण्डों में महाविद्यालयों की उपलब्धता को बढ़ाने की आवश्यकता है, जहां जनसंख्या के अनुपात में महाविद्यालय नहीं हैं।
- राज्य में उच्च शिक्षा का विस्तार हाल के वर्षों में ही तीव्रता से हुआ है। मानव संसाधन मंत्रालय के ऑल इण्डिया सर्वे ऑन हायर एज्यूकेशन (AISHE) की 2018–19 की रिपोर्ट के अनुसार राज्य में 2011–12 से विश्वविद्यालयों की संख्या में 84.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इन संस्थानों की गुणवत्ता बनाये रखने के लिए इनकी आधारभूत संरचना का विकास आवश्यक है।
- अधिकतम विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुदान प्राप्ति हेतु 2एफ व 12बी सेक्शन के अन्तर्गत मान्यता दिलवाना एवं मान्यता प्राप्त महाविद्यालयों के विकास के लिए यू.जी.सी. योजनाओं के तहत अधिक से अधिक धनराशि प्राप्त करवाना ताकि इन महाविद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं की वृद्धि हो सके।
- अधिकतम उच्च शिक्षण संस्थानों को नैक प्रत्यायन हेतु प्रोत्साहित करना तथा जिनका प्रत्यायन अवधि पार हो चुका है उन्हें पुनः प्रत्यायन हेतु प्रेरित करना। इस हेतु नैक विशेषज्ञों के सहयोग से एक कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा।
- महाविद्यालयों के पुस्तकालयों का आधुनिकीकरण तथा कम्प्यूटर सुविधा, फोटोस्टेट मशीन, इन्टरनेट कनेक्टिविटी आदि सुविधाओं में वृद्धि।
- सूचना एवं प्रौद्योगिकी की सहायता से उच्च शिक्षा में आई.टी. को बढ़ावा देने के लिए हायर एज्यूकेशन पोर्टल का निर्माण किया जा चुका हैं, जिससे राज्य के उच्च शिक्षण संस्थानों को जोड़ा जा रहा है।
- हायर एज्यूकेशन पोर्टल के अन्तर्गत राजकीय महाविद्यालयों के कार्यों का ऑटोमेशन करने के लिए समस्त राजकीय महाविद्यालयों से संबंधित मॉड्यूल्स तैयार कर सूचनायें अपलोड करने की कार्यवाही की जा रही है।

भावी योजनाएं (वर्ष 2020–21)

विभाग द्वारा आगामी वर्ष (2020–21) में किये जाने वाले कार्यों का विवरण निम्नानुसार हैः

- बजट घोषणा 2019–20 की अनुपालना में सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के माध्यम से समस्त राजकीय महाविद्यालयों में वाई फाई की सुविधा उपलब्ध करवाये जाने की कार्यवाही की जा रही है।
- **संस्थागत पूर्णता के लिए विकास के अर्द्धशतक प्रयासः** आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा विभाग, जयपुर द्वारा विद्यार्थी हित, संस्था विकास एवं शैक्षणिक गुणवत्ता अभिवृद्धि के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यों का पुनर्गठन करके उन कार्यक्रमों के लिए प्रभावी अधिकारी नियुक्त किये गये हैं, जिससे इन समस्त योजनाओं की प्रभावी ढ़ंग से क्रियान्विति एवं मॉनिटरिंग की जा सके।
- 40 राजकीय महाविद्यालयों में लाईब्रेरी को कम्प्यूटरीकृत करने के क्रम में शेष रहे 13 राजकीय महाविद्यालयों में लाईब्रेरी का कम्प्यूटरीकरण का कार्य किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त अन्य 40 राजकीय महाविद्यालयों में लाईब्रेरी का कम्प्यूटरीकरण के लिए बजट प्रावधान हेतु प्रयास किये जा रहे है।
- संभागीय मुख्यालयों पर चयनित 7 राजकीय महाविद्यालयों में अंग्रेजी भाषा लैब की स्थापना करवाने हेतु प्रयास जारी है जिसके लिए वित्तीय प्रावधान कराया जा रहा है।
- उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एवं राजस्थान राज्य में जी.ई.आर.दर में अभिवृद्धि करने के लिए निम्नलिखित उपाय किए जावेंगे :–
  1. राजस्थान के विभिन्न राजकीय महाविद्यालयों में प्रथम वर्ष में आवश्यकतानुसार वर्ग खोले जावेंगे।
  2. आवश्यकतानुसार राजकीय महाविद्यालयों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर नवीन विषय खोले जावेंगे।
  3. बजट घोषणा वर्ष 2019–20 के बिन्दु संख्या 131 की अनुपालना में वर्तमान में महाविद्यालय से वंचित रहे उपखण्ड मुख्यालयों पर संभावनाओं के परीक्षण हेतु विभाग के स्तर पर नीति निर्धारित की गई है, जिसके तहत उन उपखण्डों में प्राथमिकता के आधार पर नवीन राजकीय महाविद्यालय खोले जावेंगे।
  4. आवश्यकतानुसार स्नातक महाविद्यालयों को स्नातकोत्तर महाविद्यालयों में क्रमोन्नत किया जावेगा।
- वर्तमान में नैक प्रत्यायन योग्य राजकीय महाविद्यालयों में से केवल 70 का ही नैक प्रत्यायन हुआ है शेष योग्य महाविद्यालयों की सेल्फ स्टडी रिपोर्ट बनवाने का कार्य रूसा के अन्तर्गत State Level Quality Assurance Cell के द्वारा करवाया जा रहा है, जिससे नैक में महाविद्यालयों के ग्रेड में सुधार हो सके तथा वे सभी संस्थायें जिन्हें अभी तक रूसा अनुदान नहीं मिला है, वे भी रूसा अनुदान हेतु योग्य पात्र की श्रेणी में आ सकें।

शिक्षक–प्रशिक्षण महाविद्यालय

- वर्ष 2011–12 के बजट में बी.एड. व एम.एड. पाठ्यक्रमों को उच्च शिक्षा के अधीन करने के निर्णय की घोषणा की गई। अप्रेल 2012 में राजस्थान रूल्स ऑफ बिजनस की प्रथम अनुसूची में संशोधन कर बी.एड. पाठ्यक्रम/महाविद्यालयों को शिक्षा (ग्रुप–1) के कार्यों से हटा कर उच्च शिक्षा (ग्रुप–4) के कार्यों में शामिल किया गया। उच्च शिक्षा (ग्रुप–4) विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण में संचालित शिक्षक–प्रशिक्षण पाठ्यक्रम/महाविद्यालय से संबंधित कार्य सम्पादित किये जा रहे थे, उन्हें दिनांक 08 जुलाई 2015 से आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा के स्तर पर सम्पादित करने हेतु स्थानांतरित किये गये।
- **बी.एड. पाठ्यक्रम (दो वर्षीय)–** राज्य में वर्तमान में कुल 914 (909 निजी व 02 IASE (Ajmer & Bikaner) + 03 MDS University, Ajmer, JNV University, Jodhpur & MLS University, Udaipur संचालित हैं। उक्त पाठ्यक्रमों मे कुल 104020 सीटें उपलब्ध हैं।
- **बी.ए.बी.एड./बी.एससी.बी.एड. (4 वर्षीय एकीकृत)**– राज्य में कुल 391 महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों में यह पाठ्यक्रम संचालित है। इस पाठ्यक्रम में 37900 सीटें उपलब्ध हैं।
- **एम.एड. पाठ्यक्रम (दो वर्षीय)–** राज्य के 45 शिक्षक–प्रशिक्षण महाविद्यालयों में एम.एड पाठ्यक्रम (42 निजी, 02 IASE (Ajmer & Bikaner) एवं 01 क्षेत्रीय महाविद्यालय, अजमेर में संचालित हैं। इस पाठ्यक्रम में 2200 सीटें उपलब्ध है।
- **बी.एड.–एम.एड. पाठ्यक्रम (3 वर्षीय एकीकृत)**– राज्य में कुल 04 महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों में यह पाठ्यक्रम संचालित है। इस पाठ्यक्रम में लगभग 200 सीटें उपलब्ध हैं।
- **बी.पी. एड. पाठ्यक्रम (दो वर्षीय)–** राज्य में कुल 16 शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय/विश्वविद्यालय संचालित हैं। इस पाठ्यक्रम में 1470 सीटें उपलब्ध हैं।
- **एम. पी. एड. पाठ्यक्रम (दो वर्षीय)–** राज्य में कुल 07 शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय/विश्वविद्यालय संचालित हैं। इस पाठ्यक्रम में 280 सीटें उपलब्ध हैं।
- राज्य में संचालित सभी निजी शिक्षक–प्रशिक्षण महाविद्यालयों से संबंधित विभिन्न प्रकरणों के लिए सत्र 2016–17 से निम्नांकित शुल्क का निर्धारिण किया गया–

क्र.सं.	शुल्क का विवरण	शुल्क राशि (रुपयों में)
1	प्रथम अनापत्ति प्रमाण–पत्र हेतु	30000/–
2	अनापत्ति प्रमाण–पत्र में अभिवृद्धि प्रति पाठ्यक्रम प्रति वर्ष	25000/–
3	सहशिक्षा परिवर्तन/नाम परिवर्तन/स्थान परिवर्तन/प्रबन्ध अन्तरण (प्रत्येक के लिए)	25000/–

भावी योजनाएं:–

- सत्र 2020–21 से राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के शिक्षक–प्रशिक्षण विहीन तहसीलों में नवीन 4 वर्षीय एकीकृत अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम ITEP प्रारम्भ करने का निर्णय लिया गया गया है।
- राज्य में संचालित शिक्षक–प्रशिक्षण पाठ्यक्रम हेतु सत्र 2020–21 से राज्य सरकार द्वारा स्थायी अनापत्ति प्रमाण पत्र (PNOC) जारी करने के संबंध में सक्षम स्तर से अनुमोदन पश्चात मानदण्ड निर्धारित किये गये हैं।

एन. सी. सी. निदेशालय

➢ राष्ट्रीय कैडेट कोर की स्थापना राजस्थान में सन् 1948 में 600 कैडेट्स व 3 इकाइयों के साथ हुई। राजस्थान में एन.सी.सी. निदेशालय 1963 में स्थापित किया गया था। उस समय 14 एन.सी.सी. इकाइयाँ थीं। उत्तरोत्तर विकास से अब राजस्थान के विभिन्न जिलों में राष्ट्रीय कैडेट कोर निदेशालय के अधीन 4 ग्रुप मुख्यालय एवं 37 एन.सी.सी. इकाइयाँ हैं जिन पर प्रशासनिक नियंत्रण निदेशालय का है। इनमें छात्र इन्फेन्ट्री बटालियन 8, छात्रा इन्फेन्ट्री बटालियन 4, जल सेना इकाई 3, वायु सेना इकाई 4, इण्डेप कम्पनी 6, टेक्निकल एवं अभियांत्रिकी इकाइयाँ 12 हैं। राष्ट्रीय कैडेट कोर कार्यक्रम में पहले केवल सैनिक प्रशिक्षण दिया जाता था लेकिन अब इस सैनिक प्रशिक्षण के साथ–साथ खेलकूद, साहसिक प्रशिक्षण, पर्वतारोहण, हवाई कूद, नौकायन अभियान, साईकिल अभियान तथा समाज सेवा कार्यक्रम आदि का प्रशिक्षण भी दिया जाता है। राष्ट्रीय कैडेट कोर राजस्थान में कुल अधिकृत कैडेट संख्या 52,713 है, जिसमें 15662 छात्राएं, 32991 छात्र एवं 4060 रिक्त हैं।

➢ रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एन.सी.सी. निदेशालय राजस्थान, जयपुर में एक उप–महानिदेशक एयर कमोडोर रैंक के और एक निदेशक कर्नल रैंक के पदस्थापित किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त एक संयुक्त निदेशक, कार्मिक (ले. कर्नल), एक संयुक्त निदेशक, प्रशिक्षण (ले. कर्नल), एक संयुक्त निदेशक, समन्वय (विंग कमान्डर), एक संयुक्त निदेशक, प्रशासनिक (ले. कर्नल) तथा सिविलियन में प्रशासनिक अधिकारी एवं एक वरिष्ठ लेखाधिकारी भी पदस्थापित हैं। इन अधिकारियों के अतिरिक्त राज्य शाखा में राज्य सरकार से अतिरिक्त निदेशक, राजस्थान प्रशासनिक सेवा के सलेक्शन स्केल का अधिकारी एवं एक वरिष्ठ लेखाधिकारी, राजस्थान लेखा सेवा का तथा एक सहायक लेखाधिकारी, ग्रेड–। पदस्थापित है। 04 ग्रुप मुख्यालयों में पदस्थापित 04 ग्रुप कमाण्डर के अधीन 37 एन. सी.सी. इकाइयाँ राज्य के विभिन्न जिलों में हैं इन इकाइयों में कर्नल रैंक/ले. कर्नल रैंक/मेजर रैंक के कमान अधिकारी पदस्थापित हैं। इस विभाग में राज्य सरकार की विभिन्न सेवाओं के स्वीकृत पदों की संख्या निम्न प्रकार है :–

➢ **राज्य सरकार की विभिन्न सेवाओं के अन्य पदों की स्थिति निम्नानुसार है**

➢

क्र. सं.	पद	पदों की संख्या
1	अतिरिक्त निदेशक आर.ए.एस.	01
2	वरिष्ठ लेखाधिकारी	01
3	सहायक लेखाधिकारी ग्रेड–।	01
	योग	**03**
	अधीनस्थ सेवा के पद	
1	सहायक लेखाधिकारी ग्रेड–।।	02
2	कनिष्ठ लेखाकार	47
3	वाहन चालक	60
4	एयरोमॉडलिंग इन्स्ट्रक्टर	04
5	शिप मॉडलिंग मैकेनिक	03
6	शिप मॉडलिंग स्टोर कीपर	03
	योग	**119**

क्र. सं.	मंत्रालयिक सेवा के पद	पदों की संख्या
1	प्रशासनिक अधिकारी	02
2	अति. प्रशासनिक अधिकारी	08
3	सहायक प्रशासनिक अधिकारी	26
4	वरिष्ठ सहायक	54
5	कनिष्ठ सहायक	80
6	स्टेनोग्राफर	02
	योग	**172**
	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद	
1	लश्कर	224
2	फेरियर	03
3	सैडलर	03
4	साईकिल सवार	19
5	चपरासी	12
6	चौकीदार	46
7	बोटकीपर	06
8	स्वीपर	22
9	मसालची	04
	योग	**339**

➢ वर्ष 2019–20 के लिए राजस्थान में एन.सी.सी. सीनियर डिवीजन एवं जूनियर डिवीजन में एन.सी.सी. कैडेट्स की संख्या निम्न प्रकार रही है :

	सीनियर डिवीज़न	जूनियर डिवीज़न
अधिकृत संख्या	18304	34409
कैडेट्स की भर्ती होने की संख्या	17689	30964

➢ वर्ष 2019–20 के दौरान परेड में कैडेट्स की उपस्थिति निम्न प्रकार रहीः

डिवीज़न	थल सेना	जल सेना	वायु सेना	एन.सी.सी. गर्ल्स कैडेट्स
सीनियर	74.49%	46.43%	78.51%	81.38%
जूनियर	66.86%	83.07%	80.30%	94.52%

➢ **वर्ष में सम्पन्न एन.सी.सी. प्रमाण पत्र परीक्षा के परिणामः**

राष्ट्रीय कैडेट कोर में निश्चित स्तर पर प्रशिक्षण सम्पूर्ण करने वाले कैडेट्स के लिए प्रत्येक सत्र में विभिन्न प्रकार की प्रमाण–पत्र परीक्षा आयोजित की जाती है। वर्ष 2019–20 में निम्नलिखित परीक्षा सम्पन्न हुई और प्रवेश होने एवं उत्तीर्ण कैडेट्स की संख्या निम्न प्रकार रहीः

	'ए' सर्टीफिकेट		'बी' सर्टीफिकेट		'सी' सर्टीफिकेट	
	प्रवेश संख्या	उत्तीर्ण संख्या	प्रवेश संख्या	उत्तीर्ण संख्या	प्रवेश संख्या	उत्तीर्ण संख्या
थल सेना	7720	7156	4037	3947	3295	2750
जल सेना	1297	1297	183	179	170	154
वायु सेना	1593	1441	261	211	240	193

➢ **एनसीसी कैडेट्स को नियमित सैनिक इकाई के साथ प्रशिक्षण (दिसम्बर 2019 तक):**

राजस्थान में एन.सी.सी. अधिकारियों (ए.एन.ओ.) एवं कैडेटों के लिए निम्न प्रकार की विभिन्न सैनिक इकाइयों के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु वर्ष 2019–20 तक स्थान आवंटन किये गये तथा उन्होंने संतोषजनक परिणाम प्राप्त कियाः–

क्र. सं.	सेना	विवरण	अधिकारी	कैडेट्स
1	थल सेना	आवंटित संख्या	07	686
		भाग लेने वालों की संख्या	06	649
2	जल सेना	आवंटित संख्या	01	07
		भाग लेने वालों की संख्या	01	07
3	वायु सेना	आवंटित संख्या	01	19
		भाग लेने वालों की संख्या	01	19

➢ **आयोजित शिविरों का विवरण (दिसम्बर 2019 तक):** जल, थल, एवं वायु सेना से सम्बन्धित एन.सी.सी. कैडेट्स का विभिन्न वार्षिक प्रशिक्षण शिविरों में मूल्यांकन होता है जिसमें साहसिक जीवन, सामूहिक आवास, सामाजिक सेवा एवं प्रशिक्षण आदि पर विशेष ध्यान दिया जाता है। जल सेना डिवीज़न ने 03, थल सेना डिवीज़न ने 41, वायु सेना डिवीज़न ने 07 व छात्रा डिवीज़न ने 06 शिविर लगाये जिनमें 26035 कैडेट्स ने भाग लिया।

- एन.सी.सी. के छात्र/छात्राओं द्वारा 12 बोर एसडी से 877, राइफल .22 एसडी से 54768 तथा राइफल .22 जेडी से 4313 फायर किये गये।
- वर्ष 2019–20 में एयर स्क्वाड्रन एन.सी.सी. के कैडेट्स द्वारा विभिन्न प्रकार के 101 मॉडल तैयार किये गये।
- वार्षिक शिविरों के अतिरिक्त महानिदेशालय, नई दिल्ली द्वारा विभिन्न स्थानों पर आयोजित शिविरों में भाग लेने वाले छात्र एवं छात्राओं की संख्या निम्नानुसार थीः

शिविर का नाम	छात्र	छात्रा
थल सैनिक शिविर	49	40
वायु सैनिक शिविर	16	12
नौ सैनिक शिविर	18	12
एक भारत श्रेष्ठ भारत शिविर/ SPL NIC	1754	
एडवांस लीडरशिप/वायु सैनिक शिविर/रॉक क्लाइम्बिंग ट्रेनिंग कैम्प	168	
ऑल इन्डिया ट्रेक	1505	
यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम	04	
रिपब्लिक डे कैम्प	167	
अटैचमेन्ट	686	

- **सामाजिक कार्यः** वर्ष 2019–20 में कुल 23530 एन.सी.सी. कैडेट्स ने निम्नांकित अभियानों में भाग लिया :–

विश्व स्वास्थ्य दिवस	– 07 अप्रेल 2019
विश्व तम्बाकू निषेध दिवस	– 31 मई 2019
My Earth, My Duty Campaign	–माह अगस्त, 2019
वृक्षारोपण प्रोग्राम	– माह अगस्त एवं सितम्बर, 2019
विश्व पर्यावरण दिवस	– 05 सितम्बर, 2019
Drug Abuse and Illicit Trafficking Rally	– 26 जून 2019
विश्व एड्स दिवस	–01 दिसम्बर, 2019
राष्ट्रीय मतदान दिवस	–25 जनवरी, 2019
अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस	–21 जून, 2019

आय–व्यय अनुमान वित्तीय वर्ष 2019–20 (राशि लाखों में)

क्र. स.	बजट मद संख्या	लेखा वर्ष 2019–20	
		राज्य निधि (कमिटेड)	राज्य निधि (योजनाएं)
1	24–2204–102(01)(01)(02)	3418.90	90.06
2	24–4202–03–102–03–01–16	0.00	30.00
3	51–4202–03–789–02–01	0.00	0.01
4	30–4202–03–796–02–01	0.00	0.01
	योग	**3418.90**	**120.08**

वर्ष 2019–20 की egÙoi.k उपलब्धियां:

- कुशल प्रशिक्षण के कारण 642 कैडट्स को सेना में प्रवेश प्राप्त हुआ।
- प्रदर्शन के दौरान नौसैनिक कैम्प चतुर्थ, अखिल भारतीय वायुसैनिक कैम्प आठवें, थलसैनिक कैम्प तेरहवें एवं गणतंत्र दिवस शिविर ग्यारहवें स्थान पर रहे।
- यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम 2019 के अन्तर्गत कैडट्स द्वारा रूस, श्रीलंका, वियतनाम, सिंगापुर एवं कज़ाकिस्तान देशों का भ्रमण किया गया।
- जैसलमेर में आयोजित केमल सफारी 2019 में रूस, कज़ाकिस्तान, सिंगापुर, बांग्लादेश एवं भारत के अधिकारियों एवं कैडट्स ने भाग लिया गया।
- विभिन्न कैम्पों यथा एक भारत श्रेष्ठ भारत, उदयपुर में 600 कैडट्स, एक भारत श्रेष्ठ भारत, भरतपुर में 586 कैडट्स, एआईएसएनआईसी, जैसलमेर में 300 कैडट्स एवं एआईवीएससी, जोधपुर में 600 कैडट्स ने सहभागिता की।
- सामाजिक सेवा संबंधी गतिविधियों यथा अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस 2019 में 22132 कैड्टस, पेन इण्डिया साईकिल रैली 507 कैडट्स, स्वच्छ भारत मिशन 6741 कैडट्स, विश्व पर्यावरण दिवस 544 कैडट्स, नशा मुक्ति दिवस 233 कैडट्स, वृक्षारोपण 20175 कैडट्स, गांधी जयन्ती 21193, रक्त दान कार्यक्रम 241 कैडट्स, स्वच्छता पखवाड़ा 27025 कैडट्स, विजय दिवस 16 दिसम्बर 2019 में 50 कैडट्स एवं कैंसर जागरूकता रैली में 155 कैडट्स ने भाग लिया।
- राज्य सरकार से एन.सी.सी. ग्रुप मुख्यालय बीकानेर, एन.सी.सी. बटालियन डीडवाना एवं आर एण्ड वी स्क्वा जयपुर नवीन एन.सी.सी. कार्यालयों के सृजन की सहमति प्राप्त हुई। वित्त विभाग की सहमति पश्चात् कार्यालय खोले जा सकेंगे।

साहस, शौर्य, अनुशासन और कर्तव्य का उद्घोष करते हुए देश की तरुणाई एन.सी.सी. कैडेट्स के रूप में कर्तव्य पथ पर अग्रसर है। सन् 1948 से स्कूल व कॉलेजों में छात्र–छात्राओं के लिए प्रारम्भ इस योजना के कारण सम्बन्धित छात्र–छात्राओं ने जहाँ अपने आपको अनुशासन पालन में समर्पित किया वहीं दूसरी ओर सृजनात्मक, रचनात्मक, सामाजिक कार्यों में भी उनका योगदान रहा है। राज्य सरकार एन.सी.सी. की गतिविधियों को सुचारू रूप से चलाने के लिए मैस भत्ता, केयर टेकर भत्ता, ए.एन.ओ. को भत्ता, मानदेय (Honorarium) में बढ़ोतरी की गई हैं एवं विभिन्न कोर्सेज में राज्य सरकार द्वारा प्रदत्त राशि में बढ़ोतरी की गई है। साथ ही कैडेट्स को यूनिफोर्म सहित लगभग 11 प्रकार के आईटम निःशुल्क उपलब्ध कराये जा रहे हैं और विभिन्न कैम्पों में राज्य का प्रदर्शन संतोषजनक रहा है ।

राष्ट्रीय सेवा योजना

- राष्ट्रीय सेवा योजना का शुभारम्भ पूज्य महात्मा गांधी जी के जन्मशती वर्ष 1969 में पूरे देश में किया गया।
- राष्ट्रीय सेवा योजना का लक्ष्य समाज सेवा के माध्यम से छात्र–छात्राओं के व्यक्तित्व विकास का है। इस योजना का ध्येय वाक्य (Motto) है –**'मै नहीं आप'** (Not Me But You)
- राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत प्रदेश के चुने हुए विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं **+2 स्तर**' के सीनियर सैकण्डरी के विद्यालयों में साक्षरता, रोजगार, एड्स जागरूकता, मतदाता जागरूकता, सामाजिक कुरीतियों को दूर करने एवं श्रमदान संबंधी कार्य करवाये जाते हैं।
- इस योजना के क्रियान्वयन के लिये प्रत्येक संस्था द्वारा 100 स्वयंसेवकों का पंजीकरण कर एक इकाई का गठन किया जाता है जिसके प्रभारी के रूप में एक संकाय सदस्य को कार्यक्रम अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।
- इस योजना के अन्तर्गत दो प्रकार की गतिविधियों का आयोजन होता है– नियमित गतिविधियाँ तथा 7 दिवसीय विशेष शिविर। इन गतिविधियों के अन्तर्गत एक स्वयं सेवक को दो वर्ष के अध्ययनकाल में 240 घण्टे सामाजिक कार्य एवं एक सात दिवसीय विशेष शिविर में भाग लेना होता है।
- योजना के प्रारम्भ में राजस्थान को 266 स्वयंसेवकों की संख्या आवंटित की गई थी। वर्तमान में एन.एस.एस. स्वयंसेवकों की संख्या 184800 आवंटित है।
- इकाइयों का विभाजन निम्नानुसार किया गया है:–

	संस्थाएँ	इकाइयाँ	स्वयंसेवक
उच्च शिक्षा (आयुक्तालय स्तर)	593	950	95000
+ 2 स्तर माध्यमिक शिक्षा	773	773	77300
विश्वविद्यालय स्तर पर	23	125	12500
योग	**1389**	**1848**	**184800**

(1) वर्ष 2018–19 तक राज्य में राष्ट्रीय सेवा योजना की 1848 इकाईयां कार्यरत रही हैं।
(2) वर्ष 2019–20 में राज्य में राष्ट्रीय सेवा योजना की कुल 1848 इकाइयां आवंटित की गई हैं।

बजट प्रावधान

- राष्ट्रीय सेवा योजना केन्द्र प्रवर्तित योजना है, जिसमें 7:5 के अनुपात में भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा बजट आवंटित किया जाता था। अप्रेल 2016 से यह योजना शतप्रतिशत केन्द्र प्रवर्तित योजना में परिवर्तित हो गई है ।

- बजट प्रावधान एवं व्यय विवरण (राशि रु. में)

वर्ष	बजट प्रावधान		व्यय	
	सीएसएस	प्लान	सीएसएस	प्लान
2008–09	3,14,00,000	2,23,00,000	3,09,40,000	2,21,00,417
2009–10	3,40,00,000	2,43,00,000	3,17,54,334	2,26,81,666
2010–11	3,50,00,000	2,50,00,000	2,10,68,830	1,50,49,170
2011–12	4,87,00,000	3,48,50,000	3,50,84,383	2,50,60,274
2012–13	5,00,00,000	3,60,00,000	3,82,76,874	2,73,40,626
2013–14	5,28,00,000	3,80,00,000	2,90,23,751	2,07,31,249
2014–15	5,48,00,000	3,90,00,000	4,14,76,459	2,96,26,041
2015–16	5,58,00,000	4,00,00,000	65,71,250 #	52,70,833 #

यह राशि भारत सरकार से रिवेलीडेशन स्वरूप प्राप्त कर व्यय की गई थी। सत्र 2015–16 का मूल अनुदान आज दिनांक तक भारत सरकार से अप्राप्य है ।

वर्ष 2016–17 से शत प्रतिशत केन्द्रीय अनुदान आधारित होने के बाद अनुदान की स्थिति

वर्ष	भारत सरकार से प्राप्त अनुदान राशि रू.	संस्थाओं को जारी की गई अनुदान राशि	अवशेष रही राशि रू.
2016–17	7,30,31,250	6,95,70,048	34,61,202
2017–18	6,95,70,048	6,94,49,500	1,20,548
2018–19	7,30,31,250	7,28,37,500	1,93,750
2019–20	7,30,31,250	वर्ष 2019–20 के लिए संस्थाओं को अनुदान जारी करने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। अधिकांश संस्थाओं को अनुदान जारी किया जा चुका है।	

(1) वर्ष 2016–17 से राष्ट्रीय सेवा योजना पूर्णतया "Central Sector Scheme" हो गई है। अतः योजना में 100 प्रतिशत अनुदान भारत सरकार द्वारा ही आवंटित किया जा रहा है।

(2) वर्ष 2017–18 से इस स्कीम के अन्तर्गत जारी किये जाने वाले अनुदान राशि को भारत सरकार ने PFMS (Public Financial Management System) पोर्टल के माध्यम से जारी किया जाना अनिवार्य कर दिया है। अतः तदनुसार ही राज्य में अनुदान वितरण की प्रक्रिया संपादित की जा रही है।

- प्रति इकाई आवंटन 45 हजार रुपये है जिसमें 22500 रु. नियमित गतिविधियों के लिए तथा 22500 रु विशेष शिविर आयोजन हेतु नियत हैं । आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा, निदेशालय माध्यमिक शिक्षा एवं विश्वविद्यालय स्तर पर समन्वयक प्रकोष्ठ स्थापित किये गये हैं जिनके माध्यम से विश्वविद्यालय, महाविद्यालयों तथा +2 स्तर के विद्यालयों में राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाइयों का संचालन होता है ।
- भारत सरकार के शत–प्रतिशत अनुदान के आधार पर शासन सचिवालय में एन.एस.एस. प्रकोष्ठ स्थापित है। जिसमें एक राज्य सम्पर्क अधिकारी एवं 7 अन्य कर्मचारियों हेतु पद स्वीकृत हैं ।
- उच्च शिक्षा विभाग में उक्त प्रकोष्ठ, शिक्षा विभाग (ग्रुप–4 अ) के माध्यम से एन.एस.एस. गतिविधियों का सम्पादन करवाया जाता है । विभाग द्वारा विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं +2 स्तर के समन्वयक को बजट आवंटन करना, लेखे प्राप्त करना, राज्य स्तरीय आयोजन करवाना, राज्य सलाहकार समिति की बैठक करवाना, भारत सरकार के नवीनतम निर्देशों की अनुपालना करवाना, एन.एस.एस. इकाइयाँ आवंटित करना, संस्था स्तर पर नियमित गतिविधियाँ एवं विशेष शिविरों का निरीक्षण एवं मूल्यांकन करना एवं स्वयंसेवकों को समाज सेवा, एड्स जागरूकता, पर्यावरण, रक्तदान, साक्षरता, वृक्षारोपण, स्वास्थ्य अभियानों, सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूकता, मतदाता जागरूकता, मनरेगा, हरित राजस्थान आदि कार्यों से जोड़ना एवं आवश्यक दिशा निर्देश जारी करना मुख्य कार्य है।
- भारत सरकार के निर्देशानुसार इस योजना की क्रियान्विति हेतु एक राज्य स्तरीय सलाहकार समिति गठित है जिसके अध्यक्ष माननीय उच्च शिक्षा मंत्री महोदय हैं। इस समिति के अन्य सदस्य विश्वविद्यालयों के कुलपति, उच्च शिक्षा सचिव, भारत सरकार के प्रादेशिक केन्द्र के सहायक कार्यक्रम सलाहकार, निदेशक/आयुक्त कॉलेज शिक्षा, निदेशक माध्यमिक शिक्षा, सभी कार्यक्रम समन्वयक, पंचायत राज एवं समाज से जुड़ी हुई एजेन्सी के प्रतिनिधि भारत सरकार के प्रतिनिधि हैं। राज्य सम्पर्क अधिकारी इस समिति के सदस्य सचिव हैं।

- **वर्ष 2019–20 में इकाई आवन्टन की स्थिति**

संस्था	संस्थाओं की संख्या	आवंटित इकाइयों की संख्या
विश्वविद्यालय	23	125
राजकीय महाविद्यालय	208	388
गैर–राजकीय महाविद्यालय	327	496
अभियान्त्रिकी महाविद्यालय	26	32
पॉलीटेक्नीक महाविद्यालय	6	6
आयुर्वेदिक व नर्सिंग महाविद्यालय	2	2
विधि महाविद्यालय	10	12
संस्कृत महाविद्यालय	11	11
सामाजिक कार्य संस्थान	1	1
ग्रामीण संस्थान	2	2
योग	**616**	**1075**
+ 2 स्तर के विद्यालय	**773**	**773**
कुल योग	**1389**	**1848**

- प्रत्येक इकाई में प्रतिवर्ष 100 स्वयंसेवकों का पंजीकरण किया जाता हैं।

वर्ष 2019–20 की egÙoi.k उपलब्धियाँ

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	क्र.सं.	जिला	आयोजक महाविद्यालय का नाम
1	<u>जिलास्तरीय प्रतियोगिता</u>	1.	अजमेर	राजकीय महाविद्यालय, अजमेर
		2.	अलवर	राजकीय कला महाविद्यालय, अलवर
	<u>क्विज:</u>	3.	बांसवाडा	राजकीय महाविद्यालय, बांसवाडा
		4.	बारां	राजकीय महाविद्यालय, बारां
	भारतीय स्वाधीनता आन्दोलन (1857–1947)	5.	बाडमेर	राजकीय महाविद्यालय, बाड़मेर
		6.	भरतपुर	राजकीय एम0एस0जे0 महाविद्यालय, भरतपुर
		7.	भीलवाडा	एम0एल0वी0 राजकीय महाविद्यालय, भीलवाड़ा
	<u>भाषण प्रतियोगिता:</u>	8.	बीकानेर	राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर
		9.	बून्दी	राजकीय महाविद्यालय, बूंदी
	महात्मा गांधी अतीत ही नहीं भविष्य भी हैं।	10.	चित्तौडगढ	राजकीय महाविद्यालय, चित्तौडगढ़
		11.	चूरू	राजकीय लोहिया महाविद्यालय, चुरू
		12.	दौसा	राजकीय विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, दौसा
	<u>निबन्ध प्रतियोगिता:</u>	13.	धौलपुर	राजकीय महाविद्यालय, धौलपुर
		14.	डूंगरपुर	राजकीय महाविद्यालय, डूंगरपुर
	भारतीय संविधान की प्रस्तावना लोकतंत्र का प्रतिबिंब है	15.	जयपुर	(अ) राजकीय महाविद्यालय, कालाडेरा
				(ब) राजकीय महाविद्यालय, जयपुर
				(स) परिष्कार कॉलेज, जयपुर
		16.	जैसलमेर	राजकीय महाविद्यालय, जैसलमेर
		17.	जालौर	राजकीय महाविद्यालय, जालौर
		18.	झालावाड	राजकीय महाविद्यालय, झालावाड़
		19.	झुंझुंनू	राजकीय महाविद्यालय, झुंझुंनू
		20.	जोधपुर	राजकीय कन्या महाविद्यालय, पीपाडसिटी
		21.	करौली	राजकीय महाविद्यालय, करौली
		22.	कोटा	राजकीय कला महाविद्यालय, कोटा
		23.	नागौर	राजकीय महाविद्यालय, नागौर
		24.	हनुमानगढ	राजकीय एन.एम. महाविद्यालय, हनुमानगढ़
		25.	पाली	राजकीय बांगड़ महाविद्यालय, पाली
		26.	प्रतापगढ	राजकीय महाविद्यालय, प्रतापगढ़
		27.	राजसमन्द	राजकीय महाविद्यालय, राजसमन्द
		28.	सवाई माधोपुर	राजकीय महाविद्यालय, सवाई माधोपुर
		29.	श्रीगंगानगर	राजकीय महाविद्यालय, श्रीगंगानगर
		30.	सीकर	राजकीय विज्ञान महाविद्यालय, सीकर
		31.	सिरोही	राजकीय महाविद्यालय, सिरोही
		32.	टोंक	राजकीय महाविद्यालय, टोंक
		33.	उदयपुर	राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय, उदयपुर

नोटः– जिला स्तरीय क्विज प्रतियोगिता में प्रथम दो टीमों व भाषण एवं निबन्ध प्रतियोगिता में प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों को पुरस्कृत किया गया।

2.	सम्भाग स्तरीय आयोजन		
	क्विजः भारतीय स्वाधीनता आन्दोलन (1857–1947) भाषणः महात्मा गांधी अतीत ही नहीं भविष्य भी हैं। निबन्ध प्रतियोगिताः "भारतीय संविधान की प्रस्तावना लोकतंत्र का प्रतिबिंब है")		
	अजमेर सम्भाग	श्री रतनलाल कंवरलाल पाटनी गर्ल्स कॉलेज किशनगढ	10.12.2019
	बीकानेर सम्भाग	बी.जे.एफ. रामपुरिया जैन विधि महाविद्यालय, बीकानेर	10.12.2019
	जयपुर सम्भाग	अलंकार कॉलेज, जयपुर	10.12.2019
	कोटा सम्भाग	जे.डी.बी. कन्या महाविद्यालय, कोटा	10.12.2019
	उदयपुर सम्भाग	विद्या भवन रूरल इंस्टीटयूट महाविद्यालय, उदयपुर	10.12.2019
	जोधपुर सम्भाग	लाचू मेमोरियल कॉलेज, जोधपुर	10.12.2019
	भरतपुर सम्भाग	राजकीय कन्या महाविद्यालय, धौलपुर	10.12.2019

नोटः– संभाग स्तरीय क्विज प्रतियोगिता में प्रथम तीन टीमों व भाषण एवं निबन्ध प्रतियोगिता में प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों को पुरस्कृत किया गया।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएंः

- संभाग स्तरीय प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान अर्जित करने वाले प्रतियोगियों/टीमों की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन प्रक्रियाधीन है।

राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत वर्ष 2019–20 में आयोजित अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमः

- **पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर–2019** :राजस्थान प्रदेश से 60 स्वयंसेवकों एवं दो कार्यक्रम अधिकारियों द्वारा पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर में भाग लिया गया।
- **गणतंत्र दिवस परेड शिविरः** दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस परेड शिविर में राजस्थान प्रदेश के 10 स्वयंसेवकों एवं एक कार्यक्रम अधिकारी ने भाग लिया।
- **एन.एस.एस. राष्ट्रीय पुरस्कारः** राजस्थान प्रदेश से वर्ष 2018–19 के लिए रासेयो पुरस्कार की घोषणा होना अभी प्रक्रिया में है।
- **राष्ट्रीय एकता शिविरः** राष्ट्रीय एकता शिविर में राजस्थान प्रदेश से 70 स्वयंसेवक एवं 07 कार्यक्रम अधिकारियों ने भाग लिया।
- **राष्ट्रीय साहसिक शिविरः** राष्ट्रीय साहसिक शिविर में राजस्थान प्रदेश से 01 स्वयंसेवक ने भाग लिया।
- **अन्तरराष्ट्रीय युवा आदान प्रदान कार्यक्रमः** अंतर्राष्ट्रीय युवा महोत्सव में राजस्थान प्रदेश के स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड

- 1907 में बेडन पावेल द्वारा एक प्रायोगिक शिविर से अंकुरित स्काउट कार्यक्रम आज विश्व का सबसे बड़ा वर्दीधारी युवा आन्दोलन बन गया है जो विश्व के 218 राष्ट्र एवं उपनिवेशों में अपनी पहचान कायम करते हुए निरन्तर प्रगति की ओर अग्रसर है। राजस्थान प्रदेश संगठन ने भी सभी स्तरों पर विशिष्ट एवं उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित करते हुए अपनी अमिट छाप छोड़ी है और प्रदेश को गौरवान्वित किया है।

- स्काउट गाइड गतिविधि के अन्तर्गत 15 से 25 वर्ष की आयु वर्ग के युवक–युवतियों के लिए संचालित गतिविधि को रोवरिंग/रेंजरिंग के नाम से सम्बोधित किया जाता है। युवकों को रोवर और युवतियों को रेंजर कहा जाता है।
- राजस्थान की रोवरिंग रेंजरिंग राष्ट्र स्तर पर अपनी अलग पहचान कायम किए हुए है। सेवा के आयाम को सार्थक करते हुए रोवर रेंजर्स मेला, अस्पताल, वृद्ध जन सेवा नेत्र चिकित्सा शिविर, सड़क सुरक्षा अभियान, साइकिल रैलियों के माध्यम से राज्य एवं राष्ट्रीय स्तरीय गतिविधियों में अपनी सहभागिता दर्ज कराते हुए उत्तरोत्तर प्रगति की ओर अग्रसर हो रहे हैं।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड संगठन की सत्र 2019–20 की गतिविधियों का विवरण:

गतिविधियां (राज्यस्तरीय):

1. वार्षिक कार्यक्रम के अनुरूप रोवर्स रेंजर्स के लिए प्रति वर्ष मई माह में साहसिक हाईक का आयोजन किया जाता है, जो 29 मई 2019 से 01 जून 2019 तक तक नेपाल में आयोजित हुई जिसमें विभिन्न कॉलेजों के 86 रोवर्स रेंजर्स ने सहभागिता की।
2. 20 मई 2019 से 24 मई 2019 तक ग्रामीण रोवर रेंजर भारत दर्शन कार्यक्रम ओड़िसा में आयोजित हुआ जिसमें ग्रामीण अंचल के 110 ग्रामीण रोवर/रेंजर ने सहभागिता कर विभिन्न दर्शनीय स्थलों का अवलोकन किया।
3. दिनांक 26 से 30 दिसम्बर 2019 तक आलनियां, कोटा में राज्य स्तरीय रोवर मूट रेंजर मीट का आयोजन किया गया जिसमें पूरे प्रदेश से 571 रोवर्स रेंजर्स ने सहभागिता कर विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित किया।
4. राज्य पुरस्कार अवार्ड समारोह का आयोजन दिनांक 9 से 13 जनवरी 2020 को राज्य प्रशिक्षण केन्द्र, जगतपुरा, जयपुर में आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न कॉलेजों के 75 रोवर्स/रेंजर्स ने सहभागिता की।

   उक्त आयोजन में माननीय राज्यपाल महोदय द्वारा रोवर्स/रेंजर्स को राज्यस्तरीय राज्य पुरस्कार अवार्ड प्रदान कर राज्य का गौरव बढ़ाया।

गतिविधियां (राष्ट्रस्तरीय):

गत वर्ष 2018 राष्ट्र स्तर पर रोवरिंग का शताब्दी वर्ष आयोजित किया गया। आलोच्य वर्ष 2020 में पूरे राष्ट्र में रेंजरिंग का शताब्दी वर्ष भव्यता के साथ आयोजित किया जा रहा है।

1. रेंजरिंग शताब्दी वर्ष शुभारम्भ दिनांक 19 से 23 अगस्त, 2019 तक राज्य प्रशिक्षण केन्द्र, जगतपुरा, जयपुर में आयोजित हुआ। जिसमें 27 राज्यों से 365 रोवर्स रेंजर्स ने न केवल सहभागिता की, अपितु अपनी सांस्कृतिक

वेशभूषा, खान पान एवं रस्म–रिवाज आदि का आदान–प्रदान कर आनन्द की अनुभूति की। साथ ही साथ जयपुर एवं ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण कर राजस्थान की मधुर स्मृतियों को संजोया। यह कार्यक्रम रेंजर्स के शताब्दी वर्ष शुभारम्भ के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया । राष्ट्र के अन्य राज्यों में इस शताब्दी वर्ष को विभिन्न रूपों में आयोजित किया जा रहा है।

2. 75 रोवर्स ने रीजनल स्तरीय गतिविधियों के अन्तर्गत कर्नाटक–बैंगलोर, दादर नगर हवेली, गोवा, मेघालय, बड़ौदा (गुजरात) ने सहभागिता कर राज्य का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।
3. राजस्थान सरकार एवं युवा बोर्ड के तत्वावधान में स्काउट गाइड़ संगठन द्वारा युवा सांस्कृतिक प्रतिभा खोज महोत्सव पूरे प्रदेश में ब्लॉक, जिला, मण्डल एवं राज्य स्तर पर आयोजित हुए जिसमें 362 गतिविधियों में कुल 38538 की सहभागिता रही।
4. रोवरिंग रेंजरिंग गतिविधियों को आगे बढ़ाने एवं गुणवत्ता की दृष्टि से वयस्क प्रशिक्षण को भी मध्यनजर रखते हुए इस वर्ष 118 रोवर लीडर रेंजर लीडर ने बेसिक कोर्स में सहभागिता कर प्रशिक्षण प्राप्त किया तथा इसी तरह 12 रेंजर्स लीडर ने एडवान्स कोर्स पूर्ण कर अपनी योग्यता वृद्धि की।
5. नेशनल ओपन यूनिट रैली, अम्बाला, हरियाणा ने दिनांक 09 से 13 जनवरी 2020 को आयोजित की, जिसमें 7 रोवर्स/रेंजर्स ने सहभागिता की।
6. राष्ट्रीय एडवेंचर कैम्प मनाली, हिमाचल में 30 दिसम्बर 2019 से 03 जनवरी 2020 को आयोजित किया गया जिसमें 5 रेंजर्स ने सहभागिता की।
7. पचमढ़ी सर्विस उत्सव दिनांक 25 से 31 दिसम्बर 2019 को पचमढ़ी, मध्यप्रदेश में आयोजित किया गया, जिसमें 9 रोवर्स/रेंजर्स ने सहभागिता की।
8. राष्ट्रीय जनजाति मिनी जम्बूरी दिनांक 01 से 05 अक्टूबर 2019 को उदय निवास, उदयपुर में आयोजित की गई जिसमें 135 रोवर्स/रेंजर्स ने सहभागिता की।
9. राष्ट्र स्तरीय यूथ फोरम का आयोजन 29 सितम्बर 03 अक्टूबर 2019 ओड़िसा में आयोजित किया गया जिसमें 05 रोवर्स/रेंजर्स ने सहभागिता की।
10. राष्ट्रीय रोवर/रेंजर मिनी जम्बूरी, ओड़िसा दिनांक 01 से 07 दिसम्बर 2019 को आयोजित की गई जिसमें राजस्थान प्रदेश संगठन से 42 रेंजर्स एवं 28 रोवर्स ने सहभागिता की। उक्त जम्बूरी में राजस्थान के रोवर्स/रेंजर्स ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर 08 शील्डें प्राप्त की जो राजस्थान के लिए विशेष गौरव की बात है। अब तक स्काउट गाइड की जम्बूरी हुआ करती थी।

    रोवर्स रेंजर्स के लिए ये पहली जम्बूरी का पहला अवसर राष्ट्र मुख्यालय द्वारा आयोजित किया गया।

गतिविधियां (अन्तर्राष्ट्रीय):

1. अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर नेपाल रोवर मूट का आयोजन दिनांक 31 मई से 04 अगस्त 2019 को पोखरा, नेपाल में किया गया जिसमें 13 रोवर्स ने भाग लिया।
2. 21वां अन्तर्राष्ट्रीय एडवेंचर कैम्प पचमढ़ी, मध्यप्रदेश में दिनांक 02 से 08 फरवरी 2020 को आयोजित किया जायेगा। जिसमें 12 रोवर्स/रेंजर्स भाग लेंगे।

समाज सेवा:

1. रोवर्स रेंजर्स द्वारा नेत्र चिकित्सा, वृद्धजन सेवा, जल संरक्षण, सड़क सुरक्षा अभियान, नशा मुक्ति, रक्तदान एवं स्वच्छ भारत अभियान आदि अवसर पर वर्ष पर्यन्त सेवा कार्य किया जा रहा है।
2. अप्रेल–मई माह 2019 ओड़िसा त्रासदी के अवसर पर रोवर्स रेंजर्स द्वारा घर–घर पहुंच कर भोजन वितरण, वस्त्र वितरण, चिकित्सा सुविधा आदि सेवा कार्यों को राज्य के मुख्य आयुक्त श्री जे.सी.महन्ती के कुशल नेतृत्व में सफल रूप से सम्पन्न किया गया।

गुणात्मक वृद्धि:

1. संगठन को सेवाएं प्रदान करने के साथ–साथ रोवर्स रेंजर्स अपनी योग्यता वृद्धि के प्रति सजग रहते हैं।
2. इस वर्ष 975 रोवर्स रेंजर्स ने निपुण योग्यता एवं 772 राज्य पुरस्कार अवार्ड प्राप्त कर अपनी योग्यता वृद्धि दर्ज कराई।

आगामी प्रस्तावित गतिविधियां:

- रोवर लीडर रेंजर लीडर बेसिक एडवान्स प्रशिक्षण माह फरवरी 2020
- आगामी पंचायत चुनाव में रोवर्स रेंजर्स द्वारा सेवाएं।
- उपराष्ट्रपति अवार्ड शील्ड हेतु पंजीकरण।
- वार्षिक कार्यक्रमानुसार विभिन्न अवसरों पर सेवा कार्य।
- अन्तर्राष्ट्रीय गतिविधियों में सहभागिता हेतु पंजीकरण।

राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी

http://www.rajhga.com

केन्द्र प्रवर्तित योजना

भारत सरकार ने प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा के बाद सन् 1968 में उच्च शिक्षा के माध्यम परिवर्तन पर बल दिया था। भारत सरकार की इस राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अन्तर्गत भारतीय भाषाओं में उच्च शिक्षा के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न विषयों की पुस्तकों का लेखन, प्रकाशन एवं विपणन किया जाना था। इसके लिए हिन्दी प्रदेशों में ग्रन्थ अकादमियों एवं हिन्दीतर प्रदेशों में पाठ्य पुस्तक–निर्माण मण्डलों का गठन किया गया था। सन् 1969 में एक स्वायत्तशासी संस्था के रूप में राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी की स्थापना हुई।

उद्देश्य

अपनी स्थापना से यह अकादमी हिन्दी माध्यम में उच्चशिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों के लिए विज्ञान, तकनीकी, मानविकी, वाणिज्य, सामाजिक विज्ञान एवं शिक्षा आदि विषयों की पाठ्य सामग्री उपलब्ध करवाती है। इस पाठ्य सामग्री में पाठ्य पुस्तकें हैं तो सन्दर्भ ग्रन्थ भी हैं।

उपादेयता

अकादमी न लाभ – न हानि के सिद्धान्त पर पुस्तकें प्रकाशित करती है ताकि कम कीमत की इन पुस्तकों को अधिक से अधिक विद्यार्थी खरीद सकें। पुस्तकें विषय विशेषज्ञों के द्वारा लिखी जाती हैं ताकि गुणवत्ता कायम रहे।

मौलिक पुस्तकों का वर्षवार प्रकाशन

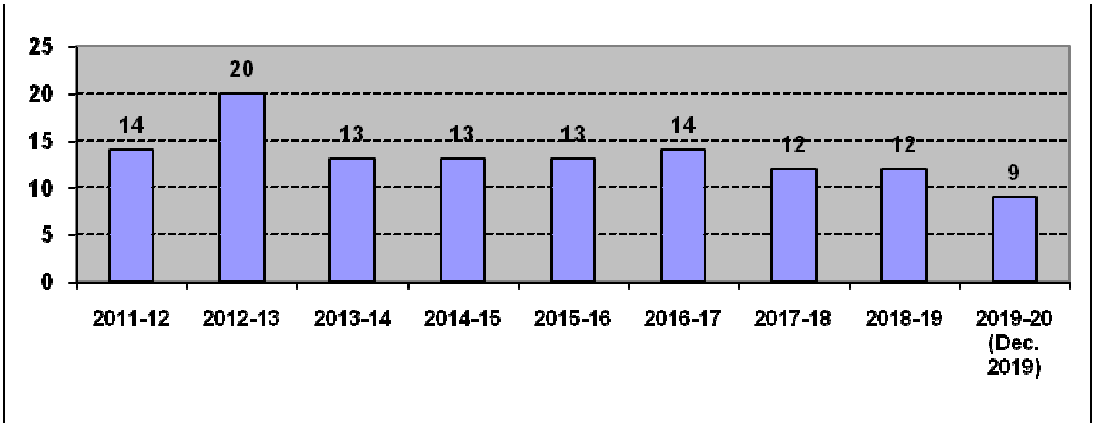

वित्तीय वर्ष 2019–20 (दिसम्बर 2019 तक) में 9 मौलिक पुस्तकें प्रकाशित की गई है। अकादमी ने विज्ञान, तकनीकी, मानविकी, सामाजिक विज्ञान एवं शिक्षा आदि विषयों की दिसम्बर, 2019 तक कुल 656 मौलिक एवं 90 अनूदित पुस्तकें प्रकाशित की हैं।

परिष्कृत पुस्तकों का पुनर्मुद्रण

विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमानुसार नयी पाठ्यपुस्तकों के लेखन एवं प्रकाशन के साथ पूर्व प्रकाशित पुस्तकों में संशोधन का कार्य अनवरत चलता रहता है। पुस्तक के पुनर्मुद्रण से पूर्व लेखकों से विषय, भाषा एवं प्रस्तुति के सन्दर्भ में अपेक्षित संशोधन करवाये जाते हैं ताकि विद्यार्थियों को अध्ययन हेतु स्तरीय सामग्री उपलब्ध हो सके। वित्तीय वर्ष 2019–20 (दिसम्बर, 2019 तक) में 109 संस्करण प्रकाशित किये जा चुके हैं।

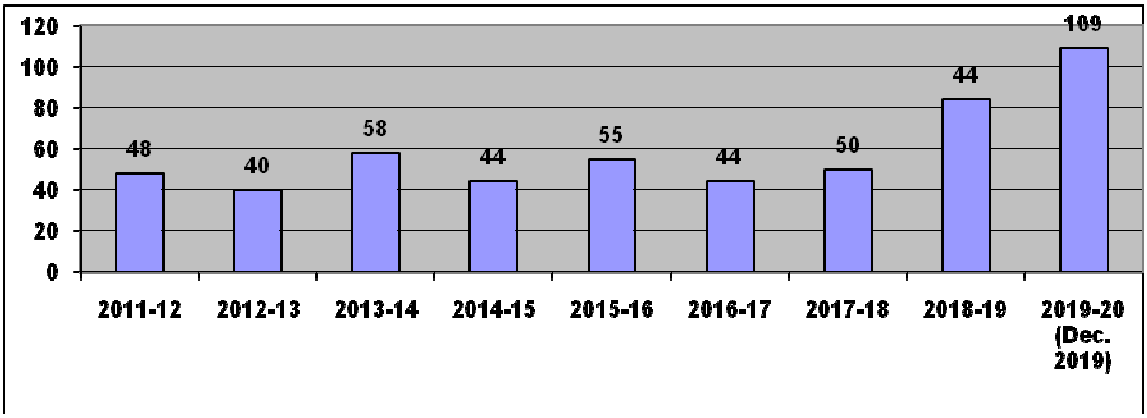

बिक्री में बढ़ोतरी

अकादमी ने बिक्री का अपना तंत्र विकसित कर लिया है जिससे सभी हिन्दी प्रदेशों में अकादमी की पुस्तकें बिक रही हैं। वित्तीय वर्ष 2019–20 में दिसम्बर, 2019 तक 1,81,56,835 रूपये की पुस्तकों की बिक्री की गई है।

वर्षवार कुल बिक्री (लाख रूपये में)

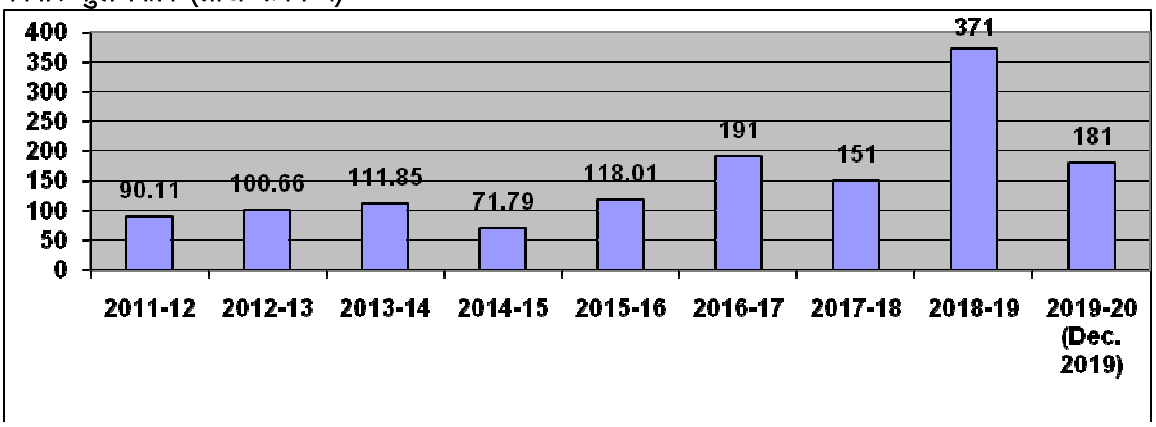

विश्वविद्यालय पाठ्यक्रमों में अनुशंसित पुस्तकें

राजस्थान के विश्वविद्यालयों के विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रमों में अकादमी की पुस्तकें अनुशंसित हैं। इसके अलावा मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, बिहार, हरियाणा एवं दिल्ली सहित हिन्दी भाषी प्रदेशों के विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में भी अकादमी की अनेक पुस्तकें अनुशंसित हैं।

पुस्तक मेले एवं प्रदर्शनियाँ

अकादमी द्वारा वित्तीय वर्ष 2019–20 में दिनांक 12.10.2019 से 20.10.2019 तक उदयपुर में आयोजित राष्ट्रीय पुस्तक मेला में भाग लिया गया तथा राजस्थान पत्रिका द्वारा जयपुर में आयोजित राष्ट्रीय पुस्तक मेले में दिनांक 30.11.2019 से 8.12.2019 तक पुस्तक प्रदर्शनी लगायी गई।

अकादमी द्वारा की जा रही गतिविधियाँ

अकादमी द्वारा 'हिन्दी बुनियाद' (द्विमासिक) पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है जिसके अब तक कुल 4 अंक प्रकाशित किये जा चुके हैं। दिनांक 3 एवं 4 जून, 2019 को अकादमी प्रांगण गतिविधियों में नेशनल बुक ट्रस्ट ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली व अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में बाल परिचर्चा पर दो दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की गई।

अकादमी द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती एवं अकादमी स्वर्ण जयन्ती समारोह का भव्य आयोजन दिनांक 14 सितम्बर, 2019 (हिन्दी दिवस) को बिड़ला ऑडिटोरियम में किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि माननीय श्री अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री, राजस्थान सरकार थे। समारोह की अध्यक्षता श्री भंवर सिंह भाटी,

राज्यमंत्री उच्च शिक्षा, राजस्थान सरकार द्वारा की गई तथा इस समारोह के विशिष्ट अतिथि श्री गोविन्द सिंह डोटासरा, माननीय राज्यमंत्री शिक्षा विभाग, प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा, राजस्थान सरकार तथा डॉ. सुभाष गर्ग, माननीय राज्यमंत्री, तकनीकी एवं संस्कृत शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार थे। इस समारोह में अकादमी से जुड़े लेखकों को सम्मानित किया गया। लगभग 1500 विद्वानों, लेखकों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने इस समारोह में भाग लिया।

विद्यार्थियों एवं संस्थाओं को कम कीमत की अच्छी पुस्तकें :

राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी विद्यार्थियों को कम से कम कीमत पर मानक पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ उपलब्ध करवाती है। विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं पाठकों को सीधी खरीद करने पर पुस्तक मूल्य पर 25 प्रतिशत की छूट दी जाती है। संस्थाओं को सीधी खरीद करने पर 20 प्रतिशत की छूट देय है।

भारत एवं राज्य सरकार से प्राप्त अनुदान

अकादमी द्वारा करवाये जाने वाले पुस्तक प्रकाशन के कार्यों का शत प्रतिशत व्यय भारत सरकार के अनुदान से संभव होता है। भारत सरकार ने चौथी पंचवर्षीय योजना में एक करोड़ रूपये की राशि का प्रावधान किया था जो अकादमी की मांग के अनुसार भेजे गए बजट के आधार पर प्रतिवर्ष आगामी पंचवर्षीय योजनाओं तक अकादमी को प्राप्त होता रहा। वर्ष 1994 की अवधि तक यह रूपये 1.00 करोड़ की राशि प्राप्त हो चुकी थी। पुस्तकों की बिक्री से प्राप्त राशि का रिवाल्विंग फंड बनवाया गया था जिससे आगामी संस्करण प्रकाशित कराये जा सकें तथा हिन्दी माध्यम में उच्च शिक्षा पाने वाले प्रदेश के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न विषयों की मानक पाठ्य पुस्तकों एवं सन्दर्भ ग्रन्थों को हिन्दी में तैयार करवाने के लिए धन की कमी न रहे।

अकादमी के पास उपलब्ध इस फंड के अलावा पुस्तक प्रकाशन के लिए केन्द्र सरकार (मानव संसाधन विकास मंत्रालय) के अधीन वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग से प्रति वर्ष अलग से भी अनुदान प्राप्त होता है परन्तु वित्तीय वर्ष 2019–20 में आदिनांक कोई राशि प्राप्त नहीं हुई है।

राज्य सरकार से प्राप्त अनुदान राशि (लाख रूपये में)

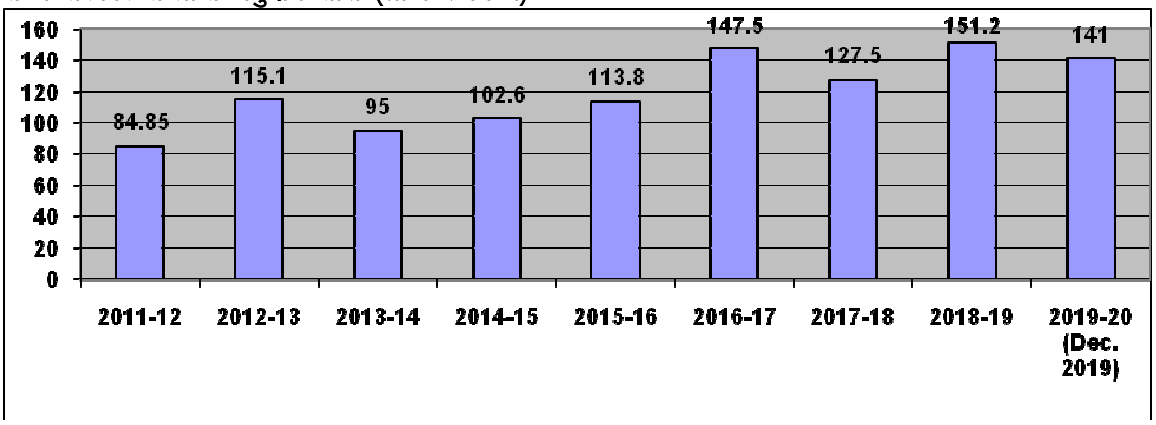

वित्तीय वर्ष 2019–20 में रूपये 191 लाख का प्रावधान था, जिसमें से दिसम्बर, 2019 तक गैर आयोजना मद में रूपये 141 लाख प्राप्त हो गए हैं तथा पूर्ण राशि का व्यय हो चुका है। आयोजना मद में रूपये 1.91 लाख प्राप्त हुए हैं तथा पूर्ण राशि का व्यय हो चुका है।

रायल्टी का ऑनलाइन लेखा/देश का एकमात्र प्रकाशन गृह

लेखन पारिश्रमिक स्वरूप अकादमी अपने लेखकों को 20 प्रतिशत रॉयल्टी प्रदान करती है। यह हर्ष का विषय है कि रायल्टी के सही–सही भुगतान के संदर्भ में अकादमी ने लेखकों का विश्वास अर्जित किया है।

वर्षवार कुल रायल्टी (लाख रूपये में)

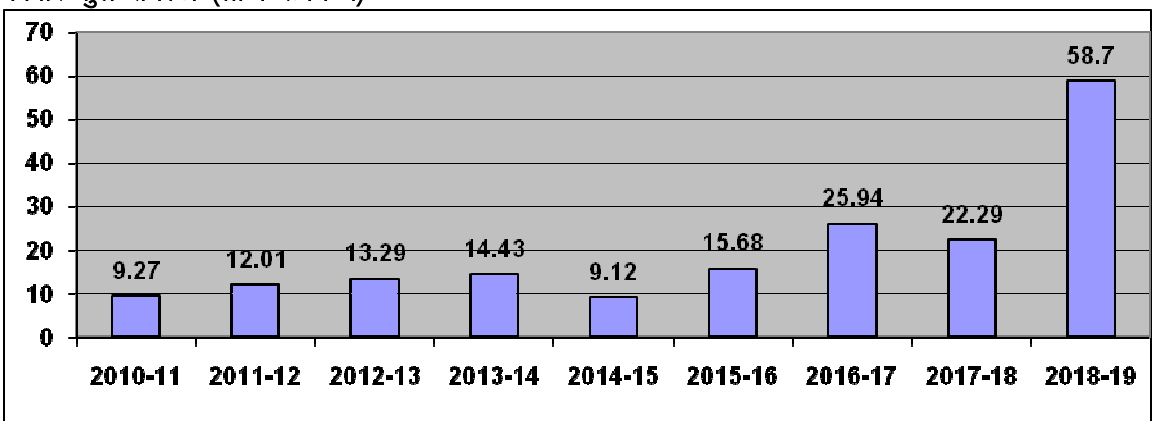

वर्ष 2005–06 से पारदर्शिता रखते हुए लेखकों की सुविधा के लिए रायल्टी का प्रतिदिन का लेखा अकादमी की वेबसाइट पर रखने का प्रावधान किया गया। अब अकादमी के लेखक जब चाहें, अपनी पुस्तक की बिक्री व रायल्टी का लेखा घर बैठे देख सकते हैं। इस तरह की सुविधा प्रदान करने वाला यह देश का एकमात्र संस्थान है। वर्ष 2018–19 की रॉयल्टी की राशि का लेखकों के खाते में ऑनलाइन भुगतान कर दिया गया है।

कम्प्यूटरीकरण/वेबसाइट

अकादमी ने नयी पहल करके अपने कामकाज को अद्यतन बनाया है। विभिन्न शाखाओं के काम को लगभग कम्प्यूटरीकृत किया जा चुका है तथा अकादमी परिसर wifi है। इस प्रकार अपने कामकाज, प्रकाशन एवं बिक्री की दृष्टि से अकादमी उत्तरोत्तर प्रगति पथ पर अग्रसर है।

इन्टरनेट का इस्तेमाल करने वालों के लिए अकादमी की वेबसाइट www.rajhga.com पर प्रकाशन सूची, लेखकों के लिए दिशा–निर्देश, बिक्री के नियम के अलावा अन्य जानकारियाँ भी उपलब्ध हैं। पिछले 14 वर्ष से यह वेबसाइट बराबर इन्टरनेट पर है और इसको अद्यतन रखा जाता है। अकादमी की वेबसाईट पर पुस्तकों के क्रय की online सुविधा भी उपलब्ध है जिसके तहत अकादमी की मेल (rajhindigranth@gmail.com) पर भी पुस्तक क्रय आदेश भिजवाकर पुस्तकें प्राप्त की जा सकती है।

राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

स्थापना वर्ष	1947
संघटक महाविद्यालय	7
संबद्ध महाविद्यालय	**534**

वेबसाइट	http://uniraj.ac.in/
कार्य क्षेत्र के जिले	जयपुर व दौसा

राजस्थान विश्वविद्यालय राज्य का सबसे प्राचीन शिक्षण संस्थान होने का गौरव रखता है। इसे 8 जनवरी 1947 को राजपूताना विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित किया गया था और इसकी स्थापना के समय से इसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली अधिनियम की धारा 2F व 12B के तहत मान्यता दी गई । राजस्थान विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य ज्ञान का निर्माण और प्रसार है यह राजस्थान के छात्रों व देश विदेश के अन्य भागों के छात्रों की उच्च शिक्षा के लिये आकांक्षाओं को पूरा करता है। विश्वविद्यालय शहरी क्षेत्र में स्थित है और इसका केन्द्रीय परिसर 338.14 एकड़ में फैला हुआ है। इसके सेटेलाईट केम्पस में इसके संघटक महाविद्यालय 138.21 एकड़ में फैले हुये हैं। प्रारम्भ में विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार में सम्पूर्ण राज्य शामिल था। वर्ष 1956 में राजपूताना विश्वविद्यालय का नाम परिवर्तित कर राजस्थान विश्वविद्यालय किया गया। वर्तमान में राजस्थान विश्वविद्यालय में 9 संकाय, 37 स्नातकोत्तर विभाग और 22 अनुसंधान केन्द्र हैं। वर्तमान में विश्वविद्यालय से 534 महाविद्यालय संबद्ध हैं।

जन शक्तिः शैक्षणिक वर्गः विश्वविद्यालय में कार्मिकों के स्वीकृत, कार्यरत व रिक्त पदों का विवरणः

क्र.सं.	पद	स्वीकृत पद	कार्यरत	रिक्त
01	आचार्य	61	04	57
02	सह–आचार्य	135	23	112
03	सहायक आचार्य	724	661	63
04	रिसर्च एसोसिएट	34	0	34
05	पुस्तकालयाध्यक्ष	01	0	01
06	उप–पुस्तकालयाध्यक्ष	04	0	04
07	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	14	09	05
08	निदेशक/सहायक निदेशक, शारीरिक शिक्षा	12	08	04
09	साइंटिफिक ऑफिसर (यूसिक)	02	0	02
	कुल योग	**987**	**705**	**282**

अशैक्षणिक वर्गः विश्वविद्यालय में अशैक्षणिक वर्ग के 1777 स्वीकृत पद हैं, जिनमें कार्यरत कर्मचारियों की संख्या 954 है तथा 823 पद रिक्त हैं।

विद्यार्थी–नामांकनः विश्वविद्यालय के विभाग व संघटक महाविद्यालयों के विद्यार्थियों का नामांकन निम्नानुसार हैः

महाविद्यालय	विद्यार्थी सं.	महाविद्यालय	विद्यार्थी सं.
महाराजा कॉलेज, जयपुर	2727	महारानी कॉलेज, जयपुर	6363

कॉमर्स कॉलेज, जयपुर	4464	राजस्थान कॉलेज, जयपुर	3430
लॉ कॉलेज,(प्रातःकाल) जयपुर	998	कुल विद्यार्थियों की संख्या (सभी संघटक महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्रों की संख्या)	25175
लॉ कॉलेज,(सायंकाल) जयपुर	1186		
विश्वविद्यालय पंचवर्षीय लॉ कॉलेज, जयपुर	122		

संचालित संकाय एवं विषयों का विवरणः विश्वविद्यालय में कला संकाय में 7 विषय, सोशल साइन्स में 16 विषय, फाईन आर्ट्स में 4 विषय, विज्ञान संकाय में 14 विषय, वाणिज्य संकाय में 3 विषय, शिक्षा संकाय में 3 विषय, विधि संकाय तथा प्रबन्ध संकाय संचालित हैं।

foÙkh; izcU/k आय–व्ययक अनुमान वित्तीय वर्ष 2019–20 (राशि लाखों में)

आय–राज्य निधि (पूर्व दायित्व)	आय–राज्य निधि (योजनाएं)	व्यय–राज्यनिधि (पूर्व दायित्व)	व्यय–राज्य निधि (योजनाएं)
11000.01	0.00	11000.00	0.00

वर्ष 2019–20 की egÙoiw.k उपलब्धियांः

- विश्वविद्यालय ने 19 दिसम्बर, 2019 को 29 वां दीक्षान्त समारोह आयोजित किया। राजस्थान के माननीय राज्यपाल श्री कलराज मिश्रा ने दीक्षान्त समारोह को संबोधित किया। दो परीक्षार्थियों ने डी. लिट् की उपाधि प्राप्त की, 255 छात्रों ने विभिन्न यू.जी. और पी.जी. कार्यक्रम में अपनी योग्यता के लिए स्वर्ण पदक प्राप्त किये। 818 छात्रों ने अपनी पी. एच. डी उपाधि प्राप्त की और इस अवसर पर 3,61,483 विद्यार्थियों ने अपने सम्बन्धित संकायों में यू.जी. और पी.जी. उपाधि प्राप्त की।
- विश्वविद्यालय ने 20 दिसम्बर, 2019 को रोजगार मेले का आयोजन किया। इस रोजगार मेले में छात्रों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए 71 कम्पनियों ने भाग लिया। इसमें से लगभग 5600 छात्रों को विभिन्न रोजगार के लिए चयन किया गया।
- विश्वविद्यालय ने राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित तृतीय उच्च शिक्षा और मानव संसाधन सम्मेलन में भाग लिया और सम्मेलन (निर्वाचिक सभा) में चार स्टाल लगाई। विश्वविद्यालय इनोवेशन कलस्टर प्रोग्राम के तहत शुरू किये गए दो स्टार्ट–अप सम्मेलन में प्रदर्शित किये गये। राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत और माननीय उच्च शिक्षा राज्य मंत्री श्री भंवर सिंह भाटी व माननीय तकनीकी शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किए गए उत्पादों मे रूचि दिखाई।
- विश्वविद्यालय इनोवेशन कलस्टर में कार्यरत एक युवा वैज्ञानिक डॉ. मधुसदन मूर्ति ने अपनी कम्पनी बनाई और BIRAC द्वारा 50.00 लाख रु. की प्रतिष्ठित बायोटेक्नोलोजी इगनिशन ग्रांट (BIG) प्राप्त की और चैन्नई में आयोजित अन्तरराष्ट्रीय नोलेज मिलेनियम कान्फ्रेंस (IKMCC2019) में 20.00 हजार रु. का सर्वश्रेष्ठ स्टार्टअप का पुरस्कार प्राप्त किया।
- विश्वविद्यालय ने सफल RUSA 1.0 कार्यक्रम के उपरान्त RUSA 2.0 कार्यक्रम प्राप्त किया। इस कार्यक्रम के तहत् विश्वविद्यालय पहले ही नए पाठ्यक्रमों व विश्वविद्यालय HRDC बिल्डिंग के 7.5 करोड़ रु. व यूनिवर्सिटी इन्क्यूबेशन सेन्टर के लिए 15 करोड़ रु. राजस्थान विश्वविद्यालय इस कार्यक्रम के तहत की मंजूरी ले चुका है। विश्वविद्यालय इस कार्यक्रम के तहत रु. 35 करोड़ मूल्य के 19 शोध प्रस्ताव प्रस्तुत कर चुका है।

- विधि विभाग के 27 छात्रों नें RJS परीक्षा को पास करने में सफलता अर्जित की। परीक्षा का टॉपर भी विश्वविद्यालय का छात्र है। सांख्यिकी विभाग के 12 छात्रों ने राजस्थान सांख्यिकी सेवा परीक्षा उत्तीर्ण की।
- केन्द्रीय पुस्तकालय का RIFD आधारित बुक इश्यू प्रणाली की शुरूआत के साथ आधुनिकीकरण किया गया।
- जीव विज्ञान के संकाय सदस्यों ने अपने योगदान के लिए चार भारतीय पेटेंट दर्ज किये, विभिन्न विभागों द्वारा कई अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किये गये।
- खेल व खेल स्पर्धाओं में, विश्वविद्यालय की तीरंदाजी टीम ने स्वर्ण व कांस्य पदक प्राप्त किए। व्यक्तिगत में कुमारी निशा ने शूंटिग स्पर्धा में रजत पदक जीता। विश्वविद्यालय की हॉकी टीम, वालीबाल, हैण्डबाल, और टेनिस टीम और पुरूष हैण्डबाल टीम ने सभी स्पर्धा में योग्यता हासिल की।

वर्ष 2020–21 की भावी योजनाः

- सभी संकायों में पाठ्यक्रमों का संशोधन प्रस्तावित है।
- पी.जी. और यू.जी. कोर्स में सेमेस्टर प्रणाली आरम्भ करने का प्रयास किया जाएगा। विश्वविद्यालय परिसर में P.G. कार्यक्रम में सेमेस्टर प्रणाली बहुत पहले शुरू की गई थी, लेकिन यह सम्बद्ध कॉलेजों में लागू नहीं है।
- सचिव, उच्च शिक्षा के साथ कुलपति महोदय की बैठक में दी गई सलाह के अनुसार अनिवार्य कार्यक्रम के रूप में इंटर्नशिप/उद्योग उन्मुख परियोजना के परिचय के प्रस्ताव को अकादमिक परिषद की बैठक में रखा जाएगा।
- सचिव, उच्च शिक्षा के साथ कुलपति महोदय की बैठक में दी गई सलाह के अनुसार एक नया शैक्षणिक कार्यक्रम **'आनन्दम्'** जो कि देने की खुशी/आनन्द' की अवधारणा पर आधारित है। एकेडमिक काउंसिल की बैठक में रखा जाएगा। ग्रेडिंग सिस्टम के साथ इस कार्यक्रम को भी अगले शैक्षणिक सत्र से यू.जी. व पी.जी. कार्यक्रम में अनिवार्य पाठयक्रम के रूप मे प्रस्तुत किये जाने की योजना है।
- वर्तमान में विश्वविद्यालय के पुराने दस्तावेजों के डिजिटलीकरण करने के प्रयास जारी हैं।
- विभिन्न चल रहे कार्यक्रमों में मेसिव ऑनलाइन ऑपन कॉर्स (MOOC) और SWAYAM ऑनलाइन कोर्स शुरू करने के प्रयास जारी हैं।
- मौजूदा क्लासरूम को स्मार्ट क्लासरूम में बदलने का प्रयास किया जाएगा, विद्यार्थियों के ज्ञान की बेहतरीन बनाने के लिये ई–लेक्चरर, ई–बुक्स और ई–जर्नल्स को प्राथमिकता दी जाएगी। विभिन्न विषय विशेषज्ञों के ई व्याख्यान को यूट्यूब पर और विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर अपलोड किया जायेंगा।
- विद्यार्थियों की उपस्थिति व विद्यार्थियों को केन्द्रीय पुस्तकालय की सुविधाओं हेतु RFID आधारित कार्ड शुरू किया जाएगा।
- HRDC भवन का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा और अगले वित्तीय वर्ष में केन्द्रीय पुस्तकालय और मानविकी हॉल का नवीनीकरण कार्य कर लिया जाएगा।

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर

स्थापना वर्ष	1962
संघटक महाविद्यालय	02
संबद्ध महाविद्यालय	265

वेबसाइट	http://www.jnvu.edu.in/
कार्य क्षेत्र	बाड़मेर, जैसलमेर, जालोर, पाली एवं जोधपुर

पूर्व में जोधपुर विश्वविद्यालय, वर्तमान में जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 1962 में जोधपुर नगर निगम पालिका सीमा में हुई थी। विश्वविद्यालय कला, शिक्षा व समाज विज्ञान, वाणिज्य, इंजीनियरिंग, विधि और विज्ञान की बहु–संकाय संस्था है। इसके अतिरिक्त रोजगार में लगे अभ्यर्थियों हेतु कला व वाणिज्य में स्नातक स्तर की शिक्षा के लिए विश्वविद्यालय में सायंकालीन अध्ययन संस्थान भी है। साथ ही छात्राओं के लिए अलग से कमला नेहरू महिला महाविद्यालय भी है। विद्यार्थियों के लिए कला, वाणिज्य एवं विज्ञान में स्नातक तक की शिक्षा की व्यवस्था है। विश्वविद्यालय की स्थापना से ही एम.बी.एम. इंजीनियरिंग कॉलेज, जसवंत कॉलेज और एस.एम.के. कॉलेज को विश्वविद्यालय में समाहित किया गया था। वर्तमान में जोधपुर संभाग के अंतर्गत जोधपुर, पाली, जालोर, जैसलमेर एवं बाड़मेर जिलों में 265 कॉलेजों को जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय से संबद्धता प्रदान की गई। विश्वविद्यालय के अपने स्वयं के छात्रावास भी हैं। सामान्य संकायों के विद्यार्थियों के आवास हेतु चार और इंजीनियरिंग संकाय के विद्यार्थियों के आवास हेतु दस छात्रावास हैं। इसके अतिरिक्त तीन छात्रावास छात्राओं हेतु हैं– एक छात्रावास जनजाति की छात्राओं हेतु, एक स्नातक की छात्राओं हेतु तथा एक स्नातकोत्तर एवं अन्य इंजीनियरिंग संकाय की छात्राओं (विदेशी छात्राओं का छात्रावास) के लिए हैं। विश्वविद्यालय में नेत्रहीन छात्रों हेतु भी एक छात्रावास है। विश्वविद्यालय में स्वयं के अतिथि गृह, कम्प्यूटर केन्द्र, स्वास्थ्य केन्द्र, यांत्रिक केन्द्र, अकादमिक स्टाफ कॉलेज, ई.एम.एम.आर.सी., बिल्डिंग सेल, स्पोर्ट्स बोर्ड, प्रोक्टोरियल बोर्ड, छात्र सेवा मण्डल एवं इंटरप्रीनियर डवलपमेंट सेल हैं। विश्वविद्यालय के कला, शिक्षा व समाज विज्ञान संकाय में 16; विज्ञान संकाय में 06; इंजीनियरिंग संकाय में 10; एवं वाणिज्य संकाय में 4 विभाग हैं। विधि संकाय मात्र एक संकाय है। विश्वविद्यालय का स्वयं का केन्द्रीय पुस्तकालय है, जो नया परिसर और पुराने परिसर में स्थित है। इसके साथ ही अन्य पांच शाखा पुस्तकालय भी विभिन्न संकायों के प्रांगण में हैं।

जनशक्ति–शैक्षणिक वर्ग : (09.01.2020)

क्र. स.	संकाय	स्वीकृत			कार्यरत			रिक्त		
		प्रोफेसर	रीडर	लेक्चरर	प्रोफेसर	रीडर	लेक्चरर	प्रोफेसर	रीडर	लेक्चरर
1	कला	13	35	145	02	10	83	11	25	62
2	विधि	02	03	25	01	01	07	01	02	18
3	वाणिज्य	04	12	59	01	04	28	03	08	31
4	विज्ञान	08	25	131	04	11	81	04	14	50
5	अभियांत्रिकी	24	44	113	00	01	65	24	43	48
6	अन्य	02	00	11	00	00	03	02	00	08
	योग	**53**	**119**	**484**	**8**	**27**	**267**	**45**	**92**	**217**

अशैक्षणिक वर्ग: विश्वविद्यालय में 801 अशैक्षणिक पद स्वीकृत हैं, जिनमें से वर्तमान में 249 पद रिक्त हैं।

विद्यार्थी–नामांकनः विश्वविद्यालय के विभागों में विद्यार्थी नामांकन (शैक्षणिक सत्र 2019–20)

	एस.सी.		एस. टी.		ओ. बी. सी.+ एस.बी. सी.		अल्पसंख्यक		सामान्य		योग		कुल योग
	छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं	
स्नातक	5925	4222	841	414	19778	17376	414	210	8722	7786	35680	30008	**65688**
स्नातकोत्तर	623	788	59	64	2313	3759	46	25	1447	2780	4488	7416	**11904**
कुल योग	**6548**	**5010**	**900**	**478**	**22091**	**21135**	**460**	**235**	**10169**	**10566**	**40168**	**37424**	**77592**

संचालित संकाय एवं विषयों का विवरणः विश्वविद्यालय के कला संकाय में 16, अभियांत्रिकी संकाय में 10, वाणिज्य एवं प्रबन्धन संकाय में 08, विधि संकाय में 01 तथा विज्ञान संकाय में 11 विभाग स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर हैं। वाणिज्य एवं प्रबन्धन में 11 पी.जी. डिप्लोमा कोर्स, विधि में 03 पी.जी. डिप्लोमा कोर्स एवं अभियांत्रियकी में 02 पी.जी. डिप्लोमा कोर्स संचालित है। इनके अतिरिक्त एम.फिल., पीएच.डी एवं डी.लिट् उपाधियों हेतु भी विभिन्न विषयों में शोध कराये जाते हैं। केन्द्रीय पुस्तकालय नये परिसर में स्थित है तथा सभी संकायों में पुस्तकालय की शाखाएं भी हैं।

foÙkh; i:cU/k आय–व्ययक अनुमान वित्तीय वर्ष 2019–20 (राशि लाखों में)

आय–राज्य निधि (पूर्व दायित्व)	आय–राज्य निधि (योजनाएं)	व्यय–राज्यनिधि (पूर्व दायित्व)	व्यय–राज्य निधि (योजनाएं)
11687.01	0.00	11687.00	0.00

वर्ष 2019–20 की egÙoi.k उपलब्धियांः

- विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए सहशैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम द्वारा विश्वविद्यालय क्रीड़ा मण्डल खेल–कूद गतिविधियों का आयोजन करता है। सत्र 2019–20 में विश्वविद्यालय (पुरूष एवं महिला वर्ग) की 29 टीमों ने राष्ट्रीय विश्वविद्यालय खेलों में भाग लिया तथा अच्छा प्रदर्शन भी किया।
- विश्वविद्यालय में कमजोर वर्ग के छात्रों हेतु विभिन्न प्रकार के जॉब में ट्रेनिंग प्राप्त करने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने एक 'कमजोर वर्गों हेतु कोचिंग केन्द्र' की स्थापना भी की है। इसी तरह विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा स्वीकृत निम्न कोचिंग केन्द्र एस.सी./एस.टी./ओ.बी.सी. (नॉन क्रीमीलेयर) और अल्पसंख्यकों हेतु कार्यरत हैं :–रेमेडियल कोचिंग (स्नातक/स्नातकोत्तर छात्रों हेतु), विभिन्न नौकरियों में प्रवेश हेतु कोचिंग केन्द्र, नेट (NET) हेतु कोचिंग केन्द्र।
- विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों की देखभाल, नियमों को ध्यान में रखते हुए इन वर्गों के नियमित छात्रों के लिए एक अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ (SC/ST Cell) की स्थापना सत्र 1987 में हुई थी। जो छात्रों की विभिन्न समस्याओं/पीड़ाओं के समाधान हेतु कार्यरत है। विश्वविद्यालय में वर्ष 1971–72 से स्थापित विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केन्द्र कर्मचारियों को मुफ्त दवाइयां एवं स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है।
- विश्वविद्यालयों के विभिन्न विभागों में स्वीकृत परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए भारत सरकार की कई एजेन्सियों यथाः यू.जी.सी–09., सी.एस.आई.आर., डी.एस.टी.–07, डी.बी.टी. व अन्य 15 प्रोजेक्ट्स चल रहे हैं।
- जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय ने अपना 16वां दीक्षान्त समारोह का भव्य आयोजन 09 दिसम्बर, 2019 को किया। इस आयोजन में माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्री कलराज मिश्र के मुख्य आतिथ्य में वर्ष 2016–17 एवं वर्ष 2017–18 की परीक्षा में स्वर्ण पदक प्राप्त विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं डिग्रियाँ प्रदान की गईं।

वर्ष 2020–21 की भावी योजनाः

- विश्वविद्यालय को सामान्य विकास सहायता योजना, 12वीं योजना के अंतर्गत रू. 937.58 लाख की राशि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने जारी की, जो कि आयोग द्वारा पारित कुल राशि रू. 1720.00 में से है। विश्वविद्यालय को जारी राशि का 50 प्रतिशत हिस्सा पाठ्यक्रम की पुस्तकों की खरीद एवं उपकरण खरीद हेतु छात्राओं के लिए परिसर में सामान्य अन्य आधारभूत सुविधाएं प्रदान करने जैसे विकासशील कार्यों में व्यय की गई। विश्वविद्यालय को RUSA (राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान) के तहत स्वीकृत राशि 20 करोड़ रूपये है, जिसमें से वित्तीय वर्ष 2015–16 में रुपये 5 करोड़, वर्ष 2017–18 में 10 करोड़ एवं वर्ष 2018–19 में 5 करोड़ की किश्त प्राप्त हुई।

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

स्थापना वर्ष	1962
संघटक महाविद्यालय	06
संबद्ध महाविद्यालय	183

वेबसाइट	**http://www.mlsu.org/**
सम्पर्क सूत्र	**Tel: 0294-2470166 Fax:0294-2470707**
कार्य क्षेत्र के जिले	**चित्तौड़गढ़, राजसमन्द ,उदयपुर व सिरोही**

दक्षिणी राजस्थान में उच्च शिक्षा की आवश्यकताओं को पूर्ण करने हेतु वर्ष 1962 में एक अधिनियम द्वारा उदयपुर में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय (तत्कालीन उदयपुर विश्वविद्यालय) की स्थापना एक राज्य विश्वविद्यालय के रूप में की गई। विश्वविद्यालय वृहत् पैमाने पर आदिवासी आबादी के प्रतिनिधित्व करने वाले अरावली क्षेत्र में स्थित है। विश्वविद्यालय अपनी स्थापना से ही शिक्षण, अनुसंधान और सामुदायिक सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्टता बनाए रखने के लिए प्रयासरत है। वैज्ञानिक सोच पैदा करने, उच्च नैतिक मूल्यों को बनाये रखने और उच्च शिक्षा के उभरते क्षेत्रों के साथ तालमेल रखने में विश्वविद्यालय विशेष रूप से कटिबद्ध है। उच्च शिक्षा, शिक्षण एवं अनुसंधान आदि क्षेत्रों में समाज के सभी वर्गो के समग्र सामाजिक, आर्थिक विकास को सुनिश्चित करने के कारण विश्वविद्यालय क्षेत्र का सर्वाधिक इच्छित उच्च शिक्षण संस्थान है। विश्वविद्यालय ने विविध विस्तारित गतिविधियों के माध्यम से सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते हुए क्षेत्र के पिछड़े, गरीब एवं कमजोर लोगों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विश्वविद्यालय में स्थापित 'यूजीसी महिला अध्ययन केन्द्र' और स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा प्रायोजित 'जनसंख्या अनुसंधान केन्द्र' में महिलाओं के सशक्तिकरण, लैगिंक समानता एवं बाल विकास के क्षेत्र में महती भूमिका निभाई है।

हाल ही में विश्वविद्यालय की उल्लेखनीय उपलब्धि यह रही है कि राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (NAAC) ने विश्वविद्यालय को ^,^ ग्रेड प्रदान की है। वर्तमान में मोहन लाल सुखाडिया विश्वविद्यालय राज्य का एकमात्र राज्यीय विश्वविद्यालय है जिसे यह उपलब्धि प्राप्त हुई है। राष्ट्रीय स्तर पर नेक के द्वारा 'ए' ग्रेड प्राप्त सरकारी सहायता प्राप्त विश्वविद्यालयों की संख्या मात्र 25 है। इस दृष्टि से यह विश्वविद्यालय वर्तमान में राष्ट्र के अग्रणी विश्वविद्यालयों में सम्मिलित है।

अधिक कुशल और रोजगार योग्य मानव संसाधन उपलब्ध कराने की दृष्टि से वर्तमान पाठ्यक्रम की नियमित समीक्षा व राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर प्राथमिकता रखने वाले नये पाठ्यक्रम निर्माण का कार्य विश्वविद्यालय की एक प्रमुख गतिविधि है। अन्तर–अनुशासनात्मक और उभरती प्रौद्योगिकियों पर विशेष ध्यान दिया जाता है। शैक्षिक गुणवत्ता के उच्च स्तर को बनाये रखने के लिए शिक्षण एवं सीखने की प्रक्रिया को सहज एवं प्रभावी तथा मूल्यांकन प्रक्रिया को पारदर्शी एवं विश्वसनीय बनाया गया है। उदयपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़ व सिरोही जिले सहित 183 महाविद्यालय/संस्थान इस विश्वविद्यालय से सम्बद्ध हैं तथा विश्वविद्यालय के निम्नलिखित 6 संघटक महाविद्यालय हैं:

1. विश्वविद्यालय विज्ञान महाविद्यालय, उदयपुर।

2. पृथ्वी विज्ञान संकाय महाविद्यालय, उदयपुर।

3. विश्वविद्यालय वाणिज्य एवं प्रबन्ध अध्ययन महाविद्यालय, उदयपुर।

4. विश्वविद्यालय प्रबन्ध अध्ययन संकाय, उदयपुर।

5. विश्वविद्यालय सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, उदयपुर।

6. विश्वविद्यालय विधि महाविद्यालय, उदयपुर।

जनशक्तिः शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक पदों का विवरण निम्नानुसार हैः

Ø-l-	पद	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त
1	प्रोफेसर	26	08	18
2	एसोसिएट प्रोफेसर	51	22	29
3	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	181	165	16
4	अशैक्षणिक पद	491	321	170
	योग	**749**	**516**	**233**

विद्यार्थी–नामांकनः विश्वविद्यालय के विभागों एवं संघटक महाविद्यालयों के नियमित विद्यार्थियों का नामांकन शैक्षणिक सत्र 2019–20 में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर कुल 12993 विद्यार्थी अध्ययनरत है। वर्तमान में सम्बद्ध 183 महाविद्यालय/संस्थानों में लगभग 1,90,000 विद्यार्थी विभिन्न संकायों में अध्ययनरत है।

संचालित संकाय एवं विषयों का विवरणः विश्वविद्यालय में विज्ञान, अर्थ–साइन्स, वाणिज्य, मानविकी, सामाजिक विज्ञान, प्रबंध अध्ययन, विधि एवं शिक्षा संकाय संचालित किये जा रहे हैं। विश्वविद्यालय में गणित, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, प्राणी विज्ञान, सांख्यिकी, कम्प्यूटर विज्ञान, फार्मेसी, जैव–तकनीकी, पोलिमर विज्ञान, भू–विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, भूगोल, लेखा एवं सांख्यिकी, व्यवसाय प्रशासन, बैंकिंग एवं व्यावसायिक अर्थशास्त्र, एम.बी.ए.– वित्तीय सेवा प्रबंधन, मुख्य एवं सहायक ई कॉमर्स ग्रामीण प्रबंध, सामाजिक कार्य, जन संचार, एम.टी.एम., बी.एच.एम., अर्थशास्त्र, संस्कृत साहित्य, राजस्थानी, दर्शनशास्त्र, राजनीति विज्ञान, उर्दू, मनोविज्ञान, जैन विद्या एवं प्राकृत, इतिहास, लोक प्रशासन, हिन्दी, समाजशास्त्र, अंग्रेजी, पत्रकारिता, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, दृश्य कला, विधि स्नातक, विधि निष्णात, श्रम विधि, श्रम कल्याण एवं कार्मिक प्रबंध डिप्लोमा, कला एवं विधि स्नातक एकीकृत, वाणिज्य एवं विधि स्नातक एकीकृत आदि उपलब्ध हैं जिनमें स्नातक से पीएच.डी. तक के पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं।

foÙkh; izcU/k आय–व्ययक अनुमान वित्तीय वर्ष 2019–20 (राशि लाखों में)

आय–राज्य निधि (पूर्व दायित्व)	आय–राज्य निधि (योजनाएं)	व्यय–राज्यनिधि (पूर्व दायित्व)	व्यय–राज्य निधि (योजनाएं)
5000.01	0.00	5000.00	0.00

महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर

स्थापना वर्ष	1987
संघटक महाविद्यालय	0
संबद्ध महाविद्यालय	305

वेबसाइट	http://www.mdsuajmer.ac.in/
कार्य क्षेत्र के जिले	अजमेर, भीलवाड़ा, नागौर व टोंक

अजमेर विश्वविद्यालय की स्थापना विधानसभा द्वारा पारित अधिनियम के द्वारा 1 अगस्त 1987 को हुई तथा 5 मई 1992 को इसका नामकरण महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर कर दिया गया। विश्वविद्यालय का यू.जी.सी. एक्ट 1956 के अंतर्गत धारा 12(बी) में 1993 में पंजीयन हुआ। विश्वविद्यालय ने अल्प समय में तीव्र गति से अपने संसाधनों का विकास किया है, जैसे– सुंदर भवन, उच्च तकनीक प्रयोगशाला, आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित कम्प्यूटर सेंटर, पुस्तकालय, प्रशासनिक भवन, परीक्षा भवन, कुलपति सचिवालय, छात्र–छात्राओं हेतु पृथक–पृथक छात्रावास एवं अन्य शैक्षणिक विभाग स्थापित हैं। विश्वविद्यालय को वर्ष 2017 से राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद्, बैंगलोर द्वारा पुनः B++ स्तर प्राप्त है। वर्तमान में विश्वविद्यालय से 99 शिक्षक–प्रशिक्षण/शारीरिक शिक्षक–प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं 206 सामान्य महाविद्यालय कुल 305 महाविद्यालय सम्बद्ध हैं। विश्वविद्यालय का पुस्तकालय इन्फिलब्नेट एवं शोध गंगा से पूरी तरह सज्जित है। NMEICT Project के तहत नेटवर्किंग उपलब्ध है।

जनशक्तिः विश्वविद्यालय में शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक वर्ग के पदों का विवरण निम्नानुसार हैः

वर्ग	स्वीकृत पद	कार्यरत	रिक्त
शैक्षणिक वर्ग	48	18	30
अशैक्षणिक वर्ग	335	261	74

विद्यार्थी–नामांकनः विश्वविद्यालय का कोई भी संघटक महाविद्यालय नहीं है। वर्तमान में विश्वविद्यालय में 20 शैक्षणिक विभाग एवं भारत की योजनान्तर्गत उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय का एक स्वायत्त केन्द्र भी संचालित है। इसमें सिंधु शोधपीठ, पृथ्वीराज चौहान ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक शोध केन्द्र, डॉ. भीमराव अम्बेडकर शोध पीठ एवं शैवाल जैव ऊर्जा एवं जैव अणु केन्द्र स्थापित है एवं गत वर्ष महर्षि दयानन्द शोध पीठ की स्थापना की गई। परीक्षा वर्ष 2020 हेतु लगभग 3,29,108 विद्यार्थी (एलएल.बी. प्रथम वर्ष को छोड़कर) नामांकित किये गये हैं।

संचालित संकाय एवं विषयों का विवरणः विश्वविद्यालय में कला संकाय, ललित कला संकाय, समाज विज्ञान संकाय, विज्ञान संकाय, वाणिज्य संकाय, प्रबन्ध अध्ययन संकाय, विधि संकाय, शिक्षा संकाय, वैदिक अध्ययन संकाय एवं पत्रकारिता तथा जनसंचार संकाय संचालित हैं।

foÙkh; icU/k आय–व्ययक अनुमान वित्तीय वर्ष 2019–20 (राशि लाखों में)

आय–राज्य निधि (पूर्व दायित्व)	आय–राज्य निधि (योजनाएं)	व्यय–राज्यनिधि (पूर्व दायित्व)	व्यय–राज्य निधि (योजनाएं)
700.01	0.00	700.00	0.00

वर्ष 2019–20 की egÙoiw.kZ उपलब्धियाँः

- परीक्षा से संबंधित सम्पूर्ण जानकारी छात्र–छात्राओं एवं महाविद्यालयों को वेबसाइट व ई–मेल द्वारा उपलब्ध करवायी जा रही है।

- महात्मा गाँधी की 150वीं जयंती की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में मुख्य परीक्षा, 2020 से अनिवार्य विषय के रूप में Life & Philosophy of Gandhi विषय को MCQ pattern को आधार बनाकर OMR पद्धति से स्नातक स्तर पर लागू किया गया है।
- विद्यार्थियों को कम्प्यूटराईज्ड दस्तावेज– मार्कशीट, प्रव्रजन प्रमाण–पत्र, प्रोवीजन सर्टिफिकेट आदि जारी किये जा रहे हैं।
- मानव संसाधन विकास केन्द्र द्वारा रिफ्रेशर कोर्स/लघु अवधि के कोर्स आयोजित किये गये। विभिन्न विभागों द्वारा समसामयिक विषयों पर संगोष्ठियां आयोजित की गयी।
- विश्वविद्यालय में NMEICT परियोजना के तहत सभी भवनों में IGBPS इन्टरनेट उपलब्ध है और कैम्पस में वाई फाई की सुविधा है। विश्वविद्यालय राजस्थान सम्पर्क पोर्टल, मुख्यमंत्री हैल्प लाईन और राजस्थान ऑन लाईन छात्रवृत्ति पोर्टल से जुड़ा हुआ है।
- विश्वविद्यालय में विभिन्न परीक्षाओं में पूर्णतः बार कोड पद्धति अपनाते हुए पूर्ण गोपनीयता के साथ कार्य सम्पादित किया जा रहा हैं।
- प्रश्न–पत्र का प्रारूप प्रतियोगी परीक्षाओं के अनुरूप किया गया, जिसके तहत प्रतियोगी परीक्षाओं की भांति वैकल्पिक प्रश्न–पत्र ओ.एम.आर. शीट में लिये जाते हैं, जिससे शीघ्रता से परीक्षा परिणाम घोषित होना सुविधाजनक हुआ है।
- सम्बद्ध महाविद्यालयों की सुविधा के लिए कम्प्यूटराइज्ड दस्तावेज यथा अंक तालिका, प्रव्रजन प्रमाण–पत्र, प्रोवीजनल सर्टिफिकेट, आवेदन–पत्र प्रस्तुत करने के दिवस को ही उपलब्ध करवाये जा रहे हैं ताकि विद्यार्थियों को असुविधा का सामना न करना पड़े।
- वर्ष 2019 की परीक्षा के पुनर्मूल्यांकन परिणामों को समयबद्धता के साथ घोषित किया गया है।
- सेमेस्टर परीक्षाओं से संबंधित सभी संकायों की परीक्षाएं समय पर आयोजित करवाते हुये समयानुसार परीक्षा परिणाम घोषित किये जा रहे हैं।
- समस्त स्नातक, स्नातकोत्तर डिप्लोमा परीक्षाओं के परिणाम समय पर सर्वप्रथम त्रुटि रहित जारी किये गए।
- विश्वविद्यालय को Smart University बनाए जाने हेतु प्रक्रिया प्रारम्भ की गयी ।
- Centre for Excellence की स्थापना की प्रथम कड़ी में विश्वविद्यालय के पर्यावरण अध्ययन विभाग को Centre for Excellence बनाया गया ।

वर्ष 2020–21 की भावी योजनाः

- वर्ष 2020 की परीक्षाओं में प्रायोगिक एवं सैद्धान्तिक परीक्षाओं के अंक ऑनलाइन संबंधित महाविद्यालय/शिक्षकों से मंगवाये जा रहे हैं ताकि परीक्षा परिणाम शीघ्रता से एवं गोपनीयता के साथ प्राप्त हो सके तथा परीक्षा परिणाम समयबद्धता के साथ घोषित हो सके।
- वर्ष 2020 की परीक्षा के समस्त परीक्षा परिणाम 30 जून 2020 से पूर्व घोषित किये जाने का लक्ष्य रखा गया है।
- प्रबन्ध बोर्ड की बैठक में लिए गए निर्णय के परिप्रेक्ष्य में विश्वविद्यालय परिसर में चल रहे समस्त पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं इस वर्ष से संबंधित विभागाध्याक्ष को केन्द्राधीक्षक के रूप में अपने विभाग में सम्पन्न करवानी होगी।
- विद्यार्थियों को डुप्लीकेट अंक तालिकाएँ एवं माइग्रेशन कम्प्यूटराईज्ड रूप में उपलब्ध कराना।
- विश्वविद्यालय में शिक्षकों की भर्ती करना।
- परिसर में पर्यावरण संरक्षण हेतु कार्य करना।
- विद्यार्थियों के केरियर गाइडेन्स हेतु केन्द्र खोला जाना।
- आधुनिक सुविधाओं युक्त हॉकी स्टेडियम का निर्माण करवाना।
- अत्याधुनिक 400 मीटर एथलीट ट्रेक निर्मित करवाना।
- समस्त अन्तर्महाविद्यालय खेल प्रतियोगिताओं हेतु नयी ट्रॉफियां बनवाना।

कोटा विश्वविद्यालय, कोटा

स्थापना वर्ष	2003
संघटक महाविद्यालय	0
संबद्ध महाविद्यालय	194

वेबसाइट	http://www.uok.ac.in/
कार्य क्षेत्र के जिले	कोटा, बारां, बूंदी, झालावाड़ सवाई माधोपुर व करौली

कोटा विश्वविद्यालय की स्थापना सन् 2003 में हुई। वर्तमान में इस विश्वविद्यालय से कोटा व भरतपुर प्रशासनिक संभाग के 6 जिलों– कोटा, बूंदी, झालावाड़, बारां, करौली व सवाईमाधोपुर के 190 महाविद्यालय इस विश्वविद्यालय से सम्बद्ध हैं, जिनमें लगभग 2,60,000 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। यह विश्वविद्यालय वर्तमान में नवनिर्मित तीन भवनों में संचालित हो रहा है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा नवम्बर 2012 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के एक्ट के अन्तर्गत 12बी का दर्जा प्राप्त हुआ तथा नैक से विश्वविद्यालय को सितम्बर 2017 में 'बी' ग्रेड प्राप्त हुआ है। नेशनल इन्स्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेम वर्क (एनआईआरएफ) के इण्डिया रैंकिंग 2017 में विश्वविद्यालय को 78वीं रैंक प्राप्त हुई है।

जनशक्ति: शैक्षणिक संवर्ग के पदों की स्थिति निम्नानुसार है:

Ø-l-	in dk uke	orZeku esa Lohd`r in		
		dqy in	Hkjs gq;s in	fjDr in
01	प्रोफेसर	06	03	03
02	एसोसिएट प्रोफेसर	11	08	03
03	असिस्टेंट प्रोफेसर	17	12	05
	dqy ;ksx	34	23	11

विश्वविद्यालय में अशैक्षणिक संवर्ग में 135 पद स्वीकृत हैं, जिनमें से 108 पद भरे हुए तथा 27 पद रिक्त हैं।

fo|kFkhZ&ukekadu% विश्वविद्यालय के विभागों में शैक्षणिक सत्र 2019–20 में विद्यार्थियों का नामांकन निम्नानुसार है:

संकाय, विभाग एवं पाठ्यक्रम का नाम	विद्यार्थी नामांकन
वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग	49
कम्प्यूटर विज्ञान एवं इन्फॉर्मेटिक्स विभाग	12
विधि विभाग	27
विज्ञान संकाय में स्नातक विभाग (जीव विज्ञान, भौतिकी एवं गणित वर्ग)	151
जीव विज्ञान विभाग	42
शारीरिक शिक्षा विभाग	59
शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त रसायन शास्त्र विभाग	64
शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग	41
शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित विभाग	30
सामाजिक विज्ञान विभाग	100
वन्य जीव विज्ञान विभाग	18
धरोहर, पर्यटन, संग्रहालय एवं पुरातत्त्व विज्ञान विभाग	13

जैव प्रौद्योगिकी विभाग	17
माइक्रो बायोलोजी विभाग	19
फार्मेसी विभाग	55
कुल नामांकन (शैक्षणिक सत्र 2019–20)	**697**

lapkfyr ladk; ,o fo"k;k dk fooj.k% विश्वविद्यालय में छः संकाय संचालित हैं–कला, वाणिज्य एवं प्रबन्धन, शिक्षा, विधि, विज्ञान एवं समाजिक विज्ञान। कोटा विश्वविद्यालय परिसर में विज्ञान संकाय एम.एससी. रसायनशास्त्र, एम.एससी. भौतिकी,एम.टेक–सौर उर्जा, मास्टर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन्स,एम.एससी. जीव विज्ञान,एम.एससी. वन्यजीव विज्ञान,एम. एससी. वनस्पति शास्त्र, एम.एससी. प्राणी शास्त्र, एम.एससी. गणित,एम.एससी. जैव–प्रोद्यौगिकी, एम.एससी. माइक्रोबायोलॉजी,बी.एससी. भौतिकी,बी.एससी. जीव विज्ञान, बी.एससी. गणित,बी. फार्मा **वाणिज्य व प्रबधन संकाय** मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एम.बी.ए.), मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एम.बी.ए.)–आइ.बी., मास्टर ऑफ कॉमर्स (एम.कॉम.)–अकाउटिंग एण्ड फाइनेंस,एम.बी.ए.–हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन **सामाजिक विज्ञान संकायः** समाज कार्य में मास्टर डिग्री (एम.एस.डब्लयू), एम.ए. विकास अध्ययन, एम.ए. / एम.एससी. भूगोल, एम.ए. इतिहास, एम.ए. अर्थशास्त्र, एम. ए. लोक प्रशासन, एम.ए. धरोहर, पर्यटन, संग्रहालय एवं पुरातत्व विज्ञान,राजस्थान की संस्कृति एवं इतिहास में डिप्लोमा, पर्यटक गाइड में सर्टिफिकेट **शिक्षा संकाय** शारीरिक शिक्षा में स्नातकोत्तर (एम.पी.एड.), योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा विज्ञान में पी.जी. डिप्लोमा **विधि संकायः**मास्टर ऑफ लॉ (एलएल.एम.) विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर कम्प्यूटर एप्लीकेशन, जैव रसायन, जैव तकनीकी, वनस्पतिशास्त्र, रसायनशास्त्र, कम्प्यूटर विज्ञान, गणित, भौतिकी, प्राणिशास्त्र; अंग्रेजी, हिन्दी, संस्कृत, इतिहास, संगीत, उर्दू, चित्रकला, लोक प्रशासन, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, भूगोल, गृह विज्ञान, दर्शनशास्त्र, राजस्थानी, सिंधी; ए.बी.एस.टी., व्यवसाय प्रबन्धन, ई.ए. एफ.एम.; शिक्षा व विधि संकाय संचालित है। इसके साथ ही डिप्लोमा पाठ्यक्रम– पीजीडीएलएल, पीजीडीसीए, तबला वादन व योग थेरेपी आदि पाठ्यक्रम संचालित हैं।

foÙkh; izcU/ku आय–व्ययक अनुमान वित्तीय वर्ष 2019–20 (राशि लाखों में)

आय–राज्य निधि (पूर्व दायित्व)	आय–राज्य निधि (योजनाएं)	व्यय–राज्यनिधि (पूर्व दायित्व)	व्यय–राज्य निधि (योजनाएं)
135.00	0.00	135.00	0.00

वर्ष 2019–20 की egÙoiw.kZ उपलब्धियाँः

- "k"Ve nh{kkUr lekjksg dk vk;kstu%& कोटा विश्वविद्यालय, कोटा का षष्टम् दीक्षान्त समारोह दिनांक 17.08.19 को श्रीमान् भंवर सिंह भाटी, माननीय उच्च शिक्षा मंत्री महोदय, राजस्थान सरकार की गरिमामय उपस्थिति में सम्पन्न हुआ जिसमें कोटा विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा वर्ष 2017 में उत्तीर्ण 62709 विद्यार्थियों को उपाधियॉ एवं 52 स्वर्ण पदक प्रदान किये गये हैं।

- **अखिल भारतीय पश्चिमी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं का आयोजनः–** कोटा विश्वविद्यालय, कोटा ने भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली द्वारा आवंटित अखिल भारतीय पश्चिमी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालय कबड्डी (पुरूष) प्रतियोगिता का आयोजन प्रथम बार दिनांक 18.11.19 से 22.11.19 तक अवधि में करवाया गया जिसमें विभिन्न प्रदेशों की कुल 75 टीमों ने भाग लिया। इसी क्रम में उल्लेखनीय है कि अखिल भारतीय पश्चिमी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालय कबड्डी (पुरूष) प्रतियोगिता में कोटा विश्वविद्यालय, कोटा की टीम को प्रथम स्थान प्राप्त होने के फलस्वरूप स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ जो कि सम्पूर्ण प्रदेश के लिये गौरव का विषय है क्योंकि विगत कई वर्षो से राजस्थान के किसी भी विश्वविद्यालय को इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त नहीं हो सका है। इसी प्रकार दिनांक 25.11.19 से 29.11.19 की अवधि में प्रथम बार कोटा विश्वविद्यालय, कोटा ने भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली द्वारा आवंटित अखिल भारतीय पश्चिमी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालय बेड़मिन्टन (महिला) प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया जिसमें विभिन्न प्रदेशों की कुल 55 टीमों द्वारा भाग लिया गया।
- Hkouk dk f'kykU;kl ,o ykdki.k%& dोटा विश्वविद्यालय, कोटा में दिनांक 17.08.19 को आयोजित दीक्षान्त समारोह के दौरान श्रीमान् भॅवर सिंह भाटी, माननीय उच्च शिक्षा मंत्री, राजस्थान सरकार की गरिमामय उपस्थिति में धन्वंतरि भवन (भेषजी विभाग भवन) का शिलान्यास एवं तथा छात्र कल्याण भवन का लोकार्पण सम्पन्न हुआ।
- uohu ikB;dek dk ikjEHk%& कोटा विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा सत्र 2019–20 से निम्नांकित नवीन पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये हैः– B.Pharm., M.Sc. Biotechnology, M.Sc. Microbiology, MBA Hospital Administration, M.A. Economics, M.A. Public Administration, M.A. History and PG Diploma in Yoga & Naturopathic Science.

वर्ष 2020–21 की भावी योजनाः

- नवीन पदों की स्वीकृति हेतु आवश्यक प्रयास करना।
- चरणबद्ध तरीके से संघटक महाविद्यालय खोलना।
- विभिन्न संकायों में स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम शुरु करना।
- विधि महाविद्यालय खोलने के लिए आवश्यक प्रयास शुरु करना।
- नवीन विभाग खोलने के लिए आवश्यक प्रयास शुरु करना।
- नवीन पाठ्यक्रम शुरु करना।
- नवीन शोधपीठ स्थापित करना।

:

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर				
स्थापना वर्ष	2003		वेबसाइट ई–मेल	http://www.mgsubikaner.ac.in registrar@mgsubikaner.ac.in academicmgsu@gmail.com
संघटक महाविद्यालय	0		सम्पर्क सूत्र	0151–2970177
संबद्ध महाविद्यालय	423		कार्य क्षेत्र के जिले	बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ व चूरू

बीकानेर विश्वविद्यालय की स्थापना बीकानेर विश्वविद्यालय विधेयक 2003 के अधिनियम संख्या 13 के द्वारा सन् 2003 में की गई। राजस्थान राजपत्र क्रमांकः एफ 4(14)विधि/2/2008 दिनांक 3 अक्टूबर 2008 के द्वारा बीकानेर विश्वविद्यालय, बीकानेर का नाम परिवर्तित कर **''महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर''** किया गया। प्रारम्भ में महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय अजमेर से सम्बद्धता प्राप्त 67 महाविद्यालय इस विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार में स्थानान्तरित हुए। कालान्तर में निजी महाविद्यालयों की संख्या में तीव्रता से वृद्धि हुई तथा वर्तमान में बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ एवं चूरू जिले के 423 महाविद्यालय (34 राजकीय एवं 389 निजी महाविद्यालय) इस विश्वविद्यालय से सम्बद्ध हैं। विश्वविद्यालय राष्ट्रीय राजमार्ग सं. 15, जैसलमेर रोड पर राज्य सरकार द्वारा आवंटित 1127.07 बीघा भूमि में स्वयं के नवनिर्मित भवन में संचालित हो रहा है।

जन शक्ति : शैक्षणिक वर्ग में स्वीकृत, कार्यरत एवं रिक्त पदों का विवरण निम्नलिखित प्रकार से हैः–

क्र. सं.	विभाग	आचार्य			सह आचार्य			सहायक आचार्य		
		स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त
1	इतिहास	1	0	1	2	1	1	3	2	1
2	अंग्रेजी	1	1	0	2	0	2	3	3	0
3	पर्यावरण विज्ञान	1	0	1	2	2	0	3	3	0
4	कम्प्यूटर विज्ञान	1	0	1	2	0	2	3	3	0
5	सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग	1	0	1	2	0	2	3	3	0
6	विधि	1	0	1	0	0	0	10	0	10
	योग	**6**	**1**	**5**	**10**	**3**	**7**	**25**	**14**	**11**

- विश्वविद्यालय में अशैक्षणिक वर्ग में कुल 204 पद स्वीकृत हैं, जिनमें से 102 पद भरे हुए तथा 102 पद रिक्त हैं।

विद्यार्थी–नामांकन : विश्वविद्यालय का कोई संघटक महाविद्यालय नहीं है। वर्तमान में विश्वविद्यालय द्वारा पांच विभाग एवं स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत विधि कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। वर्ष 2014–15 से विश्वविद्यालय विभागों में सेमेस्टर प्रणाली लागू है। वर्ष 2019–20 में विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न 05 विभागों में प्रवेशित विद्यार्थियों की संख्या 281 विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2019–20 से विभागों के अन्तर्गत संचालित नवीन पाठ्यक्रम में विद्यार्थी–संख्या 516, विधि पाठ्यक्रम में प्रवेशित विद्यार्थियों की संख्या–248, उद्यमिता विकास केन्द्र के अन्तर्गत संचालित पाठ्यक्रमों में प्रवेशित विद्यार्थियों की संख्या–100 है। स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत संचालित पाठ्यक्रमों में प्रवेशित विद्यार्थियों की संख्या– 146 है।

संचालित संकाय एवं विषयों का विवरणः विश्वविद्यालय से सम्बद्धता प्राप्त महाविद्यालयों में संचालित संकाय एवं विषयों का विवरण निम्नानुसार हैः

संकाय	पाठ्यक्रम / विषय
विज्ञान	भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, प्राणी विज्ञान, गणित, भूगर्भ विज्ञान, जैव तकनीकी, सूक्ष्म जीव विज्ञान, कम्प्यूटर विज्ञान, सूचना तकनीकी, सैन्य विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान एवं खाद्य व पोषण विज्ञान।
वाणिज्य	वाणिज्य सकाय में लेखा एवं व्यावसायिक सांख्यिकी, आर्थिक एवं वित्तीय प्रबंधन एवं व्यावसायिक प्रशासन
कला	हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, राजस्थानी, उर्दू, पंजाबी, संगीत, दर्शनशास्त्र, चित्रकला।
सामाजिक विज्ञान	लोक प्रशासन, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, गृह विज्ञान, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, इतिहास, भूगोल, परिधान उत्पादन एवं निर्यात प्रबंधन, जैन विद्या एवं जीवन विज्ञान।
विधि	एलएल.बी., एलएल.एम. एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम
शिक्षा	बी.एड., बी.पी.एड. , एम.एड., बी.एससी., बी.एड. / बी.ए. / बी.ए.बी.एड. (4 वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम)

foÙkh; i:cU/k आय–व्ययक अनुमान वित्तीय वर्ष 2019–20 (राशि लाखों में)

आय–राज्य निधि (पूर्व दायित्व)	आय–राज्य निधि (योजनाएं)	व्यय–राज्यनिधि (पूर्व दायित्व)	व्यय–राज्य निधि (योजनाएं)
0.03	0.00	0.00	0.00

वर्ष 2019–20 की egÙoi.k उपलब्धियांः

- विश्वविद्यालय द्वारा बीकानेर क्षेत्र को दी गई महत्वपूर्ण सौगात :– दिनांक 21 जनवरी, 2019 को 41.36 करोड़ की लागत से ''ऑडिटोरियम एवं इण्डोर स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स'' का शिलान्यास माननीय राज्यपाल, राजस्थान एवं कुलाधिपति महोदय ने राजभवन, जयपुर में किया। इस अवसर पर डॉ. बी.डी. कल्ला, माननीय जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं ऊर्जा मंत्री, राजस्थान सरकार, श्रीमान् भंवर सिंह जी भाटी, माननीय उच्च शिक्षा राज्य मंत्री, राजस्थान सरकार उपस्थित रहे। **इण्डोर स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स** में **बॉस्केटबॉल, वॉलीबॉल, बैंडमिन्टन, जूडो, कुश्ती, जिम्नास्टिक्स, टेबल टेनिस, योगा एवं एरोबिक्स, शूटिंग आदि** अन्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी एवं **राष्ट्र स्तरीय ऑडिटोरियम में राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर** के अकादमिक तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं संगोष्ठियों का आयोजन किया जा सकेगा।
- **विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार का पुनर्निर्माण करवाया जा रहा है जो कला कृति के क्षेत्र में विख्यात द्वार होगा।** विश्वविद्यालय में 12 करोड़ की लागत से **''आधुनिक तकनीकी युक्त शैक्षणिक भवन''** निर्माणाधीन है।
- विश्वविद्यालय में ''विद्यार्थी सेवा केन्द्र'' का शिलान्यास श्रीमान् भंवर सिंह भाटी, माननीय उच्च शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) , राजस्थान सरकार के कर–कमलों से दिनांक 07 जून, 2019 को किया गया। विद्यार्थी सेवा

केन्द्र में बीकानेर के बाहर से आने वाले छात्र–छात्राओं के लिए आवश्यक सुविधाएँ, फोटो स्टेट, इन्टरनेट, स्टेशनरी इत्यादि सुविधाएँ उपलब्ध होंगी।

- विश्वविद्यालय परिसर में वर्षा के **जल संग्रहण हेतु** 14 लाख लीटर क्षमता टैंको का निर्माण करवाया गया है।
- विश्वविद्यालय परिसर में 55.00 लाख की लागत से 250 सोलर रोड़ लाईट स्थापित करवाई गई।
- विश्वविद्यालय परिसर में ''स्टाफ क्वार्टर'' का निर्माण करवाया गया।
- परिसर में चार दीवारी के साथ–साथ चारों तरफ जी.एस.बी. रोड का निर्माण करवाया गया।
- परिसर के मुख्य द्वार से कुलपति सचिवालय एवं परीक्षा भवन तक रोड़ के दोनों तरफ इन्टरलॉकिंग ब्लॉक्स लगाकर पैदल रास्ते का निर्माण करवाया गया।
- विश्वविद्यालय के विभिन्न **भवनों का नामकरण ''सप्त ऋषियों'' के नाम** से तथा विश्वविद्यालय के **आन्तरिक रोड (मार्गों) का नाम पवित्र नदियों के नाम से** किये गए है।
- विश्वविद्यालय परिसर में 100 फीट ऊँचाई पर राष्ट्रीय ध्वज लगाया गया।
- विश्व पर्यावरण दिवस'' के अवसर पर **पेड़ों को गोद लेकर उनसे संवाद स्थापित** करने एवं **पेड़ को प्राणी का दर्जा प्रदान** करने का संदेश प्रदान किया गया तथा **''विश्वविद्यालय परिसर को प्लास्टिक मुक्त''** घोषित किया गया।
- विश्वविद्यालय परिसर में **''ऑक्सीजन जॉन, इको पार्क, रिसर्च पार्क, आई.टी.पार्क, संस्कृति पार्क, स्मृति पार्क एवं संविधान पार्क ''** विकसित किये जा रहे है।
- विश्वविद्यालय परिसर में **''रम्मत ओपन थियेटर''** का निर्माण करवाया गया जिसके चारों ओर सुन्दर लाईटिंग लगवाई गई।
- **विश्वविद्यालय परिसर में 09 ग्रह, 12 राशियों एवं 27 नक्षत्रों के अनुसार पौधे लगाए गए।** विश्वविद्यालय परिसर को हरा–भरा बनाने हेतु अब तक 16**000 नवीन पौधे लगाए** गए हैं।
- सत्र 2019–20 में लगभग 4.07 लाख विद्यार्थियों द्वारा परीक्षा आवेदन भरे गये।
- उत्तर पुस्तिकाओं की जांच में पूर्ण गोपनीयता एवं पारदर्शिता बनाये रखने हेतु बार कोड सिस्टम लागू किया गया है।
- महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर राज्य का प्रथम विश्वविद्यालय है जिसने सत्र 2019–20 के प्रारम्भ में ही ''परीक्षा कैलेण्डर 2019–20'' जारी किया।
- दिनांक 07 अगस्त, 2019 को विश्वविद्यालय का ''चतुर्थ दीक्षान्त समारोह'' आयोजित हुआ। दीक्षान्त समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. भगीरथ सिंह ने की। दीक्षान्त समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमान्

भंवर सिंह भाटी, माननीय उच्च शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), राजस्थान सरकार एवं दीक्षान्त उद्‌बोधन हेतु वरिष्ठ साहित्यकार प्रो. नन्दकिशोर आचार्य उपस्थित हुए।

- दीक्षान्त समारोह में परीक्षा वर्ष 2017 के 96172 परीक्षार्थियों को उपाधि, 01 कुलाधिपति पदक, 51 स्वर्ण पदक एवं 70 शोधार्थियों को उपाधि प्रदान की गई।

वर्ष 2020–21 की भावी योजनाः

- राज्य सरकार से नवीन रोजगारोन्मुखी विभागों की स्वीकृति उपरान्त प्रारम्भ करना।
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अनुमति उपरान्त महाविद्यालय विकास परिषद (सी.डी.सी.) एवं मानव संसाधन विकास केन्द्र(एच.आर.डी.सी.–शिक्षकों/कार्मिकों के उन्नयन एवं गुणवत्ता बनाये रखने के लिए) की स्थापना।
- विश्वविद्यालय का NAAC से निरीक्षण करवाना।
- विश्वविद्यालय में नव–स्थापित सेन्टर्स को सम्बन्धित क्षेत्र में स्थापित उपक्रमों से सम्पर्क स्थापित कर क्षेत्रीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर विकसित करना।
- माइक्रो रिसर्च एवं बहु–संख्यक विषयों में शोध को बढ़ावा देना।
- विश्वविद्यालय में पारदर्शिता को सुनिश्चित करने की दृष्टि से ऑनलाइन दस्तावेजों के प्रमाणीकरण (सत्यापन) की प्रक्रिया प्रारम्भ करना।
- इण्डोर स्टेडियम, 02 शैक्षणिक भवन एवं ऑडिटोरियम का निर्माण कार्य पूर्ण करवाना।
- विश्वविद्यालय को पूर्णतः केशलेस बनाने की योजना ।
- विश्वविद्यालय में स्वीकृत शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक संवर्ग के पदों पर नियुक्ति प्रदान करने की योजना।
- विश्वविद्यालय के स्वयं परिनियम, आर्डिनेंस एवं नियम बनाने की कार्यवाही पूर्ण करना।
- विश्वविद्यालय द्वारा Placement Policy निर्धारित कर विद्यार्थियों को उनकी योग्यतानुसार भारत सरकार एवं राज्य सरकार की रोजगारोन्मुखी योजनाओं यथा Startup India, Stand up India, Make in India इत्यादि के अनुरूप स्व–रोजगार के लिए विद्यार्थियों को सहायता करने की योजना।

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

स्थापना वर्ष	1987
अध्ययन केन्द्र	83

Website	http://vmou.ac.in/default.asp
क्षेत्रीय केन्द्र–7	**अजमेर, बीकानेर, जयपुर, जोधपुर, कोटा, उदयपुर, भरतपुर**

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय (पूर्व नाम कोटा खुला विश्वविद्यालय) की स्थापना केन्द्र सरकार की नवीन शिक्षा नीति–1986 की अनुपालना के क्रम में राज्य में परम्परागत शिक्षा पद्धति के साथ–साथ दूरस्थ शिक्षा पद्धति के विकास हेतु वर्ष 1987 में राज्य विधान सभा द्वारा पारित अधिनियम द्वारा की गई। दूरस्थ शिक्षा पद्धति के तहत मुक्त विश्वविद्यालयों द्वारा पत्राचार अध्ययन प्रणाली के माध्यम से छात्रों को शिक्षा प्रदान की जाती है। विश्वविद्यालय की स्थापना के समय पत्राचार अध्ययन पद्धति में समन्वय के उद्देश्य से राज्य के अन्य विश्वविद्यालयों द्वारा संचालित पत्राचार अध्ययन संस्थानों को उनकी चल–अचल सम्पत्ति सहित वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय में सम्मिलित कर दिया था, तब से लेकर अब तक यह विश्वविद्यालय राज्य में दूरस्थ शिक्षा पद्धति के माध्यम से राज्य के दूर दराज एवं आदिवासी इलाकों में उच्च शिक्षा उपलब्ध करवाने हेतु निरंतर प्रयासरत है तथा केन्द्र एवं राज्य सरकार के उद्देश्य के अनुरूप विश्वविद्यालय अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में काफी हद तक सफल रहा है। विश्वविद्यालय के 7 क्षेत्रीय केन्द्र अजमेर, बीकानेर, जयपुर, जोधपुर, कोटा, उदयपुर एवं भरतपुर हैं एवं सम्पूर्ण राजस्थान में 83 अध्ययन केन्द्र हैं जिनके माध्यम से उच्च शिक्षा को जन–जन तक पहुंचाने का प्रयास विश्वविद्यालय कर रहा है।

जन शक्तिः विश्वविद्यालय में शैक्षणिक 37 पद स्वीकृत, 25 पद भरे हुए एवं 12 पद रिक्त हैं तथा अशैक्षणिक स्वीकृत पद 291 हैं, जिनमें से 252 पद भरे हुए एवं 39 पद रिक्त हैं।

विद्यार्थी–नामांकनः वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय में दूरस्थ शिक्षा प्रणाली से शिक्षा प्रदान किये जाने के कारण इस विश्वविद्यालय में कोई संघटक महाविद्यालय नहीं है। विश्वविद्यालय में वर्ष में दो बार जुलाई एवं जनवरी में प्रवेश दिया जाता है। विश्वविद्यालय का विद्यार्थी नामांकन (जनवरी 2019 व जुलाई 2019) निम्नानुसार हैः–

जनवरी 2019

संकाय	सामान्य		एस.सी.		एस.टी.		ओ.बी.सी.		दिव्यांग	योग		कुल योग
	छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं		छात्र	छात्राएं	
स्नातक	1793	1063	1364	571	1169	609	5444	2921	120	9770	5164	**14934**
स्नातकोत्तर	2424	2569	1819	812	921	461	5703	3735	169	10867	7577	**18445**
डिप्लोमा, प्रमाण पत्र	693	437	453	227	326	184	1510	711	26	2982	1559	**4541**
योग	**4910**	**4069**	**3636**	**1610**	**2416**	**1254**	**12657**	**7367**	**315**	**23619**	**14300**	**37920**

जुलाई 2019

संकाय	सामान्य		एस.सी.		एस.टी.		ओ.बी.सी.		दिव्यांग	योग		कुल योग
	छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं		छात्र	छात्राएं	
स्नातक	7424	3928	6627	2937	2067	1002	24521	14358	351	40639	22225	**62866**
स्नातकोत्तर	5250	5587	4197	2085	1935	980	12447	8412	385	23829	17064	**40893**
डिप्लोमा, प्रमाण पत्र	2009	1458	1226	668	914	539	4900	2660	92	9049	5325	**14374**
योग	**14683**	**10973**	**12050**	**5690**	**4916**	**2521**	**41868**	**25430**	**828**	**73517**	**44614**	**118133**

वर्तमान में संचालित संकाय एवं विषयों का विवरण :

पाठ्यक्रम	कुल	विषय
स्नातकोत्तर कार्यक्रम	25	अर्थशास्त्र, शिक्षा, राजनीति विज्ञान, हिन्दी, इतिहास, समाजशास्त्र, लोक प्रशासन, पुलिस प्रशासन, अंग्रेजी, पत्रकारिता, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, संस्कृत, भूगोल, वाणिज्य, गणित (कला), मनोविज्ञान, राजस्थानी, कम्प्यूटर साईंस, सामाजिक कार्य, गणित (विज्ञान), व्यावसायिक प्रशासन, प्राणि विज्ञान, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान
स्नातक	10	कला, विज्ञान, वाणिज्य, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, पत्रकारिता स्नातक, पत्रकारिता लेटरल, व्यावसायिक प्रशासन, कम्प्यूटर अनुप्रयोग, सामाजिक कार्य एवं शिक्षा।
स्नातक प्रीपरेटरी कार्यक्रम	03	विज्ञान, कला व वाणिज्य हेतु।
स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम	10	पीजीडीसीए, पीजीडीजीएन, पीजीडीएलएल, पीजीडीडब्ल्यूआर, पीजीडीसीएए, पीजीडीजीसी, पीजीडीएनएम, पीजीडीसीएल, पीजीडीआईपीआर, व पीजीडीवीईएस ।
डिप्लोमा कार्यक्रम	11	कल्चर एण्ड ट्यूरिज्म, लाईब्रेरी एण्ड इन्फोर्मेशन साईंस, सोशियल प्रॉब्लम्स इन राजस्थान, डिप्लोमा इन वॉटरशेड मैनेजमेन्ट, प्राकृत लेंग्वेज, अपभ्रंश लेंग्वेज, जर्नलिज्म एण्ड मास कम्यूनिकेशन, जनरल एग्रीकल्चर, न्यूट्रीशन एण्ड हैल्थ एज्यूकेशन, नेचुरोपेथी साइंस व योगा साइंस।
प्रमाण पत्र कार्यक्रम	16	राजस्थानी लैंग्वेज एण्ड कल्चर, पंचायतीराज प्रोजेक्ट, अवेयरनेस ऑफ गांधीयन मेथड, प्राकृत लैंग्वेज, अपभ्रंश लैंग्वेज, प्रोग्राम इन महात्मा गांधी नरेगा मेट, कन्ज्यूमर लॉ प्रोटेक्शन, ह्यूमन राईट्स, फूड एण्ड न्यूट्रीशन, क्रॉप प्रोटेक्शन, फंक्शनल इंग्लिश, क्रिएटिव राइटिंग इन इंग्लिश, टीचिंग इन इंग्लिश, फलित ज्योतिष, बैंकिंग एण्ड इन्श्योरेंस लॉ व आयुर्वेद पंचकर्म।

foÙkh; i:cU/kh आय–व्ययक अनुमान वित्तीय वर्ष 2019–20 (राशि लाखों में)

आय–राज्य निधि (पूर्व दायित्व)	आय–राज्य निधि (योजनाएं)	व्यय–राज्यनिधि (पूर्व दायित्व)	व्यय–राज्य निधि (योजनाएं)
1000.01	0.00	1000.00	0.00

वर्ष 2019–20 की महत्त्वपूर्ण उपलब्धियाँ:

- विश्वविद्यालय का बारहवां दीक्षान्त समारोह आयोजित किया गया।
- आर.के.सी.एल. द्वारा संचालित आरएससीआईटी पाठ्यक्रम की परीक्षाएं विश्वविद्यालय द्वारा प्रदेश भर में प्रत्येक तहसील स्तर पर सफलतापूर्वक आयोजित करवाई गईं।
- विश्वविद्यालय द्वारा मिशन अंत्योदय योजना के तहत गांव स्मार्ट विलेज कोटसुवा स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में कौशल विकास के महत्व पर प्रकाश ड़ालते हुये विद्यार्थियों को कौशल विकास करने के लिए जागरूक

किया, साथ ही विभिन्न विकास कार्यों में प्रशिक्षण हेतु राजस्थान कौशल विकास एवं आजीविका निगम द्वारा करवाये जा रहे विभिन्न निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान की गयी।

- 05 सितम्बर 2019 को शिक्षक दिवस, 13 सितम्बर 2019 को ब्रह्मकुमारी संस्थान द्वारा Stress Management विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- 21 जून 2019 को विश्व योग दिवस के उपलक्ष में योग शिविर का आयोजन।
- विश्वविद्यालय द्वारा वित्तीय वर्ष 2019–20 हेतु राज्य सरकार से प्राप्त अनुदान तथा स्वयं के स्त्रोतों से आय द्वारा विश्वविद्यालयों के खर्चों को वहन करते हुये स्वयं के आय के स्त्रोतों में अत्यधिक वृद्धि की है जिसकी वजह से विश्वविद्यालय आर्थिक मामलों में पूर्णतया आत्म निर्भरता की ओर बढ़ रहा है।

वर्ष 2020–21 की भावी योजनाः

- संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों को विषय विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा अपडेट करवाना। सभी विश्वविद्यालय के Moodle Platform पर चलाना तथा विश्वविद्यालय के कुछ पाठ्यक्रमों को ऑन लाईन मोड़ में चलाना।
- विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए विज्ञान भवन में उच्च गुणवता प्रायोगिक कक्षाओं की सुविधाओं को बढाना।
- विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय मूल्याकंन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) द्वारा मूल्यांकन एवं प्रत्यायन करवाना।
- विश्वविद्यालय को आई.आई.टी. एवं आई.आई.एम. की तर्ज पर नवीन तकनीकों से सुसज्जित करना।
- विश्वविद्यालय के प्रवेश एवं परीक्षा परिणाम में वर्तमान में संचालित सूचना एवं प्रौद्योगिकी को अद्यतन करना एवं विश्वविद्यालय के अन्य क्षेत्रों मे ंभी सूचना एवं प्रौद्योगिकी के उपयोग का प्रयास करना।

राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, जोधपुर

स्थापना वर्ष	1999
e-mail	nlu-jod-rj@nic.in

Website	http://www.nlujodhpur.ac.in/
Phone	0291-2577530, 2577526

राज्य सरकार द्वारा राजस्थान प्रदेश में विधि शिक्षा के प्रसार हेतु राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, जोधपुर की स्थापना अधिनियम संख्या 22 के अन्तर्गत वर्ष 1999 में की गई। राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय का प्रथम शैक्षणिक सत्र 15 जुलाई, 2001 से विधिवत् चालू किया गया। विश्वविद्यालय का कोई भी संघटक अथवा सम्बद्धक महाविद्यालय नहीं है। विश्वविद्यालय द्वारा स्नातक एवं अधिस्नातक स्तर के विभिन्न प्रकार के नियमित पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं । विद्यार्थियों का नियमित पाठ्यक्रम में प्रवेश के अन्तर्गत विश्वविद्यालय द्वारा प्रतिवर्ष अखिल भारतीय स्तर पर **कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट** के तहत देश के विभिन्न स्थानों पर प्रवेश परीक्षा का आयोजन कर उसकी मेरिट के आधार पर निर्धारित संख्या में विधार्थियों को प्रवेश दिया जाता रहा है। विश्वविद्यालय में अधिस्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु पूर्व वर्षों की भाँति इस वर्ष भी निर्धारित प्रक्रिया के अन्तर्गत प्रवेश प्रक्रिया अपनाई जाकर मेरिट के आधार पर विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जायेगा । चूंकि राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, जोधपुर एक आवासीय विश्वविद्यालय है। अतः प्रवशोपरान्त प्रत्येक विद्यार्थी को विश्वविद्यालय परिसर में स्थित छात्रावास में रहना अनिवार्य है। विश्वविद्यालय परिसर में छात्रों एवं छात्राओं हेतु अलग–अलग छात्रावास निर्मित हैं । विश्वविद्यालय से कोई कॉलेज सम्बद्ध नही है।

विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों को उच्च क्वालिटी की विधि शिक्षा प्रदान करने हेतु एक उच्च स्तरीय ई–लाईब्रेरी स्थापित कर रखी है । जहां ऑन लाईन लाईब्रेरी सुविधा के साथ–साथ प्रत्येक विद्यार्थी को इंटरनेट सुविधा मुहैया करवाई गई है । यही नहीं विश्वविद्यालय में अत्याधुनिक लिंग्वाफोन लाईब्रेरी भी संचालित हैं । विश्वविद्यालय अपने यहाँ अध्ययनरत् विद्यार्थियों को उच्चकोटि की विधि शिक्षा प्रदान करने हेतु निरन्तर प्रयासरत है। विश्वविद्यालय द्वारा वार्षिक रूप से लगभग 35 लाख रूपये ऑन–लाईन डाटा बेस के लिये भुगतान किया जा रहा है। पुस्तकालय मे 20,000 से अधिक पुस्तकें हैं। राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय जोधपुर 2018 मे National Digital Library में शामिल हो गया है। राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात् विश्व के प्रख्यात् विश्वविद्यालयों जैसे हार्वड, आक्सफोर्ड , एल.एस. एफ एवं येल मे उच्च शिक्षा हेतु दाखिला लेते हैं।

जन शक्तिः विश्वविद्यालय में 39 शैक्षणिक पदों पर एवं 151 अशैक्षणिक पदों पर अधिकारी/कर्मचारी कार्यरत हैं।

विद्यार्थी–नामांकनः विश्वविद्यालय के विभाग एवं संघटक महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2019–20 में विद्यार्थियों का नामांकनः

स्नातक–एलएल.बी.(ऑनर्स)		स्नातकोत्तर		पीएच.डी.	
पाठ्यक्रम	नामांकन	पाठ्यक्रम	नामांकन	पाठ्यक्रम	नामांकन
बी.ए.– एलएल.बी. ऑनर्स	92	एम.बी.ए. (बीमा)	18	पीएच.डी. (लॉ)	09
बी.बी.ए.–एलएल.बी. ऑनर्स	28	एलएल.एम. (कार्पोरेट लॉ)	23		
		एलएल.एम. (आई.पी.आर.)	23		
योग	**120**	**योग**	**64**	**योग**	09

संचालित संकाय एवं विषयों का विवरणः

स्नातक	स्नातकोत्तर	अन्य
पंचवर्षीय एकीकृत बी.ए., एलएल.बी. (ऑनर्स) एवं बी.बी.ए., एलएल.बी. (ऑनर्स)	एकवर्षीय एलएल.एम.– कार्पोरेट लॉज़, आई.पी.आर. लॉज़	एम.बी.ए. इन्श्योरेन्स , पीएच.डी. (लॉ)

foÙkh; i.cU/kh आय–व्ययक अनुमान वित्तीय वर्ष 2019–20 (राशि लाखों में)

आय–राज्य निधि (पूर्व दायित्व)	आय–राज्य निधि (योजनाएं)	व्यय–राज्यनिधि (पूर्व दायित्व)	व्यय–राज्य निधि (योजनाएं)
0.01	0.00	0.00	0.00

वर्ष 2019–20 की महत्त्वपूर्ण उपलब्धियाँः

- मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा देश के श्रेष्ठ शिक्षण संस्थानों हेतु रेंकिंग जारी की जिसके तहत राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, जोधपुर देश के सर्वश्रेष्ठ लॉ विश्वविद्यालयों में छठा स्थान (NIRF) रैंकिग में प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय ने एक व्यापक सर्वेक्षण के आधार पर 63.94 अंक हासिल किये जिसमें गुणवत्ता समावेशी और शैक्षणिक परिणामों सहित विविध मानकों के आधार पर संस्था को चुना गया ।
- राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, जोधपुर बारहवॉं दीक्षान्त समारोह 20 जनवरी 2019 को आयोजित किया गया था, जिसमें विश्वविद्यालय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठय्क्रम के विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गयी । समारोह की अध्यक्षता माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय के माननीय मुख्य न्यायाधीश एवं कुलाधिपति राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, जोधपुर आदरणीय श्री प्रदीप नन्द्राजोग द्वारा की गई। इस अवसर पर माननीय सर्वोच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधिपति श्री के.एम. जोसफ द्वारा सम्बोधित किया गया।
- विश्वविद्यालय में अनेक अन्तरराष्ट्रीय ख्याति के विद्वानों ने व्याख्यान दिए। विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय/ अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार/कार्यशालाओं/मूट कोर्ट का आयोजन किया गया।
- वर्ष 2019 में राष्ट्रीय विधि महाविद्यालय, जोधपुर के विद्यार्थियों ने विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिताओं में भाग लिया तथा विभिन्न रैंक, स्पीकर अवॉर्ड व सम्मान प्राप्त किये।
- विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षणिक वर्ष 2019–20 मे पढाये जाने लॉ विषयों के पाठ्यक्रम की समीक्षा करने के लिए विषय विशेषज्ञ को आमंत्रित कर दो दिवसीय पाठ्यक्रम समीक्षा की बैठक आयोजित की गयी ।
- विश्वविद्यालय मे प्रतिवर्ष यू.जी.सी के मापदण्ड के अनुसार 180 दिनों तक अकादमिक कार्यक्रम संचालित किया जाता है। यहां साप्ताहिक रविवारीय अवकाश के अतिरिक्त सार्वजनिक अवकाश के दिनों में भी अन्य दिवसों की भांति अकादमिक सुविधाएं छात्रों के लिए उपलब्ध रहती हैं।
- महात्मा गांधी के स्वच्छ एवं स्वावलम्बी ग्राम के स्वप्न को साकार करने के लिए विश्वविद्यालय की लीगल एड एण्ड अवेयरनेस कमेटी द्वारा सूरपुरा स्मार्ट विलेज प्रोजेक्ट पर कार्य किया जा रहा है।
- विश्वविद्यालय लीगल एड एण्ड अवेरयनेस कमेटी के द्वारा 4 अगस्त 2019 को वैदिक कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जोधपुर मे नागौरी गेट क्षेत्र के पास स्थित कॉलोनी निवासियों के लिए एक कानूनी सहायता शिविर का आयोजन किया।
- विश्वविद्यालय शिक्षकों द्वारा राष्ट्रीय व अन्तरराष्ट्रीय स्तर के कान्फ्रेंस, वर्कशॉप मे देश विदेश मे भाग लिया गया साथ ही शिक्षकों द्वारा पेपर प्रकाशन एव प्रस्तुतिकरण किया गया।

- विश्वविद्यालय अपने यहाँ से उपाधि प्राप्त करने वाले प्रत्येक विद्यार्थी को नामी लॉ फर्म, कॉरपोरेट सेक्टर एवं अन्य राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय कम्पनियों में प्लेसमेन्ट करवाने हेतु प्रतिबद्ध है इसके अन्तर्गत विश्वविद्यालय ने एक अलग से प्लेसमेन्ट सैल का गठन किया है । विश्वविद्यालय विद्यार्थियों का 2019 मे शत प्रतिशत प्लेसमेन्ट हो गया है। अन्य Rajasthan Judicial Services मे विश्वविद्यालय के 10 विद्यार्थियों का चयन हुआ है।
- राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं बार कौंसिल ऑफ राजस्थान द्वारा विश्वविद्यालय में Continuing Legal Education Programme का आयोजन दिनांक 22–26 जून 2019 को किया गया था । इस समारोह का उद्घाटन माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय के माननीय मुख्य न्यायाधीश एवं कुलाधिपति राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, जोधपुर आदरणीय श्री रवीन्द्र एस.भट्ट द्वारा किया गया एवं समापन माननीय न्यायाधीश श्री इन्द्रजीत सिंह, न्यायाधिपति, राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा किया गया।
- राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, जोधपुर के अंतर महाविद्यालय खेल उत्सव के छठें संस्करण दिनांक 26 से 29 सितम्बर 2019 तक विश्वविद्यालय खेल समिति द्वारा आयोजित किया गया। इस प्रतियोगिता में भारत के 20 लॉ विश्वविद्यालयों से कुल 1300 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- विश्वविद्यालय CARTAL सोसायटी द्वारा IV CARTAL conference on international arbitration का आयोजन किया गया । जिसमें भारत के सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश आदरणीय श्री मदन बी.लूकर ने सम्मानीय अतिथी के रूप में भाग लिया ।
- राष्ट्रीय/ अन्तरराष्ट्रीय मूट कोर्ट/सेमिनार/ट्रेनिंग प्रोग्राम इत्यादि का नियमित आयोजनः–राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा प्रतिवर्ष राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है जिसमे राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर की टीमें हिस्सा लेती हैं। हाल ही में 10वां एन.एल.यू. एंटीट्रस्ट लॉ मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।
- विश्वविद्यालय लीगल एड एण्ड अवेयरनेस कमेटी द्वारा "मिल कर करें आर.टी.ई को सार्थक" प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । प्रतियोगिता का उद्देश्य समाज के कमजोर एवं पिछड़े वर्ग के बच्चों को शहर के उच्चतम विद्यालयों में दाखिला करवाने के बारे मे जानकारी दी गई।
- इस कार्य में 115.00 लाख रुपये खर्च हुए, इस कार्य को केन्द्रीय सार्वजनिक कार्य विभाग संस्था द्वारा करवाया गया है।

वर्ष 2020–21 की भावी योजनाः

- छात्र व छात्राओं के छात्रवासों में बिजली संचार तंत्र का नवीनीकरण करना।
- विश्वविद्यालय परिसर में फुटबॉल मैदान व कनवोकेशन मैदान के बीच सड़क पर हाई मास्क लाईट को लगाना।
- वॉलीबॉल , बास्केटबॉल व टेनिस कोर्ट के चारों तरफ बाड़बन्दी का कार्य ।
- कॉन्फ्रेंस हॉल व मूट कोर्ट कमरों में फर्नीचर , कारपेट, वॉल पेंटिंग का कार्य फुॅटबाल एवं कनवोकेशन ग्राउण्ड के मध्य लाईट के पोल लगवाने का कार्य।

राजर्षि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर

स्थापना वर्ष	2012	Website	http:www.rrbmuniv.ac.in
e-mail	matsyauniv.alwar@gmail.com	Phone	0144-2730321, 2730327, 2980046
सम्बद्ध महाविद्यालय	159	कार्य क्षेत्र के जिले	अलवर

मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर, अधिनियम 2012 (2012 का अधिनियम संख्यांक 27) जो राजपत्र में दिनांक 23 अगस्त, 2012 को प्रवृत्त हुआ है, के द्वारा ''मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर'' की स्थापना की गई। तत्पश्चात् राज्य सरकार की अधिसूचना क्रमांक प.2(14) विधि/2/2014 दिनांक 04.07.2014 द्वारा मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर (नाम परिवर्तन) अधिनियम 2014 (2014 का अधिनियम संख्यांक 11) से इस विश्वविद्यालय का नाम परिवर्तन कर ''राजर्षि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर'' घोषित किया गया है जो मूल प्रवृत्त की दिनांक 23.08.2012 से प्रभावी माना गया है।

जन शक्ति : विश्वविद्यालय में 5 शैक्षणिक विभागों यथा इतिहास, भूगोल, अंग्रेजी, गणित एवं राजनीति विज्ञान के प्रत्येक विभाग में 01 आचार्य, 02 सह आचार्य एवं 03 सहायक आचार्य के अनुसार आचार्य के कुल 05 पद, सह आचार्य के 10 पद एवं सहायक आचार्य के 15 पद स्वीकृत किये गये हैं, जिन पर राज्य सरकार से निर्देश प्राप्त कर भर्ती प्रक्रिया प्रारम्भ की जावेगी। वर्तमान में विश्वविद्यालय में कुल 53 अशैक्षणिक पद स्वीकृत हैं, जिनमें से कुल 23 अधिकारी/कर्मचारी कार्यरत हैं। आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा, राजस्थान, जयपुर के द्वारा 03 प्राध्यापक, 01प्रशासनिक अधिकारी की प्रतिनियुक्ति विभिन्न राजकीय महाविद्यालयों से इस विश्वविद्यालय के कार्य में सहायतार्थ की गई है। राजस्थान लेखा सेवा से 01 वित्त नियन्त्रक, निदेशालय कोष एवं लेखा विभाग, जयपुर से 01 सहायक लेखाधिकारी एवं 01 कनिष्ठ लेखाकार तथा सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग, राजस्थान, जयपुर से 04 सूचना सहायक प्रतिनियुक्ति पर पदस्थापित है।

विद्यार्थी–नामांकन : विश्वविद्यालय में अभी विद्यार्थियों के अध्ययन हेतु शैक्षणिक गतिविधियां प्रारम्भ हो गई हैं। विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षणिक सत्र 2019–20 के परीक्षार्थियों के परीक्षा आवेदन–पत्र भरवाये जा रहे हैं। अतः परीक्षार्थियों के नामांकन की कार्यवाही परीक्षा आवेदन–पत्र के साथ ही प्रक्रियाधीन है। वर्तमान में विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालय नहीं हैं।

संचालित संकाय एवं विषयों का विवरण : विश्वविद्यालय से सम्बद्ध राजकीय व निजी महाविद्यालयों में कला, ललितकला, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान, वाणिज्य, शिक्षा एवं विधि संकायों के निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार संबंधित विषय संचालित हैं।

foÙkh; i:CU/k आय–व्ययक अनुमान वित्तीय वर्ष 2019–20 (राशि लाखों में)

आय–राज्य निधि (पूर्व दायित्व)	आय–राज्य निधि (योजनाएं)	व्यय–राज्यनिधि (पूर्व दायित्व)	व्यय–राज्य निधि (योजनाएं)
734.00	0.00	734.00	0.00

वर्ष 2019–20 की महत्त्वपूर्ण उपलब्धियाँः

- **प्रशासनिक एवं परीक्षा भवन का निर्माण** %& इस विश्वविद्यालय को ग्राम हल्दीना, तहसील मालाखेड़ा, जिला अलवर में आवंटित **49.70 हैक्टेयर भूमि** पर प्रशासनिक एवं परीक्षा भवन के निर्माण का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। विश्वविद्यालय भवन के मुख्य द्वार से प्रशासनिक एवं परीक्षा भवन तक सड़क निर्माण होना शेष है।
- **सम्बद्धता :–** शैक्षणिक सत्र 2019–20 में विश्वविद्यालय द्वारा 69 अकादमिक महाविद्यालयों, 04 विधि महाविद्यालयों, 67 शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों को एवं 17 इन्टीग्रेटेड महाविद्यालयों की सम्बद्धता अवधि में अभिवृद्धि की गई। शेष महाविद्यालयों की सम्बद्धता प्रक्रियाधीन है। 01 नवीन अकादमिक महाविद्यालय एवं 01 नवीन विधि महाविद्यालय को शैक्षणिक सत्र 2019–20 के लिए सम्बद्धता प्रदान की गई है। शेष महाविद्यालयों की सम्ब़द्धता प्रक्रियाधीन है।
- **परीक्षा :–** विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष परीक्षा 2019 में समस्त सम्बद्ध महाविद्यालयों के नियमित परीक्षार्थियों एवं स्वयंपाठी परीक्षार्थियों हेतु स्नातक भाग प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय, स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध व उत्तरार्द्ध, विधि प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष व तृतीय वर्ष तथा बी.एड. प्रथम वर्ष व द्वितीय वर्ष एव ंबी.ए.– बी.एड., बी.एसी.सी–बी.एड. (इन्टीग्रेटेड) प्रथम वर्ष, डी.लिब., डी.एल.एल. की परीक्षा का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। सभी परीक्षा परिणाम जारी किये जा चुके हैं। परीक्षा 2020 के लिए परीक्षार्थियों से परीक्षा आवेदन पत्र भरवाये जाने का कार्य प्रक्रियाधीन है।
- **दीक्षान्त समारोह :–** विश्वविद्यालय का प्रथम दीक्षान्त समारोह दिनांक 18.12.2019 को माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदय की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया है। समारोह में शैक्षणिक वर्ष 2017 के लिए 01 विद्यार्थी को कुलाधिपति पदक, 20 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं 01 विद्यार्थी को रजत पदक से सम्मानित किया गया । शैक्षणिक वर्ष 2018 के लिए 01 विद्यार्थी को कुलाधिपति पदक, 32 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं 05 विद्यार्थियो को रजत पदक से सम्मानित किया गया ।
- **स्वच्छता कार्यक्रम :–** भारत सरकार द्वारा संचालित स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत दिनांक 02 अक्टूबर, 2019 को स्वच्छता अभियान को सफल बनाने की दृष्टि से विश्वविद्यालय परिसर में साफ–सफाई की गई एवं सभी सम्बद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्यों को विद्यार्थियों के माध्यम से स्वच्छता सम्बन्धी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर महाविद्यालय परिसर एवं सार्वजनिक स्थलों पर साफ–सफाई करने के निर्देश प्रदान किये गये।

वर्ष 2020–21 की भावी योजनाः

- वित्तीय वर्ष 2020–21 में विश्वविद्यालय के अन्य भवनों यथा शैक्षणिक भवन, पुस्तकालय भवन, कार्मिकों के आवास हेतु भवन एवं अन्य भवनों का निर्माण प्रस्तावित है।
- सत्र 2020–21 में विश्वविद्यालय द्वारा अखिल भारतीय अन्तर्विश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाना प्रस्तावित हैं।
- सत्र 2020–21 से विश्वविद्यालय में राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत 05 शैक्षणिक विभागों में एम.फिल. कक्षाओं का संचालन किया जाना प्रस्तावित है।
- विश्वविद्यालय में परीक्षा 2020 की स्नातकोत्तर परीक्षाओं की केन्द्रीयकृत मूल्यांकन व्यवस्था प्रांरभ किया जाना प्रस्तावित है।
- स्ववित्त पोषित योजना के अंतर्गत कतिपय पाठ्यक्रम संचालित किया जाना प्रस्तावित है।

महाराजा सूरजमल ब्रज विश्वविद्यालय, भरतपुर			
स्थापना वर्ष	2012	Website	http://www.brijuniversity.ac.in
e-mail	brijuniversitybtp@gmail.com	Phone	05644-220560 Fax No. 05644-220560
सम्बद्ध महाविद्यालय	157	कार्य क्षेत्र के जिले	भरतपुर व धौलपुर।

बजट सत्र 2012–13 में माननीय मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणा की अनुपालना में ब्रज विश्वविद्यालय, भरतपुर की स्थापना हुई। राज्य सरकार के विधि विभाग (ग्रुप–2) की अधिसूचना संख्या प 2 (13)विधि/2/2014 दिनांक 04.07.2014 के अनुसार ब्रज विश्वविद्यालय, भरतपुर (नाम परिवर्तन) अधिनियम 2014 के द्वारा नाम परिवर्तित कर **"महाराजा सूरजमल ब्रज विश्वविद्यालय, भरतपुर"** कर दिया गया है। महाराजा सूरजमल ब्रज विश्वविद्यालय अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों के संदर्भ में राज्य सरकार द्वारा महाराजा सूरजमल ब्रज विश्वविद्यालय, भरतपुर का क्षेत्राधिकार निर्धारण के संबंध में गजट अधिसूचना दिनांक 04.03.2015 जो राजस्थान राजपत्र विशेषांक में दिनांक 11.03.2015 को प्रकाशित की गई अधिसूचना के द्वारा यह निर्धारित किया गया है कि महाराजा सूरजमल ब्रज विश्वविद्यालय, भरतपुर की अधिकारिता का विस्तार भरतपुर एवं धौलपुर जिलों में स्थित समस्त महाविद्यालयों पर है।

राज्य सरकार द्वारा ग्राम सकीतरा तहसील कुम्हेर में 20.00 हैक्टेयर भूमि महाराजा सूरजमल ब्रज विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु उच्च शिक्षा विभाग राजस्थान सरकार को निःशुल्क आवंटित की गई है। राज्य सरकार द्वारा विश्वविद्यालय को आवंटित भूमि पर चारदीवारी इत्यादि निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। भवन निर्माण कार्य हेतु निर्माण एजेन्सी RSRDC से एम.ओ.यू. किया गया है। निर्माण एजेन्सी द्वारा भवन निर्माण कार्य प्रगति पर है।

जनशक्तिः विश्वविद्यालय के लिए राज्य सरकार द्वारा 53 अशैक्षणिक कर्मचारियों के पद स्वीकृत किये गये हैं, जिनमें से 11 पद भरे हुए हैं एवं 42 पद रिक्त हैं। उपर्युक्त पदों में 15 पदों पर भर्ती की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। राज्य सरकार द्वारा विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के 05 पद, एसोसियट प्रोफेसर के 10 पद एवं असिस्टेंट प्रोफेसर के 15 पद स्वीकृत किये गये हैं। इन पदों पर भर्ती नहीं की गई है। स्वीकृत 06 विभागों में Temporary Faculties या Hybrid Board के द्वारा शिक्षक लगाकर शिक्षण कार्य को आगे बढ़ाया जा रहा है। वर्तमान समय में 12 शिक्षक, 05 गेस्ट फैकल्टी व 02 शोध छात्र अध्यापन कार्य करवा रहे है। विश्वविद्यालय के सुचारू संचालन हेतु राज्य सरकार से 38 नवीन पदों की मांग की गई है। कार्यालय से सम्बन्धित कार्यों के सम्पादन हेतु दो लिपिक प्रतिनियुक्ति पर कॉलेज शिक्षा विभाग द्वारा उपलब्ध कराये गये हैं तथा 13 लिपिक 12 गार्ड रैक्सको के माध्यम से लगाये गये हैं। इसके अतिरिक्त 08 सेवानिवृत्त कर्मचारियों को विश्वविद्यालय निधि से समेकित वेतन पर पुनर्नियुक्ति पर लगाया हुआ है।

विद्यार्थी–नामांकनः विश्वविद्यालय के अपने 4 विभाग एवं 1 Autonomous Law Instittute है। विश्वविद्यालय का कोई संघटक महाविद्यालय नहीं है। MSB Global Law Institute विश्वविद्यालय का Autonomous Instittute है। वर्तमान में विश्वविद्यालय में निम्नलिखित स्नातकोत्तर विभाग अर्द्धस्ववित्तपोषी (Hybrid) आधार पर संचालित है। सरकार से विभागों के संचालन हेतु अनुदान प्राप्त नहीं हो रहा है।

1. एलएल.एम.– प्रवेशित विद्यार्थियों की संख्या– 42
2. बी.ए. एलएल.बी. (5 Year Integrated Course) प्रवेशित विद्यार्थियों की संख्या– 42
3. चित्रकला– प्रवेशित विद्यार्थियों की संख्या– 26

4. गृहविज्ञान– प्रवेशित विद्यार्थियों की संख्या– 48

5. गणित – प्रवेशित विद्यार्थियों की संख्या– 12

6. ऑपरेशनल रिसर्च– प्रवेशित विद्यार्थियों की संख्या– 11

संचालित संकाय एवं विषयों का विवरणः

विश्वविद्यालय में अर्द्धस्ववित्तपोषी (Hybrid) आधार पर एलएल.एम., बी.ए.एलएल.बी., चित्रकला, गृह विज्ञान, गणित एवं ऑपरेशनल रिसर्च संकाय संचालित हैं।

foÙkh; izcU/ku आय–व्ययक अनुमान वित्तीय वर्ष 2019–20 (राशि लाखों में)

आय–राज्य निधि (पूर्व दायित्व)	आय–राज्य निधि (योजनाएं)	व्यय–राज्यनिधि (पूर्व दायित्व)	व्यय–राज्य निधि (योजनाएं)
433.80	0.00	433.80	0.00

वर्ष 2019–20 की egÙoi.kZ उपलब्धियाँः

- श्री कल्याण सिंह, माननीय राज्यपाल, राजस्थान एवं श्री एस. रविन्द्र भट्ट, मुख्य न्यायाधीश, राजस्थान उच्च न्यायालय की गरिमामय उपस्थिति में विश्वविद्यालय का प्रथम दीक्षान्त समारोह दिनांक 28 जून 2019 को सम्पन्न हुआ। दीक्षान्त समारोह में माननीय राज्यपाल द्वारा वर्ष 2017 के स्नातकोत्तर एवं वर्ष 2018 के स्नातक व स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण छात्र–छात्राओं को उपाधियां प्रदान की गई।
- विश्वविद्यालय समय–समय पर प्रबन्ध बोर्ड (BOM), वित्त समिति (FC), अकादमिक काउंसिल (AC), बोर्ड ऑफ स्टडीज़ (BOS) एवं बोर्ड ऑफ इन्स्पेक्शन (BOI) आदि की मीटिंग आयोजित करता रहा है।
- विश्वविद्यालय में सत्र 2019–20 में 21 विषयों में प्रवेश परीक्षा/साक्षात्कार के उपरांत 19 विषयों में 48 शोध छात्र–छात्राओं को प्रवेश दिया गया।
- विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार (भरतपुर एवं धौलपुर जिले) में आने वाले महाविद्यालयों में से जिन्होंने मापदण्ड पूरे किये उन्हें सत्र 2019–20 हेतु अस्थाई सम्बद्धता प्रदान की गई।
- राजस्थान में पहली बार इस सत्र में एम.एससी. गणित एवं वैकल्पिक शोध की कक्षाएं संचालित की गई।
- इस सत्र विश्वविद्यालय में सवाई किशन सिंह जी महाराज शोधपीठ की स्थापना का प्रस्ताव अकादमिक काउंसिल व प्रबन्ध बोर्ड में पारित किया गया, जिसमें Interdisciplinary Studies विषय पर शोध कार्य सम्पन्न होंगे।
- विश्वविद्यालय में शुरू किये गये नये दोनों पाठ्यक्रम (एम.एससी. गणित एवं वैकल्पिक शोध) पूर्व की भांति सेमेस्टर सिस्टम से संचालित किये जा रहे हैं।
- विश्वविद्यालय में रिक्त पदों पर भर्ती हेतु राज भवन एवं राज्य सरकार के प्राप्त निर्देशानुसार रोस्टर तैयार कर अनुमोदन हेतु उच्च शिक्षा विभाग एवं राज भवन को प्रेषित किया गया है। रोस्टर अनुमोदन उपरान्त रिक्त पदों पर भर्ती किया जाना प्रस्तावित है।

वर्ष 2020–21 की भावी योजनाः

- राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराये गये बजट एवं आगे उपलब्ध कराये जाने वाले बजट से विश्वविद्यालय की भूमि पर भवन निर्माण के आगामी चरण के अन्तर्गत अकादमिक व आवासीय भवनों के निर्माण की कार्यवाही पूर्ण करना।
- राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक पदों पर भर्ती की कार्यवाही पूर्ण करना।
- विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार में आने वाले महाविद्यालयों को वर्ष 2020–21 हेतु अस्थाई सम्बद्धता तथा शर्तें पूरी करने पर स्थाई मान्यता प्रदान करना।
- विश्वविद्यालय का द्वितीय दीक्षान्त समारोह आयोजित किया जाना है।
- विश्वविद्यालय में कम्प्यूटर सेंटर की स्थापना किया जाना है।
- विश्वविद्यालय के नये परिसर में विद्युत ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत के रूप में सोलर प्लान्ट की स्थापना की जानी है।
- विश्वविद्यालय के नये परिसर में खेलकूद मैदान एवं सड़कों आदि का निर्माण करना ।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर

स्थापना वर्ष	2012
e-mail	reg.shekhauni@gmail.com
सम्बद्ध महाविद्यालय	539

Website	http://www.shekhauni.ac.in
Phone	01572-272100, 273100, 273200
कार्य क्षेत्र के जिले	सीकर व झुन्झुनूं।

शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर की स्थापना राज्य सरकार की अधिसूचना दिनांक 17 अक्टूबर 2012 के द्वारा की गई। दिनांक 04.07.2014 की अधिसूचना के द्वारा इस विश्वविद्यालय का नाम परिवर्तित कर ''पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर'' किया गया विश्वविद्यालय के कार्यालय के कार्य उसके स्वयं के भवन में किये जाने लगे हैं। वर्तमान में विश्वविद्यालय का कोई संघटक महाविद्यालय नहीं है।

जनशक्तिः राज्य सरकार के द्वारा विश्वविद्यालय में विभिन्न अशैक्षणिक 53 पदों का सृजन किया गया है। जिनके विरुद्ध 09 पदों पर कार्मिक कार्यरत एवं 44 पद रिक्त हैं। राज्य सरकार के द्वारा प्रोफेसर के 05 पद, एसोसियट प्रोफेसर के 10 पद एवं असिस्टेंट प्रोफेसर के 15 पद स्वीकृत किये गये हैं। शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक पदों की भर्ती प्रक्रियाधीन है।

विद्यार्थी–नामांकनः विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की कुल संख्या 267157 है।

संचालित संकाय एवं विषयों का विवरणः विश्वविद्यालय में राज्य सरकार द्वारा 05 स्नातकोत्तर विभाग यथा भारतीय भाषाएं, डवलपमेंटल स्टडीज, वाणिज्य, जीवन विज्ञान व लीगल स्टडीज स्वीकृत किये गये हैं। इन पांचों विभागों को शैक्षणिक सत्र 2018–19 से प्रारम्भ किया गया। विश्वविद्यालय में कला, समाज विज्ञान, वाणिज्य, विज्ञान, विधि एवं शिक्षा संकाय संचालित है तथा विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में कला, वाणिज्य, विज्ञान, कम्प्यूटर एवं प्रबन्ध संकाय संचालित है।

foÙkh; i.cU/k आय–व्ययक अनुमान वित्तीय वर्ष 2019–20 (राशि लाखों में)

आय–राज्य निधि (पूर्व दायित्व)	आय–राज्य निधि (योजनाएं)	व्यय–राज्यनिधि (पूर्व दायित्व)	व्यय–राज्य निधि (योजनाएं)
650.00	0.00	650.00	0.00

वर्ष 2019–20 की महत्त्वपूर्ण उपलब्धियां :

- **महाविद्यालयों की सम्बद्धताः** राजस्थान सरकार के शिक्षा (ग्रुप–4) विभाग की अधिसूचना दिनांक 04.03.2015 के अनुसार इस विश्वविद्यालय का क्षेत्राधिकार सीकर एवं झुंझुनूं जिलों में अवस्थित सभी महाविद्यालयों में विस्तारित किया गया। सत्र 2019–20 के लिए सम्बद्ध किये महाविद्यालयों का विवरण निम्नानुसार है–

क्र.सं.	महाविद्यालयों का विवरण	कुल संख्या
1	बी.एड. महाविद्यालय	161

2	एम.एड. महाविद्यालय	06
3	बी.ए.बी.एड., बी.एससी.बी.एड. (चार वर्षीय इन्टिग्रेटेड प्रोग्राम)	78
4	विधि महाविद्यालय राजकीय विधि महाविद्यालय	07 01
5	अकादमिक महाविद्यालय	286
	कुल योग	**539**

- विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन का निर्माण कार्य तेजी से किया जाकर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कार्य उसके स्वयं के भवन में आयोजित किये जाने लगे हैं। साथ ही एकेडमिक ब्लॉक एवं पुस्तकालय भवन का निर्माण कार्य अतिशीघ्र पूर्ण होना प्रस्तावित है।
- विश्वविद्यालय में माननीय कुलपति महोदय के आवास का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है तथा माननीय कुलपति महोदय कुलपति आवास में निवास करना आरम्भ कर दिया है।
- विश्वविद्यालय का कुलगीत तैयार करवा कर उसकी म्यूजिक रिकॉर्डिंग करवायी जा चुकी है । कुलगीत विश्वविद्यालय में नियमित रूप से गाया जाता है।
- विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2017 की परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रथम दीक्षान्त समारोह आयोजित करवाकर डिग्री प्रदान की जा चुकी है।
- विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2019 की परीक्षा का कार्य शांति पूर्ण तरीके से सम्पादित करवाकर सभी परीक्षा परिणाम जारी किये जा चुके हैं।
- विश्वविद्यालय द्वारा दो गाँव (कटराथल एवं कोटड़ी धायलान) गोद लिये जाकर उनको स्मार्ट बनाये जाने का कार्य प्रगति पर है।
- महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित करवाया गया।

वर्ष 2020–21 की भावी योजनाः

- विश्वविद्यालय के कुलसचिव, प्रशासनिक अधिकारियों के आवास निर्माण, अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए छात्रावास का निर्माण, खेल मैदानों का विकास एवं विश्वविद्यालय परिसर का विकास करवाया जाना प्रस्तावित है।
- विश्वविद्यालय में सत्र 2020–21 से शैक्षणिक विभाग प्रारम्भ किया जाना प्रस्तावित है।
- विश्वविद्यालय के पुस्तकालय भवन का निर्माण पूरा करवाया जाकर तथा संबंधित पुस्तकें खरीद कर पुस्तकालय एवं वाचनालय को सुसम्पन्न करवाया जाना प्रस्तावित है। साथ ही ई–लाइब्रेरी शुरू किया जाना प्रस्तावित है।
- विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक पदों की भर्ती प्रक्रिया पूर्ण करवाकर नियमित नियुक्तियाँ किया जाना प्रस्तावित है।
- शोधपीठ स्थापित कर शोध कार्य किया जाना प्रस्तावित है, जिससे इस क्षेत्र के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को फायदा मिल सके।

गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा

स्थापना वर्ष	2012
संघटक महाविद्यालय	0
संबद्ध महाविद्यालय	143

वेबसाइट ई–मेल	http://www.rgtu.ac.in registrar@ggtu.ac.in
सम्पर्क सूत्र	02962-246180, 244022
कार्य क्षेत्र के जिले	बांसवाड़ा, प्रतापगढ़ व डूंगरपुर

विश्वविद्यालय की स्थापना राजीव गांधी जनजातीय विश्वविद्यालय, अधिनियम 2012 (2012 का अधिनियम संख्या 31) के तहत प्रारम्भ में तत्कालीन राज्यपाल महोदय से दिनांक 14 अक्टूबर, 2012 प्राप्त अनुमति द्वारा उदयपुर में की गई। विश्वविद्यालय का प्रथम शैक्षणिक सत्र 2014–15 दिनांक 09 अगस्त, 2014 को ''**अंतर्राष्ट्रीय देशज दिवस**'' पर प्रारम्भ हुआ।

राज्य सरकार के द्वारा दिनांक 21 अप्रेल 2016 के द्वारा राजीव गांधी जनजातीय विश्वविद्यालय, उदयपुर का नाम व मुख्यालय परिवर्तित कर **गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा** कर दिया गया है। वर्तमान में गोविन्द गुरू जनजातीय विश्वविद्यालय,बांसवाड़ा का प्रशासनिक भवन जिला कलेक्ट्रेट परिसर में निर्मित जनजाति भवन के द्वितीय तल के आठ कक्षों में संचालित है। विश्वविद्यालय का अकादमिक कार्य श्री गोविन्द गुरू राजकीय महाविद्यालय, बांसवाड़ा के प्रथम तल के छः कमरों में संचालित है। विश्वविद्यालय से राजस्थान के दक्षिणांचल क्षेत्र के बांसवाड़ा, डूंगरपुर व प्रतापगढ़ जिलों के राजकीय एवं निजी महाविद्यालयों को सम्बद्ध किया गया। विश्वविद्यालय अपनी स्थापना से ही जनजाति क्षेत्र में शिक्षण, अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्टता हेतु प्रयासरत है। विश्वविद्यालय जनजाति के समग्र सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक विकास को सुनिश्चित करने के लिए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रयासरत है। विश्वविद्यालय शोध के माध्यम से नये ज्ञान के सृजन हेतु भी प्रयासरत है। वर्तमान में विश्वविद्यालय में विभिन्न शैक्षणिक पाठ्यक्रम यथा Master of Business Administration (MBA), LL.M, M.sc. Maths, M.A. in Education, P.G. Diploma in Yoga and Diploma in Hotel Management, पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं।

जनशक्तिः राज्य सरकार के आदेश से विश्वविद्यालय में 30 शैक्षणिक एवं 40 अशैक्षणिक विभिन्न श्रेणी के पद स्वीकृत किये गये हैं। वर्तमान में 01 कुलपति, 01 कुलसचिव, 02 कनिष्ठ लेखाकार तथा 01 सहायक लेखाधिकारी कार्यरत हैं। विश्वविद्यालय में राज्य सरकार द्वारा 05 कॉलेज व्याख्याता, 01 कनिष्ठ लिपिक तथा 02 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत हैं।

विद्यार्थी–नामांकनः वर्तमान में विश्वविद्यालय में 207 विद्यार्थी अध्ययनरत है।

foÙkh; i:cU/k% आय–व्ययक अनुमान वित्तीय वर्ष 2019–20 (राशि लाखों में)

आय–राज्य निधि (पूर्व दायित्व)	आय–राज्य निधि (योजनाएं)	व्यय–राज्यनिधि (पूर्व दायित्व)	व्यय–राज्य निधि (योजनाएं)
610.00	0.00	610.00	0.00

वर्ष 2019–20 की egÙoi.k उपलब्धियाँः

- <u>राष्ट्रीय संगोष्ठी</u> :–

  (अ) विश्वविद्यालय एवं केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा के संयुक्त तत्वावधान में ''जनजातीय लोक संस्कृति एवं साहित्य'' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी दिनांक 10 एवं 11 अगस्त, 2019 को आयोजित की गई, जिसमें 450 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

  (ब) विश्वविद्यालय द्वारा Scientific World Around You and in Cosmos विषय पर दिनांक 27–28 जनवरी, 2020 को सेमिनार का आयोजन किया गया।

  (स) दिनांक 16 फरवरी 2020 को विश्वविद्यालय द्वारा ''घुमन्तु जनजातियाँ–दशा एवं दिशा'' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा।

- वर्कशॉप :– ICSSR के सौजन्य से विश्वविद्यालय ने दिनांक 08 से 17 मई, 2019 तक रिसर्च मैथ्डोलोजी विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया।

- <u>**अन्तर महाविद्यालयी खेलकूद प्रतियोगिताएँ :–**</u> विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2019–20 में कुल 13 खेलों में अन्तर महाविद्यालयी टूर्नामेन्ट आयोजित किये एवं 13 खेलों में विश्वविद्यालयी टूर्नामेन्ट में लगभग 04 हजार विद्यार्थियों ने प्रत्यक्ष भाग लिया। खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए लगभग 10 लाख रूपये की राशि नगद पुरस्कार के रूप में प्रदान की गई। विजेता विद्यार्थियों को 12 खेलों में **Inter University** में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने हेतु भेजा गया, जिसमें 225 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

- <u>**अन्तर्विश्वविद्यालयी प्रतियोगिता**</u> :– विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 20 से 23 अक्टूबर, 2019 तक पश्चिमी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालय महिला वालीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 48 विश्वविद्यालयों ने भाग लिया।

- विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिये प्रतिवर्ष **Inter College Youth Festival** ''पल्लव'' का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय को भारतीय विश्वविद्यालय संघ की सदस्यता प्राप्त है। पल्लव में विजेता विद्यार्थियों ने **Inter University Youth Festival** सूरत (गुजरात) में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

- <u>**लोक संस्कृति महोत्सव**</u> :– पूज्य गोविन्द गुरू के व्यक्तित्व की महक और जनजातीय संस्कृति से साक्षात्कार की अभिलाषा से जलियाँवाला बाग नाम से प्रसिद्ध शहादत स्थली मानगढ़ धाम पर दिनांक 31 अगस्त, 2019 को ''जनजाति लोक संस्कृति महोत्सव'' का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 1500 से अधिक विद्यार्थियों ने सहभागिता दी। इस महोत्सव में विद्यार्थियों को जनजाति पारम्परिक वाद्य यंत्रों के माध्यम से लोक गीतों एवं नृत्य की प्रस्तुतियों को देखने का अवसर मिला।

- <u>**विश्वविद्यालय द्वारा सम्बद्धता :–**</u> राज्य सरकार के आदेशानुसार बाँसवाड़ा, डूंगरपुर एवं प्रतापगढ़ के समस्त राजकीय एवं निजी महाविद्यालय गोविन्द गुरू जनजातीय विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार में आ गये हैं। इन्हें विश्वविद्यालय द्वारा सम्बद्धता प्रदान कर दी गई है। विश्वविद्यालय द्वारा उक्त जिलों के कुल 143 राजकीय एवं निजी महाविद्यालयों को सम्बद्धता प्रदान की है।

क्र. सं	जिला	महाविद्यालयो की संख्या				योग
		निजी			राजकीय	
		सामान्य शिक्षा महाविद्यालय	शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय			
			दो वर्षीय बी.एड.	चार वर्षीय बी.एड.		
1	बाँसवाड़ा	43	13	15	4	75
2	प्रतापगढ़	34	4	6	5	49
3	डूंगरपुर	9	3	2	5	19
	योग	**86**	**20**	**23**	**14**	**143**

भावी योजना वित्तीय वर्ष 2020–21 :

1. **विश्वविद्यालय भूमि एवं भवनों का निर्माण :–** राज्य सरकार द्वारा विश्वविद्यालय को ग्राम बड़वी एवं ग्राम पाडला गणेशीलाल में 120.31 बीघा भूमि आवंटित की गई है।
2. आयुक्त, जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग, उदयपुर द्वारा ग्राम बारी डायलाब में वेद विद्यापीठ की स्थापना हेतु 25 बीघा भूमि विश्वविद्यालय को आवंटित की गई है।

3. **विश्वविद्यालय भवन निर्माण** :–

स्वीकृत निर्माण कार्य	स्वीकृत राशि	कार्यकारी एजेन्सी	विशेष विवरण
विश्वविद्यालय भवन परीक्षा नियंत्रक / शोध कार्यालय **(राज्य सरकार बजट मद)**	12.50 करोड़	RSRDC	निर्माण कार्य प्रगति पर है।
अकादमिक भवन (5 कक्षा–कक्ष एवं 01 ठभ्ज्ञ के 10 स्टूडियों अपार्टमेन्ट) **(TAD EN से)**	3.93 करोड़	RSRDC	निर्माण कार्य प्रगति पर है।
विश्वविद्यालय चारदिवारी निर्माण कार्य **(विश्वविद्यालय निधि से)**	2.00 करोड़	RSRDC	संवेदक ने बाउण्ड्रीवाल का लगभग 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया है।
होस्टल (छात्र / छात्रा) **(TAD EN से)**	8.00 करोड़	RSRDC	निर्माण कार्य प्रगति पर है।

उक्त निर्माणाधीन कार्य शीघ्र ही पूर्ण होने को है, तत्पश्चात् विश्वविद्यालय नवीन केम्पस में स्थानान्तरित कर दिया जाएगा।

हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर

स्थापना वर्ष	2019
e-mail	hju.postal@gmail.com registrar.hju@gmail.com

Phone No. 0141-2710122

हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर की स्थापना राज्य विधानमण्डल द्वारा पारित अधिनियम के अनुसार माननीय राज्यपाल महोदय के अनुमोदन से दिनांक 01 मार्च, 2019 को हुई का प्रशासनिक कार्यालय राजीव गांधी विद्या भवन, सर्वपल्लीराधाकृष्णन शिक्षा शिक्षा संकुल, जवाहरलाल नेहरू मार्ग, जयपुर पर स्थित है। विश्वविद्यालय का शैक्षणिक परिसर खासा कोठी, एम.आई. रोड, जयपुर में संचालित है।विश्वविद्यालय का प्रथम शैक्षणिक सत्र 2019–20 में ही 05 अगस्त 2019 से प्रारम्भ कर दिया गया है। विश्वविद्यालय में वर्तमान में कोई भी संघटक महाविद्यालय एवं सम्बद्धता प्राप्त महाविद्यालय नहीं है।

जन शक्तिः विश्वविद्यालय में शैक्षणिक वर्ग में 30 पद स्वीकृत हैं, जिनके विरूद्ध 07 कार्यरत हैं तथा 23 पद रिक्त हैं। अशैक्षणिक वर्ग में 62 पद स्वीकृत हैं, जिनके विरूद्ध 29 कार्यरत हैं तथा 33 पद रिक्त हैं।

विद्यार्थी–नामांकनः विश्वविद्यालय में वर्तमान में 05 विभाग निर्धारित किए गए हैं, इनमें संचालित कक्षाओं में शैक्षणिक सत्र 2019–20 में विद्यार्थियों का नामांकन निम्नानुसार हैः

S.No.	Class	No. of students
1	MA-JMC (Electronic Media)	20
2	MA-JMC (MOAP)	06
3	MA-JMC (Print Media)	04
4	PG-Diploma in Social Media and Web Journlism	09
5	Ph.D.	07

संचालित संकाय एवं विषयों का विवरणः विश्वविद्यालय में वर्तमान में दो संकाय निर्धारितए किए गए हैंः पत्रकारिता संकाय एवं जनसंचार संकाय। उक्त संकायों के अधीन संचालित 5 विभाग निम्नानुसार हैंः

S.No.	Faculty	Department
1	Journalism	Department of Media Studies
2	Journalism	Department of Electronic Media
3	Mass Communication	Department of Advertising and Public Relations
4	Mass Communication	Department of Development Studies
5	Journalism	Department of News Media

foÙkh; i.cU/k आय–व्ययक अनुमान वित्तीय वर्ष 2019–20 (राशि लाखों में)

आय–राज्य निधि (पूर्व दायित्व)	आय–राज्य निधि (योजनाएं)	व्यय–राज्यनिधि (पूर्व दायित्व)	व्यय–राज्य निधि (योजनाएं)
0.00	300.01	0.00	300.00

वित्तीय वर्ष 2019–20 की महत्त्वपूर्ण उपलब्धियाँः

- विश्वविद्यालय की स्थापना 01 मार्च, 2019 को होने के उपरान्त शैक्षणिक सत्र इसी वित्तीय वर्ष में 09 सितम्बर 2019 को शुरू किया गया है।
- विश्वविद्यालय को अपने परिसर हेतु जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर के द्वारा दिनांक 27 सितम्बर 2019 को दहमी कलां संस्थानिक क्षेत्र, अजमेर रोड, जयपुर में लगभग 31 एकड़ भूमि आवंटित की गई तथा बाउण्ड्रीवाल एवं भवन निर्माण हेतु शीघ्र ही राज्य सरकार द्वारा राशि प्राप्त होने की संभावना है।

वर्ष 2020–21 की भावी योजनाः

- विश्वविद्यालय के भवन का शिलान्यास करवाना।
- विश्वविद्यालय में स्नातक स्तरीय कक्षाएं चालू करवाना।
- विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न महाविद्यालयों/संस्थाओं को सम्बद्धता प्रदान करना।
- विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय/राज्य स्तरीय/संभाग स्तरीय सेमिनारों का आयोजन करना।
- विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय/राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाना तथा उनमें भाग लेना।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर विधि विश्वविद्यालय, जयपुर

स्थापना वर्ष	2019
e-mail	

डॉ. भीमराव अम्बेडकर विधि विश्वविद्यालय, जयपुर की पुनः स्थापना की घोषणा नीति पत्र में की गई थी। घोषणा के अनुसरण में 15वीं विधानसभा के प्रथम सत्र में विधेयक पारित कर डॉ. भीमराव अम्बेडकर विधि विश्वविद्यालय की स्थापना की जा चुकी है।

इस विश्वविद्यालय हेतु 21 अशैक्षणिक पद सृजित करने की सहमति वित्त विभाग से प्राप्त हो चुकी है। विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति की नियुक्ति हेतु प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गई है। कुलपति की नियुक्ति होते ही विश्वविद्यालय को क्रियाशील बनाने के संबंध में कार्यवाही की जायेगी।

foÙkh; i.cU/kh आय–व्ययक अनुमान वित्तीय वर्ष 2019–20 (राशि लाखों में)

आय–राज्य निधि (पूर्व दायित्व)	आय–राज्य निधि (योजनाएं)	व्यय–राज्यनिधि (पूर्व दायित्व)	व्यय–राज्य निधि (योजनाएँ)
0.00	300.01	0.00	300.00

राजस्थान में उच्च शिक्षा : एक विहंगम दृष्टि

1. राज्य वित्तपोषित विश्वविद्यालयः

(1) राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर 1947
(2) जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर 1962
(3) मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर 1962
(4) वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा 1987
(5) महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर 1987
(6) स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर 1987
(7) महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर 1987
(8) जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर 1998
(9) राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, जोधपुर 1999
(10) डॉ सर्वपल्ली राधकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर 2002
(11) कोटा विश्वविद्यालय, कोटा 2003
(12) महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर 2003
(13) राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जयपुर 2004
(14) राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा 2005
(15) राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर 2010
(16) गोविन्द गुरुजनजातीय विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा 2012
(17) राजर्षि भर्तृहरी मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर 2012
(18) महाराजा सूरजमल ब्रज विश्वविद्यालय, भरतपुर 2012
(19) पं.दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर 2012
(20) सरदार पटेल पुलिस, सुरक्षा एवं दांडिक न्याय विश्वविद्यालय, जोधपुर, 2012
(21) श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर 2013
(22) कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर, 2013
(23) कृषि विश्वविद्यालय, कोटा 2013
(24) राजस्थान आई.एल.डी. कौशल विश्वविद्यालय, जयपुर 2017
(25) बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, बीकानेर 2017
(26) हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर 2019
(27) डॉ. भीमराव अम्बेड़कर विधि विश्वविद्यालय, जयपुर 2019

(उपर्युक्त में से रेखांकित संस्थान उच्च शिक्षा विभाग से सम्बन्धित नहीं हैं)

2. विश्वविद्यालयवत् संस्थायें :

(1) बिरला इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड साइन्स, पिलानी, झुंझुनूं (1964)
(2) बनस्थली विद्यापीठ, बनस्थली, टोंक (1983)
(3) जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर (1987)
(4) जैन विश्वभारती, लाडनूँ,नागौर (1991)
(5) उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान, गांधी विद्या मन्दिर, सरदारशहर, चूरू (2002)
(6) एल. एन. मित्तल इन्स्टीट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, जयपुर (2006)
(7) आई. आई. एस. यूनिवर्सिटी, जयपुर (2009)

(उपर्युक्त विश्वविद्यालयवत् संस्थायें उच्च शिक्षा विभाग के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन नहीं हैं)

3 निजी क्षेत्र के विश्वविद्यालय :

(1) सर पद्मपत सिंघानिया विश्वविद्यालय, उदयपुर 2007

(2) जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी, जयपुर 2007

(3) एमिटी विश्वविद्यालय, जयपुर 2007

(4) सिंघानिया विश्वविद्यालय, पचेरीबड़ी, झुन्झनूं 2007

(5) निम्स विश्वविद्यालय, जयपुर 2008

(6) सुरेश ज्ञानविहार विश्वविद्यालय, जयपुर 2008

(7) ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय, जयपुर 2008

(8) भगवन्त विश्वविद्यालय, अजमेर 2008

(9) जगन्नाथ विश्वविद्यालय, जयपुर 2008

(10) महात्मा ज्योतिराव फुले विश्वविद्यालय, जयपुर 2008

(11) मेवाड़ विश्वविद्यालय, चित्तौड़गढ़ 2008

(12) श्री जगदीश प्रसाद झाबरमल टिबरेवाल विश्वविद्यालय, चुड़ैला, झुन्झनूं 2008

(13) जोधपुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, जोधपुर 2008

(14) होम्योपैथी विश्वविद्यालय, जयपुर 2009

(15) एन.आई.आई.टी. विश्वविद्यालय, नीमराना, अलवर 2009

(16) श्रीधर विश्वविद्यालय, बिगोदना, झुन्झुनूं 2009

(17) डॉ. के. एन. मोदी विश्वविद्यालय, निवाई, टोंक 2010

(18) पेसिफिक उच्चतर शिक्षा और अनुसंधान अकादमी विश्वविद्यालय, उदयपुर, 2010

(19) रेफल्स विश्वविद्यालय, नीमराना, अलवर 2010

(20) महात्मा गांधी आयुर्विज्ञान प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, जयपुर 2011

(21) इक्फाइ विश्वविद्यालय, जयपुर 2011

(22) जे. के. लक्ष्मीपत विश्वविद्यालय, जयपुर 2011

(23) मनीपाल विश्वविद्यालय, जयपुर 2011

(24) प्रताप विश्वविद्यालय, जयपुर 2011

(25) सनराइज़ विश्वविद्यालय, बगड़ राजपूत, अलवर 2011

(26) गीतांजली विश्वविद्यालय,, उदयपुर 2011

(27) अभियांत्रियकी और प्रबन्धन विश्वविद्यालय,, जयपुर 2011

(28) महाराज विनायक ग्लोबल विश्वविद्यालय, जयपुर 2012

(29) विवेकानंद ग्लोबल विश्वविद्यालय, जयपुर 2012

(30) करियर पॉइन्ट विश्वविद्यालय, कोटा 2012

(31) जे.ई.सी.आर.सी. विश्वविद्यालय, जयपुर 2012

(32) संगम विश्वविद्यालय, भीलवाड़ा 2012

(33) पूर्णिमा विश्वविद्यालय, जयपुर 2012

(34) मोदी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, लक्ष्मणगढ़ (सीकर) 2013

(35) टांटिया विश्वविद्यालय, श्रीगंगानगर 2013

(36) ओ.पी.जे.एस. विश्वविद्यालय, चूरू 2013

(37) मौलाना आज़ाद विश्वविद्यालय,, जोधपुर 2013

(38) पेसिफिक मेडिकल विश्वविद्यालय, उदयपुर 2013

(39) माधव विश्वविद्यालय, पिण्डवाड़ा (सिरोही), 2013

(40) आई. आई. एच. एम. आर. विश्वविद्यालय, जयपुर 2013

(41) आर.एन.बी. ग्लोबल विश्वविद्यालय, बीकानेर 2015

(42) महर्षि अरविन्द विश्वविद्यालय,, जयपुर 2015

(43) भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय, उदयपुर 2015

(44) सांई तिरूपति विश्वविद्यालय, उदयपुर 2016

(45) निर्वाण विश्वविद्यालय, जयपुर 2017

(46) प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय,जयपुर 2017

(47) भारतीय कौशल विकास विश्वविद्यालय, जयपुर 2017

(48) श्री कल्लाजी वैदिक विश्वविद्यालय, कमधज नगर, निम्बाहेड़ा (चित्तौड़गढ़) 2018

(49) अपेक्स विश्वविद्यालय, जयपुर 2018

(50) श्याम विश्वविद्यालय, लालसोट (दौसा) 2018

(51) लॉर्डस विश्वविद्यालय, चिकानी (अलवर) 2018

(52) श्री खुशाल दास विश्वविद्यालय, पीलीबंगा 2018

(उपर्युक्त में से रेखांकित संस्थान उच्च शिक्षा विभाग से सम्बन्धित नहीं हैं)

4 राष्ट्रीय महत्त्व के अन्य उच्च शिक्षण संस्थान

- मालवीय नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जयपुर(स्थापना 1963, 2002 एम.एन.आई.टी.)
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (इंडियन इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी), जोधपुर, 2008
- केन्द्रीय विश्वविद्यालय, किशनगढ़, अजमेर 2009
- भारतीय प्रबन्धन संस्थान (इंडियन इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट), उदयपुर, 2011
- अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (ए. आई. आई. एम. एस.), जोधपुर 2012
- इण्डियन इन्स्टीट्यूट ऑफ इन्फोर्मेशन टेक्नोलॉजी, कोटा (आई.आई.आई.टी., कोटा) 2013

(उपर्युक्त संस्थायें उच्च शिक्षा विभाग के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन नहीं हैं)

महाविद्यालयों की जिलेवार संख्या एवं विद्यार्थी नामांकन (सत्र 2019–20)

क्र. सं.	जिला	क्षेत्रफल वर्ग कि. मी.	जनसंख्या 2011	संस्थाएं			प्रति महा. जनसंख्या	नामांकन[1]		
				छात्र	छात्राएं	कुल		छात्र	छात्राएं	कुल
अजमेर संभाग										
1	अजमेर	8481	2584913	32	18	50	51698	17045	20066	37111
2	भीलवाड़ा	10455	2410459	26	6	32	75327	10667	11469	22136
3	नागौर	17718	3309234	76	18	94	35205	22870	20004	42874
4	टोंक	7194	1421711	41	11	52	27341	15021	13750	28771
	कुल	**43848**	**9726317**	**175**	**53**	**228**	**42659**	**65603**	**65289**	**130892**
बीकानेर संभाग										
1	बीकानेर	27244	2367745	35	11	46	51473	17077	15168	32245
2	श्रीगंगानगर	10978	1969520	52	20	72	27354	19887	22233	42120
3	हनुमानगढ़	9656	1779650	65	32	97	18347	20965	24372	45337
4	चूरू	16830	2041172	49	21	70	29160	20377	26238	46615
	कुल	**64708**	**8158087**	**201**	**84**	**285**	**28625**	**78306**	**88011**	**166317**
जयपुर संभाग										
1	जयपुर	11588	6663971	226	94	320	20890	97352	108486	205838
2	झुंझुनु	5928	2139658	84	49	133	16088	26468	49338	75806
3	अलवर	8380	3671999	63	29	92	39913	34754	45898	80652
4	सीकर	7732	2677737	102	46	148	18093	60732	59093	119825
5	दौसा	2950	1637226	50	15	65	25188	18064	23536	41600
	कुल	**36578**	**16790591**	**525**	**233**	**758**	**22180**	**237370**	**286351**	**523721**
जोधपुर संभाग										
1	जोधपुर	22850	3685681	58	17	75	49142	13559	11935	25494
2	पाली	12387	2038533	37	5	42	48537	8376	7446	15822
3	सिरोही	5136	1037185	16	1	17	61011	5959	3923	9882
4	बाड़मेर	28387	2604453	45	4	49	53152	10607	7353	17960
5	जालौर	10640	1830151	40	4	44	41594	13215	8192	21407
6	जैसलमेर	38401	672008	4	2	6	112001	2168	1233	3401
	कुल	**117801**	**11868011**	**200**	**33**	**233**	**50936**	**53884**	**40082**	**93966**

(1 नामांकन के आंकड़े सामान्य शिक्षा के 1755 महाविद्यालयों से प्राप्त सूचना पर आधारित हैं)

क्र. सं.	जिला	क्षेत्रफल वर्ग कि. मी.	जनसंख्या 2011	संस्थाएं			प्रति महा. जनसंख्या	नामांकन1		
				छात्र	छात्राएं	कुल		छात्र	छात्राएं	कुल
उदयपुर संभाग										
1	उदयपुर	11687	3067549	49	11	60	51126	8538	15529	24067
2	बांसवाड़ा	4496	1798194	39	8	47	38259	17804	17875	35679
3	चित्तौड़गढ़	8077	1544392	22	4	26	59400	8632	9349	17981
4	डूंगरपुर	3770	1388906	37	6	43	33069	13879	16667	30546
5	राजसमंद	4768	1158283	15	5	20	57914	4225	5620	9845
6	प्रतापगढ़	4144	868231	11	3	14	62017	6105	7349	13454
	कुल	**36942**	**9825555**	**173**	**37**	**210**	**47012**	**59183**	**72389**	**131572**
कोटा संभाग										
1	कोटा	5481	1950491	21	7	28	69660	14778	15847	30625
2	बूंदी	5550	1113725	8	3	11	101248	4459	5760	10219
3	झालावाड़	6219	1411327	12	1	13	108564	4393	4846	9239
4	बांरा	6955	1223921	16	3	19	64417	5799	7215	13014
	कुल	**24205**	**5699464**	**57**	**14**	**71**	**80274**	**29429**	**33668**	**63097**
भरतपुर संभाग										
1	भरतपुर	5066	2549121	66	26	92	27708	21492	21789	43281
2	सवाईमाधोपुर	4987	1338114	19	7	26	51466	7315	8613	15928
3	करौली	5070	1458459	15	3	18	81026	6924	8521	15445
4	धौलपुर	3034	1207293	35	9	44	27438	7067	5215	12282
	कुल	**18157**	**6552987**	**135**	**45**	**180**	**36405**	**42798**	**44138**	**86936**
	महा योग	**342239**	**68621012**	1466	499	1965*	34957	566573	629928	1196501

(1 नामांकन के आंकड़े सामान्य शिक्षा के 1755 महाविद्यालयों से प्राप्त सूचना पर आधारित हैं)

***राज. महा.सांगानेर, (जयपुर) व राज.विधि महा., डूंगरपुर शैक्षणिक सत्र 2020–21 से प्रारम्भ किये जाएंगे**

जिलेवार महाविद्यालयों की संख्या सत्र 2019–20 (सशि = छात्र/सहशिक्षा)

क्र. सं.	जिला	राजकीय महाविद्यालय			निजी महाविद्यालय			स्ववित्तपोषी व निजीसहभागितामहाविद्यालय			समस्त महाविद्यालय		
		सशि	छात्राएं	कुल	सशि	छात्राएं	कुल	सशि	छात्राएं	कुल	सशि	छात्राएं	कुल
1	अजमेर	9	2	11	23	15	38	0	1	1	32	18	50
2	भीलवाड़ा	10	1	11	15	5	20	1	0	1	26	6	32
3	नागौर	10	1	11	66	17	83	0	0	0	76	18	94
4	टोंक	6	2	8	35	9	44	0	0	0	41	11	52
योग–अजमेर संभाग		35	6	41	139	46	185	1	1	2	175	53	228
1	बीकानेर	9	1	10	26	10	36	0	0	0	35	11	46
2	श्रीगंगानगर	5	2	7	47	18	65	0	0	0	52	20	72
3	हनुमानगढ़	3	1	4	62	31	93	0	0	0	65	32	97
4	चूरू	8	4	12	41	17	58	0	0	0	49	21	70
योग–बीकानेर संभाग		25	8	33	176	76	252	0	0	0	201	84	285
1	जयपुर	15	4	19	211	90	301	0	0	0	226	94	320
2	झुंझुनु	5	2	7	79	47	126	0	0	0	84	49	133
3	अलवर	14	2	16	49	27	76	0	0	0	63	29	92
4	सीकर	8	3	11	94	43	137	0	0	0	102	46	148
5	दौसा	6	4	10	44	10	54	0	1	1	50	15	65
योग–जयपुर संभाग		48	15	63	477	217	694	0	1	1	525	233	758
1	जोधपुर	10	3	13	48	14	62	0	0	0	58	17	75
2	पाली	9	1	10	27	4	31	1	0	1	37	5	42
3	सिरोही	6	1	7	10	0	10	0	0	0	16	1	17
4	बाड़मेर	8	2	10	37	2	39	0	0	0	45	4	49
5	जालौर	6	1	7	34	3	37	0	0	0	40	4	44
6	जैसलमेर	2	2	4	2	0	2	0	0	0	4	2	6
योग–जोधपुर संभाग		41	10	51	158	23	181	1	0	1	200	33	233
1	उदयपुर	8	2	10	41	9	50	0	0	0	49	11	60
2	बांसवाड़ा	3	1	4	36	7	43	0	0	0	39	8	47
3	चित्तौड़गढ़	7	1	8	13	3	16	2	0	2	22	4	26
4	डूंगरपुर	5	1	6	32	5	37	0	0	0	37	6	43
5	राजसमंद	7	2	9	8	2	10	0	1	1	15	5	20
6	प्रतापगढ़	4	1	5	7	1	8	0	1	1	11	3	14
योग–उदयपुर संभाग		34	8	42	137	27	164	2	2	4	173	37	210
1	कोटा	8	3	11	13	4	17	0	0	0	21	7	28
2	बूंदी	2	1	3	5	2	7	1	0	1	8	3	11
3	झालावाड़	7	1	8	5	0	5	0	0	0	12	1	13
4	बारां	7	1	8	7	2	9	2	0	2	16	3	19
योग–कोटा संभाग		24	6	30	30	8	38	3	0	3	57	14	71
1	भरतपुर	10	2	12	55	24	79	1	0	1	66	26	92
2	सवाईमाधोपुर	5	1	6	14	6	20	0	0	0	19	7	26
3	करौली	6	1	7	9	2	11	0	0	0	15	3	18
4	धौलपुर	6	1	7	29	7	36	0	1	1	35	9	44
योग–भरतपुर संभाग		27	5	32	107	39	146	1	1	2	135	45	180
समस्त राज्य		234	58	292	1224	436	1660	8	5	13	1466	499	1965*

*राज. महा.सांगानेर, (जयपुर) व राज.विधि महा., डूंगरपुर शैक्षणिक सत्र 2020–21 से प्रारम्भ किये जाएंगे

जिलों में श्रेणीवार विद्यार्थी नामांकन[1]: 2019–20

क्र. सं	जिला	अनु.जाति		अनु.जनजाति		अ.व वि. पि.जा.		अल्पसंख्यक		सामान्य		योग		
		छात्र	छात्राएँ	छात्र	छात्राएँ	छात्र	छात्राएँ	छात्र	छात्राएँ	छात्र	छात्राएँ	छात्र	छात्राएँ	योग
1.	अजमेर	3642	4151	516	398	8585	8328	301	706	4001	6483	17045	20066	37111
2.	अलवर	6541	8229	4207	5116	15160	21209	1163	1049	7683	10295	34754	45898	80652
3.	बांसवाड़ा	1048	1170	13154	13122	1955	1850	416	448	1231	1285	17804	17875	35679
4.	बांरा	1263	1454	1422	1518	2352	3002	190	414	572	827	5799	7215	13014
5.	बाड़मेर	1967	1138	421	127	5729	4167	816	412	1674	1509	10607	7353	17960
6.	भरतपुर	4958	4389	999	1125	8945	9176	672	388	5918	6711	21492	21789	43281
7.	भीलवाड़ा	2478	2286	606	517	5049	4783	327	568	2207	3315	10667	11469	22136
8.	बीकानेर	3642	2532	123	119	7951	7022	437	491	4924	5004	17077	15168	32245
9.	बूंदी	940	974	837	1224	2169	2581	31	126	482	855	4459	5760	10219
10.	चित्तौड़गढ़	1505	1633	913	645	3887	4100	319	477	2008	2494	8632	9349	17981
11.	चूरू	4391	4853	370	315	10122	14054	919	795	4575	6221	20377	26238	46615
12.	दौसा	3760	4148	5673	9177	5318	6050	650	485	2663	3676	18064	23536	41600
13.	धौलपुर	1506	865	1000	628	2320	1475	110	129	2131	2118	7067	5215	12282
14.	डूंगरपुर	740	801	9252	11865	2404	2594	227	234	1256	1173	13879	16667	30546
15.	हनुमानगढ़	5203	6180	183	178	10068	11886	1036	1206	4475	4922	20965	24372	45337
16.	जयपुर	13675	14534	13380	12395	40434	49030	3089	2675	26774	29852	97352	108486	205838
17.	जैसलमेर	411	201	119	31	760	561	193	14	685	426	2168	1233	3401
18.	जालौर	3833	1941	776	316	6308	4265	227	134	2071	1536	13215	8192	21407
19.	झालावाड़	1026	811	700	600	2013	2009	111	333	543	1093	4393	4846	9239
20.	झुंझुनु	5241	9263	1232	2064	14539	28663	727	1602	4729	7746	26468	49338	75806
21.	जोधपुर	2545	1646	308	119	6738	6236	437	430	3531	3504	13559	11935	25494
22.	करौली	1793	1678	1652	3103	2533	2175	87	164	859	1401	6924	8521	15445
23.	कोटा	2786	2899	2116	2172	5897	5905	711	961	3268	3910	14778	15847	30625
24.	नागौर	4012	3161	109	65	13477	11890	1411	1114	3861	3774	22870	20004	42874
25.	पाली	2162	1718	340	181	3978	3272	301	230	1595	2045	8376	7446	15822
26.	प्रतापगढ़	575	672	3620	4267	1312	1438	133	153	465	819	6105	7349	13454
27.	राजसमंद	716	1005	286	178	1759	2454	145	210	1319	1773	4225	5620	9845
28.	सवाईमाधोपुर	1660	1638	1770	2797	2546	2087	456	500	883	1591	7315	8613	15928
29.	सीकर	9274	8963	3030	3123	34243	35403	1446	1145	12739	10459	60732	59093	119825
30.	सिरोही	1594	804	947	439	2130	1306	70	49	1218	1325	5959	3923	9882
31.	श्रीगंगानगर	4504	5132	270	219	7894	8732	1924	1851	5295	6299	19887	22233	42120
32.	टोंक	3401	3013	2496	2589	6456	5644	867	927	1801	1577	15021	13750	28771
33.	उदयपुर	731	1558	3682	6185	2124	3684	177	940	1824	3162	8538	15529	24067
	योग	**103523**	**105440**	**76509**	**86917**	**247155**	**277031**	**20126**	**21360**	**119260**	**139180**	**566573**	**629928**	**1196501**

1 विश्वविद्यालय के विभागों व संघटक महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयवत संस्थाओं, तकनीकी, बी.एड. और संस्कृत शिक्षा को छोड़कर,सामान्य शिक्षा के 1755 महाविद्यालयों से प्राप्त सूचना पर आधारित

मुद्रक : राजस्थान राज्य सहकारी मुद्रणालय लि., जयपुर 0141-2751417